REGISTRATION NO. PB-JL-058/20-22

www.dainiksaveratimes.com

दैनिक सवेरा टाइम्स

पंजाब, चंडीगढ़, दिल्ली, हिमाचल, जम्मू, हरियाणा से प्रकाशित

अंधेरे से उजाले की ओर...

DAINIK SAVERA TIMES, JALANDHAR

» पृष्ठ 12 » वर्ष : 10 » अंक : 101 जालंधर, सोमवार, 23 नवंबर 2020 9 मार्गशीर्ष, विक्रमी सम्वत् 2077 « शक सम्वत् 1940 « वीर सम्वत् 2547 « मूल्य : 3 रुपए

पंजाब

नगरोटा मुठभेड़ : पाकिस्तान से सुरंग के जरिए कहर बरपाने आए थे आतंकी

जम्मू, 22 नवंबर (एजैंसी): जम्मू क्षेत्र के सांबा सैक्टर के रेहाल गांव में जम्मू-कश्मीर पुलिस और सीमा सुरक्षा बल (बी.एस.एफ.) की संयुक्त टीम ने एक ताजी सुरंग का पता लगाया है। इस सुरंग के निर्माण और इसके जरिए हाल ही में नगरोटा मुठभेड़ में मारे गए जैश-ए-मोहम्मद के 4 आतंकवादियों को घुसपैठ कराने में पाकिस्तान की भूमिका का भी पर्दाफाश हुआ है।

प्रदेश के पुलिस महानिदेशक दिलबाग सिंह ने सुरंग स्थल के पास पत्रकारों से कहा कि गत शुक्रवार को नगरोटा मुठभेड़ में 4 पाकिस्तानी आतंकवादियों के मारे जाने तथा उनके पास से भारी मात्रा में हथियार एवं गोला-बारूद बरामद होने के बाद यह सवाल उठ रहे थे कि आतंकवादियों ने किस रास्ते घुसपैठ की और वे कैसे राष्ट्रीय राजमार्ग पर पहुंचे। सिंह ने बताया कि खुफिया सूचना के आधार पर सीमावर्ती इलाकों में तलाशी अभियान शुरू किया गया। इसी दौरान इस नवनिर्मित सुरंग का पता चला

पाकिस्तान की ओर खुलता है 30 से 40 मीटर लंबी इस सुरंग का मुंह

जो पाकिस्तान से कुछ मीटर की दूरी पर स्थित है। उन्होंने बताया कि सुरंग का मुंह पाकिस्तान की ओर खुलता है तथा ऐसा लगता है कि आतंकवादियों ने घुसपैठ करने के लिए इसी सुरंग का इस्तेमाल किया होगा। इस बीच बी.एस.एफ. जम्मू फ्रंटियर के महानिरीक्षक एन.एस. जामवाल ने कहा कि आतंकवादियों ने घुसपैठ के लिए तकनीक का इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा कि नगरोटा मुठभेड़ में मारे गए आतंकवादियों ने 30 से 40 मीटर लंबी इस सुरंग का इस्तेमाल किया क्योंकि यह बिल्कुल ताजा निर्मित है। उन्होंने कहा कि हमारा मानना है कि उनके साथ एक गाइड भी था जो राजमार्ग का रास्ता दिखाने तक उनके साथ था। इस मौके पर जम्मू क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक मुकेश सिंह भी मौजूद थे।

जम्मू : अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर सांबा सैक्टर में मिली भूमिगत सुरंग को देखते सुरक्षा अधिकारी।

हिमाचल में बुधवार को बर्फबारी और बारिश होने का अनुमान

शिमला 22 नवंबर (एजैंसी): मौसम विभाग ने हिमाचल प्रदेश में बुधवार को भारी बारिश और बर्फबारी होने का अनुमान जताया है जबकि राज्य के कुछ जिलों में शीतलहर जारी है। शिमला मौसम विज्ञान केंद्र ने इससे पहले रविवार से बुधवार के बीच बारिश और बर्फबारी का अनुमान जताया था। हालांकि शिमला मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक मनमोहन सिंह ने रविवार को कहा कि बुधवार को मध्यम ऊंचाई वाले पहाड़ी इलाकों की दूर-दराज की जगहों पर भारी बारिश और ऊंचे पर्वतीय इलाकों में बर्फबारी की संभावना को देखते हुए 'यैलो वैदर' चेतावनी जारी की गई है।

मेंढर सैक्टर में सीमा के पास दिखा पाक ड्रोन

जम्मू, 22 नवंबर (एजैंसी): जम्मू-कश्मीर में पुंछ जिले के मेंढर सैक्टर में नियंत्रण रेखा के पास आसमान में एक पाकिस्तानी ड्रोन उड़ता देखा गया है, जिसके बाद सेना ने तलाश अभियान शुरू कर दिया है। अधिकारियों ने रविवार को बताया कि शनिवार शाम को ड्रोन देखे जाने के कुछ ही देर बाद बसोनी, धारणा और आसपास के क्षेत्रों में तलाश अभियान शुरू किया गया।

उन्होंने बताया कि पाकिस्तान ने पिछले 6 महीने में नियंत्रण रेखा एवं अंतर्राष्ट्रीय सीमा के पास आसमान से हथियार और नशीले पदार्थ गिराने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल किया है, जिसके कारण सीमा के पास हाई अलर्ट घोषित किया गया है।

रेलवे ट्रैक साफ, आज से चलेंगी 25 ट्रेनें!

किसान संगठनों की सहमति के बाद 15 दिन के लिए चलेंगी मालगाड़ियां और सवारी ट्रेनें

अमृतसर, 22 नवंबर (राजेश शर्मा) : 60 दिन से ज्यादा समय तक पंजाब में किसानों ने रेलवे ट्रैकों को जाम करके प्रदर्शन किया।

अब सोमवार से किसान संगठन सरकार से आपसी सहमति के बाद 15 दिन के लिए ट्रैक से उठ गए हैं और रेलवे ट्रैक खाली हो गए हैं। रविवार को अमृतसर से अंबाला व तरनतारन से जालंधर तक रेलवे के इंजन चलाए गए और रेलवे ट्रैक की जानकारी रेलवे विभाग द्वारा ली गई जोकि पूरी तरह से ठीक थी अब पूरे पंजाब में 25 से ज्यादा ट्रेनें चलेंगी।

रेलवे विभाग ट्रेनें चलाने के लिए पूरी तरह से सरगर्म हो गया है। रेलवे ने ड्राइवरों को पूरी तरह से तैयार रहने के लिए आदेश जारी कर दिए है कि वह रेलवे स्टेशन पर तैनात रहे, ताकि वह गुड्स व पैसेंजर ट्रेनों को ले जा सके। वहीं अमृतसर, जालंधर ,पठानकोट, लुधियाना में रेलवे स्टेशन पर कारोबारियों का फंसा करोड़ों रुपए का माल भी ट्रेनों के माध्यम से अपनी जगह पहुंचेगा। ट्रेनें बंद होने से कारोबारियों को करोड़ों रुपए का नुक्सान हुआ। अब ट्रेनें चलने से उनका माल दूसरे राज्यों में पहुंचेगा। रेलवे डी.आर.एम. राजेश अग्रवाल ने कहा कि रेलवे पूरी तरह से तैयार है। रविवार को रेलवे ट्रेकों का निरीक्षण किया गया जोकि ठीक है। सोमवार को पूरे पंजाब में ट्रेने चलाई जाएगी।

अमृतसर से चलेगी एक ट्रेन

वहीं सोमवार को अमृतसर से दोपहर में एक ट्रेन चलने की संभावना है। रेलवे सूत्रों के मुताबिक रेलवे ने इसकी तैयारी कर ली है। इशारा मिलते है ट्रेन का रवाना कर दी जाएगी। वही 24 नवंबर से 12 ट्रेनें चलेंगी।

5 करोड़ की हैरोइन सहित तस्कर काबू

पकड़ा गया नशा तस्कर सी.आई.ए. स्टाफ की टीम के साथ।

फिरोजपुर, 22 नवंबर (विकास) : सी.आई.ए. स्टाफ फिरोजपुर की टीम ने 1 किलो हैरोइन के साथ 1 नशा तस्कर को गिरफ्तार किया है। सी.आई.ए. स्टाफ फिरोजपुर के इंचार्ज इंस्पैक्टर परविंदर सिंह ने बताया कि एस.एस.पी. फिरोजपुर भूपिंदर सिंह द्वारा नशा तस्करों के खिलाफ चलाई गई मुहिम के तहत नशा तस्कर गुरप्रीत सिंह को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी गुरप्रीत सिंह गोपी पुत्र दलीप सिंह, वासी नजदीक गुरुद्वारा शहीदां, जिला अमृतसर को सूचना के आधार पर कार्रवाई कर गिरफ्तार किया। आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि पकड़ी गई हैरोइन की अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत तकरीबन 5 करोड़ रूपए है।

किसानों की मांगों का निपटारा टेबल पर बैठ कर होगा : सांपला

केंद्र किसानों से बातचीत के लिए तैयार, पर किसान केंद्रीय मंत्री से बैठक करने नहीं आए : भाजपा

विजय सांपला

चंडीगढ़ , 22 नवंबर (धालीवाल) : भाजपा नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री विजय सापंला ने कहा कि किसानों कि मांगों का निपटारा टेबल पर बैठ कर होगा। अगर अभी तक यह निपटारा नहीं हुआ तो इसके लिए पंजाब सरकार जिम्मेदार है। क्योकि केंद्र सरकार तो किसानों से बातचीत के लिए कह चुकी है। सापंला ने कहा कि किसानों को केंद्रीय कृर्षी मंत्री नरेंद्र तोमर ने दोबारा बैठक के लिए 21 नवंबर का समय दिया था लेकिन किसान वहां नहीं गए। उन्हें वहां जाना चाहिए था। कांग्रेस कही न कही शरारत कर रही है और इस मसले का हल नहीं चाहती है और इसी ने ही किसानों को बैठक में नहीं जाने दिया। अभी इस बात का देश के सभी लोगों का पता चल गया है। किसानों ने मुख्यमंत्री के साथ तो बैठक कर ली है लेकिन केंद्रीय मंत्री के साथ बैठक के लिए नहीं गए। दैनिक सवेरा टीवी से बात करते हुए सापंला ने कहा कि अब मुख्यमंत्री कह रहे हैं कि वह केन्द्र सरकार से किसानों के बारे में बात करेंगे। पहले ही मुख्यमंत्री को किसानों के साथ चले जाना चाहिए था।

सिर्फ उकसाए गए किसान ही सड़कों पर धरने दे रहे

जब उनसे पूछा गया कि किसान भाजपा से नाराज है और इसलिए सड़कों पर बैठे है तो सापंला ने कहा कुछ राजनीति से प्रेरित लोगों द्वारा उकसाए हुए किसान ही सड़कों पर धरने दे रहे हैं जबकि दूसरे किसान अपने खेतों में अपना काम कर रहे हैं। वह खुशहाल है और अपनी फसल के बुआई कर रहे है। जब सांपला को कहा गया किसान देश के सभी भागों से 26 नवंबर को दिल्ली आ रहे है तो उन्होनें कहा कि सिर्फ वही किसान आ रहे है जो काग्रेंस या भाजपा विरोधी पार्टियों के भड़काए हुए है। उन्होनें दावा किया कि बहुत सारे किसान भाजपा के साथ है। वह खुशहाल है और अपना काम कर रहे है। मुख्यमंत्री के इस बयान पर कि भाजपा का पंजाब में वजूद नहीं है, सांपला ने कहा कि इस बयान से मुख्यमंत्री की घबराहट साफ दिखाई दे रही है। पहले काग्रेंस कहती थी कि भाजपा का उत्तर पूर्व में भी कोई वजूद नहीं है, पर अब भाजपा की कई उन प्रातों में सरकारें है।

किसान संगठनों को राजनीतिक पार्टियों से दूरी बनानी होगी : हरजीत ग्रेवाल

हरजीत ग्रेवाल

चंडीगढ़ (धालीवाल) : भाजपा नेता हरजीत सिंह ग्रेवाल ने कहा कि उनको इस बात का दुख है कि किसान संगठनों ने केंद्रीय 2 मंत्रियों के कहने पर तो रेल रोको खत्म नहीं किया लेकिन जब उनको पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरेन्द्र सिंह ने कहा तो उन्होंने तुरंत रेल रोको खत्म कर दिया। ग्रेवाल ने कहा कि लग रहा है किसान आंदोलन को कांग्रेस पार्टी का समर्थन प्राप्त है। उन्होंने कहा के किसान संगठनों को राजनीतिक पार्टियों से दूरी बनाई रखनी चाहिए। मुख्यमंत्री के साथ हुई मीटिंग के बाद लग रहा है कि इस किसान आंदोलन को कांग्रेस चला रही है जो कि बहुत ही निंदनीय है। ग्रेवाल ने कहा कि 13 नवंबर 2 केंद्रीय मंत्री किसानों के साथ 7 घंटे तक मीटिंग करते रहे। उनके साथ बैठे रहे और शायद ही पहले कभी किसी केंद्रीय मंत्री ने किसी आंदोलन कर रही संगठन को इतना समय दिया हो। उस दिन रेल मंत्री पीयूष गोयल ने सभी किसानों को रेल रोको खत्म करने के लिए अपील की थी और रेल गाड़ियां के संचालन का भरोसा दिया था लेकिन किसानों ने उनकी अपील को ठुकरा दिया था।

नुक्कड़ नाटकों, बैठकों के माध्यम से 26-27 नवंबर तक दिल्ली जाने के लिए किया जा रहा है आमंत्रित

वहीं किसान नेता जगमोहन सिंह ने कहा कि 30 किसानों के संगठनों के धरने जारी हैं। गावों में ढोल बाजों, नुक्कड़ नाटकों, बैठकों, डोर-टू-डोर संपर्क अभियानों के माध्यम से, हर पंजाबी को 26-27 नवंबर तक दिल्ली जाने के लिए आमंत्रित किया जा रहा है। दिल्ली मोर्चा के लिए राशन, इंधन और धन एकत्र किया गया है। किसान और महिला कार्यकर्ता भी इस अभियान में प्रभावी भूमिका निभा रहे हैं। किसान नेताओं ने कहा कि 95 फीसदी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। महिलाओं, युवाओं, छात्रों, पूर्व सैनिकों, कर्मचारियों सहित सभी क्षेत्रों के लोग किसान संघर्ष को लेकर एकजुटता दिखा रहे हैं। बरनाला के किसान नेताओं ने कहा कि डैमोक्रेटिक टीचर्स फ्रंट की जिला इकाई ने किसानों को 31,000 रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान की है और पूर्व सैनिकों ने 10,000 रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान की है।

गलती से कीटनाशक पिया, भाई-बहन की मौत

जैतो, 22 नवंबर (धीर) : जैतो उपमंडल के गांव दबड़ीखाना में गलती से कीटनाशक पीने से मौसरे भाई-बहन की मौत हो गई। मृतकों की पहचान दविंदर सिंह (21) व उसकी मौसेरी बहन संदीप कौर (17) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार मुक्तसर के गांव गोनियाना निवासी संदीप कौर पिछले कुछ दिनों से गांव दबड़ीखाना में रह रही अपनी मौसी मनप्रीत कौर के घर आई हुई थी। वीरवार को संदीप कौर व उसकी मौसी के बेटे दविंदर सिंह ने घर में गलती से खांसी की दवा वाली शीशी में रखी कीटनाशक पी ली जिसके कारण दोनों की हालत बिगड़ गई जिन्हें इलाज के लिए गोनियाना (बठिंडा) के एक निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया जहां पर दोनों की मौत हो गई। थाना जैतो के एस.एच.ओ. विक्रमजीत सिंह व ए.एस.आई. दलजीत सिंह ने बताया कि पुलिस ने दविंदर की मां मनप्रीत कौर व संदीप कौर की मां प्रवीण कौर के बयान पर कार्रवाई कर शव को पोस्टमार्टम के उपरांत वारिसों के हवाले कर दिया है।

बिना 'पार्टी झंडे' के किसानों के संघर्ष में शामिल होंगे आप वर्कर : भगवंत मान

- **किसानों के संघर्ष में आम आदमी पार्टी कंधे से कंधा जोड़ कर खड़ी होगी**

भगवंत मान

चंडीगढ़, 22 नवंबर (मोहित) : आप पंजाब प्रधान एंव सांसद भगवंत मान ने किसानों की ओर से दिल्ली में किए जाने वाले प्रदर्शन में पार्टी वर्करों को बिना पार्टी का झंडा लिए शामिल होने की अपील की है। मान ने कहा कि किसानों के संघर्ष में शामिल होकर आम आदमी पार्टी राजनीति से ऊपर उठकर उनके कंधे से कंधा जोड़ कर खड़ी होगी। मान ने कहा कि पार्टी वर्कर और पदाधिकारी राजनीति से ऊपर उठ कर किसानों की जायज मांगों को अपना समर्थन देने की नीयत के साथ संघर्ष में शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि 26 और 27 नवंबर को किसानों की ओर से दिल्ली में किए जाने वाले घेराव में गांव गांव, गली, मुहल्ले में से किसानों के काफिलों में शामिल होंगे। उन्होंने वर्करों से अपील की है कि हमारे लिए हमारे किसान सबसे पहले हैं और राजनीति बाद में, हमारा फर्ज बनता है कि हम पंजाब वासी होने के नाते किसानों के आंदोलन में शामिल हों।

कोविड -19 से मरे एम.एस. की पढ़ाई कर रहे डाक्टर अंकित की फीस माफ

फरीदकोट, 22 नवंबर (अमित) : बाबा फरीद यूनिवर्सिटी के मैडीकल कालेज में एम.एस. स्टूडैंट 24 वर्षीय डाक्टर अंकित की कोरोना महामारी की चपेट में आने से मौत हुई थी। यूनिवर्सिटी प्रशासन ने मृत डाक्टर अंकित के परिजनों को एम.एस. की फीस वापस कर दी है, जो कि पढ़ाई के लिए लोन द्वारा परिजनों ने जमा करवाई थी। इसके साथ ही यूनिवर्सिटी ने प्रदेश सरकार से परिजनों को 50 लाख रुपए देने की सिफारिश की है। मृतक के पिता पटियाला रेलवे में फोर्थ क्लास कर्मी है। बाबा फरीद यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर डाक्टर राज बहादुर ने पटियाला स्थित मृतक के घर पर पहुंच कर शोक जताया।

सिविल सर्जन डा. नवदीप का चंडीगढ़ तबादला, डा. आर.एस. सेठी ने संभाली कमान

मामला गर्भवती महिला की डिलीवरी का वीडियो बनाने का

अमृतसर, 22 नवंबर (विकास) : गर्भवती महिला की डिलीवरी का वीडियो बनवाकर प्रसारित करने वाले सिविल सर्जन डा. नवदीप सिंह तबादला पंजाब सरकार ने रविवार को चंडीगढ़ कर दिया है। छुट्टी वाले दिन ही पंजाब सरकार ने डा. नवदीप सिंह के ट्रांसफर के आर्डर जारी कर दिए हैं। वहीं चंडीगढ़ में तैनात डिप्टी डायरैक्टर डा. आर.एस. सेठी को सिविल सर्जन का पदभार सौंपा गया है। डा. सेठी ने कहा कि वह अपने पद की गरिमा पूरी तरह से बनाए रखेंगे। वह इससे पहले भी जिला परिवार भलाई अधिकारी के रूप में अपनी सेवाएं शहर के दे चुके हैं।

जालंधर. रैनक बाजार में रविवार को लगने वाली संडे मार्कीट में पहुंची लोगों की भीड़। जहां एक ओर कोरोना के मामले बढ़ते जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर लोग बिना किसी डर के नियमों को तोड़ रहे हैं।

सीमावर्ती एरिया में आतंकी इनपुट अलर्ट के बाद चलाया सर्च अभियान

बमियाल, 22 नवंबर (मानव) : जम्मू के नगरोटा टोल प्लाजा पर मारे गए आतंकियों के सांबा क्षेत्र से इनपुट बाहर आने के बाद जिला पठानकोट पुलिस पूरी तरह से सतर्क हो गई है।

पुलिस ने बमियाल सैक्टर जो कि जम्मू-कश्मीर की सीमा से सटा हुआ है, में सतर्कता बढ़ा दी है व सर्च ऑप्रेशन चलाया जा रहा है ताकि जिला पठानकोट की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया जा सके। शनिवार को एस.पी. ऑप्रेशन हेम पुष्प शर्मा, डी.एस.पी. ऑप्रेशन सुखविंदर सिंह के नेतृत्व में कस्बा बमियाल चौंकी पुलिस, कस्बा नरोट जैमल सिंह पुलिस की ओर से सीमावर्ती एरिया में पुलिस और कमांडो द्वारा सर्च ऑप्रेशन चलाया गया।

एस.पी. ऑप्रेशन हेमपुष्पा शर्मा ने बताया कि नगरोटा में हुई आतंकी वारदात को देखते हुए चौकसी बढ़ाई गई है।

सर्च आप्रेशन के दौरान छानबीन करते हुए कमांडो टीम व पुलिस अधिकारी।

तेज रफ्तार कार पेड़ से टकराई, नौजवान की मौत, मां-बेटी घायल

मानसा, 22 नवंबर (बग्गा) : मानसा में एक सड़क हादसे में युवक की मौत हो गई जबकि मां-बेटी घायल हो गए। मिली जानकारी के अनुसार मानसा के वार्ड नंबर 10 का परिवार जागरण समागम से घर वापस आ रहा था कि जोगा के नजदीक उनकी कार बेकाबू होकर पेड़ से जा टकराई जिसमें चालक मोहित कुमार की मौत हो गई। इस घटना में मां सरोज रानी व बहन सोनिया सिंगला जख्मी हो गई जिन्हें को सिविल अस्पताल मानसा में दाखिल करवाया है। पुलिस के अनुसार कार की रफ्तार ज्यादा थी। वार्ड पार्षद कंचन सेठी, पूर्व पार्षद शिवचरण दास सूचन व हरपाल सिंह पाली ने इस घटना पर दुख का प्रकट किया। थाना जोगा के मुखी कमलजीत सिंह का कहना है कि कार की रफ्तार तेज थी, जिस कारण वह बेकाबू हो गई। मामले की जांच करने के लिए घटनास्थल पर सहायक थानेदार नायब सिंह पहुंचे।

धर्मसोत ने वन विभाग के वृक्ष काटने और बेचने का लिया नोटिस, 7 दिनों में रिपोर्ट मांगी

चंडीगढ़, 22 नवंबर (मोहित) : वन विभाग के मंत्री साधु सिंह धर्मसोत ने रोपड़ के बेला और कमालपुर क्षेत्र में विभाग के वृक्ष गैर-कानूनी तौर पर काटने और बेचने संबंधी खबरों का गंभीर नोटिस लिया है। धर्मसोत ने बताया कि जिला बेला और कमालपुर वन क्षेत्र में अलग-अलग वृक्षों को गैरकानूनी तौर पर काटने और बेचने संबंधी खबरों की जांच करने के आदेश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि प्रधान मुख्य वनपाल जतिन्दर शर्मा को इस मामले की 7 दिनों में जांच करवाकर रिपोर्ट सौंपने के लिए कहा गया है। वन मंत्री ने कहा कि जांच रिपोर्ट में विभाग के किसी भी अधिकारी/कर्मचारी या किसी भी अन्य व्यक्ति का दोष सामने आने पर सख्त कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

टयूशन जा रहे युवक को बाइक सवार ने मारी टक्कर, हुई मौत

फाजिल्का, 22 नवंबर (सतीश) : नगर थाना पुलिस ने एक व्यक्ति की शिकायत पर टयूशन जा रहे उसके बेटे को पीछे से टक्कर मारने से हुई मौत के मामले में मोटरसाइकिल सवार के विरुद्ध मामला दर्ज किया है। पुलिस ने मृतक युवक का फाजिल्का के सरकारी अस्पताल में पोस्टमार्टम करवाने के बाद शव को परिजनों के हवाले कर दिया है। जांच अधिकारी भगवान सिंह ने बताया कि उन्हें दविंद्र कुमार वासी खटीका मोहल्ला अन्नी दिल्ली फाजिल्का ने शिकायत दर्ज करवाई कि वह कबाड़ की फेरी का कार्य करता है। उसका लड़का जोकि 11वीं कक्षा में पढ़ता है, 20 नवंबर की शाम अपने दोस्त के पास गया कि हमें टयूशन पर जाना है जोकि गली राज नर्स वाली के पास पहुंचे थे कि पीछे से एक मोटरसाइकिल सवार सुनील कुमार ने तेज व लापरवाही के साथ मोटरसाइकिल ने उसके लड़के गौरव को टक्कर मार दी जिससे उसके लड़के के सिर पर गंभीर चोटें लग गई। उसे अस्पताल में ले गया, जहां से उसे गंगानगर इलाज के लिए रैफर कर दिया गया, रविवार सुबह उसकी मौत हो गई।

विश्व प्रसिद्ध खान इंजीनियर जसवंत सिंह गिल की उचित यादगार स्थापित की जाए : प्रो. दरबारी लाल

प्रो. दरबारी लाल

अमृतसर, 22 नवंबर (आहूजा) : पूर्व डिप्टी स्पीकर प्रो. दरबारी लाल ने विश्व प्रसिद्ध खान इंजीनियर जसवंत सिंह गिल द्वारा राष्ट्र एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर की गई बहुमूल्य सेवाओं को सम्मुख रखते हुए सरकार से उचित यादगार स्थापित करने के लिए अनुरोध करते हुए कहा कि इंजीनियर गिल ने 15-16 नवंबर 1989 को रानीगंज क्षेत्र में महाबीर कोयला खानों से 330 फुट नीचे फंसे मजदूरों को निकालने के लिए वो काम करके दिखाया जिसे विश्व के बड़े-बड़े इंजीनियर हैरान रह गए।

प्रो. लाल ने मुख्यमंत्री अमरेंद्र सिंह से मांग की है कि अमृतसर में उनकी उचित यादगार स्थापित की जाए ताकि आनें वाली पीढ़ियां इस महान इंजीनियर को याद रख सके।

प्रो .लाल ने कहा कि कई वर्ष पश्चात चिलीयन खान मजदूरों को नासा ने उनकी स्टील कैप्सूल तकनीक का इस्तेमाल किया। दिसंबर 2018 में मेघालय के मुख्यमंत्री संगमा ने फंसे हुए 15 खान मजदूरों को निकालने के लिए उनसे सलाह ली।

जब थाईलैंड में 12 बच्चे और उनका फुटबाल कोच पानी से भरी हुई गुफा में फंस गए तब भी थाईलैंड सरकार ने जसवंत सिंह गिल से सलाह ली। प्रो. लाल ने कहा कि उन्हें अलीगढ, रांची, स्वामी विवेकानंद अवार्ड ,फरिश्ता-ए-कौम से नवाजा गया।

उनकी जीवनी और अद्भुत कार्यों पर बालीवुड फिल्म भी बनाई जा रही है। प्रो. लाल ने कहा कि मैं उन्हे व्यक्तिगत तौर पर जानता हूं। वह बड़े ही जिज्ञासु, विवेकशील, रहमिदल और मानव सेवा की भावनाओं से ओत-प्रोत थे।

चाचा चंडीगढ़िया

जनता नूं नशा वेच्चन ते विकवाउंन वालियां मच्छीयां दे फड़े जान दी खबर दा इंतजार

लै बयी भतीज, हुन अपने पंजाब दी कुड़ी वी काबू आ गयी एन.सी.बी. 'च, दे ते गयी 14 दिन लई मुंबई दी जेल 'च। हां बयी टॉप क्लास दी कमेडियन भारती वी गांजा पीन दे इल्जाम 'च फड़ी गई है ते उसदा घरवाला वी, इह खबर ते तूं पढ़ ही लयी है ना। ते इस तों पेहलां वी कितने ही स्टार्ज एन.सी.बी. दी इंक्वायरी फेस कर चुक्के ने ते कितने जेल 'च ने ते कितने बेल ते ने ओह वी तुहानूं पता ही है ते किन्ने अजे होर परेशान होंन वाले ने ओह किसे नूं वी पता नहीं। हो सकदा है के कल-परसों ही किसे होर छोटे-वड्डे एक्टर या एक्ट्रैस दे अंदर होंन दी वी खबर आ जावे, पर ओह असल खबर कद आवेगी जिस दा मैनूं, तैनूं ते पूरे देश नूं इंतजार है। देख ना बयी नशा करण वाले अंदर करन दीयां खबरां दा इंतजार कित्थे है देश ते देशवासियां नूं, देश ते नशा वेच्चन ते विकवाउंन वालियां वड्डीयां मच्छीयां दे फड़े जान दी खबर दा इंतजार है। तूं इह दस्स भतीज, ओह खबर कद आवेगी या आवेगी वी के नहीं? नशा करण वालेयां नूं ना ते समाज ही अंदर वेखणा चौहन्दी है ते ना ही समाज वेखणा चौहन्दा है। ओहनां दा ते नशा छुडाउन्न लई सरकार ने नशा छुडाओ सैंटर खोले होए ने, जिन्हां ते करोडां रुपए खर्च करदी है सरकार। इहनां नूं अंदर कर के कुज्ज हासिल नहीं होंन वाला, ओहनां नूं अंदर करो जेहड़े पैसे लुट्ट के बैंक भर रहे ने ते जवानी बर्बाद कर रहे ने। समझ आई गल्ल के नहीं?

chachasavera@gmail.com

मांग मनवाने का तरीका : रोजगार के लिए संघर्ष कर रहे पी.टी.आई. शिक्षा मंत्री के शहर में टावर पर चढ़े

- **प्रदर्शनकारियों का ऐलान : जब तक मांगें नहीं मानी जाती, संघर्ष रहेगा जारी**

संगरूर, 22 नवंबर (सचिन/जसवीर) : संगरूर में रविवार को पी.टी.आई. यूनियन रोष प्रदर्शन पर उतर आई। 4 प्रदर्शनकारी टावर पर चढ़ गए, वहीं नीचे भी काफी संख्या में साथी धरने पर बैठ गए। इनका कहना है कि जब तक इन्हें रोजगार नहीं दे दिया जाता, तब तक संघर्ष रुकेगा नहीं। रोजगार लेकर ही घरों को वापस लौटेंगे, अन्यथा टावर के नीचे ही पक्का मोर्चा लगाया जाएगा। बताते चलें कि प्रदेश के सैकड़ों की संख्या में पी.टी.आई. प्रशिक्षित युवक लंबे समय से रोजगार की मांग कर रहे हैं। इसी के चलते बेरोजगार पी.टी.आई. यूनियन (646) के बैनर तले बेरोजगारों ने शिक्षा मंत्री विजय इंदर सिंगला के शहर संगरूर में सरकार के खिलाफ नाराजगी जताई। अशोक कुमार, सिंदर राम, वकील राम, दिलवर संगरूर और अवतार सिंह बी.एस.एन.एल. के टावर पर चढ़ गए, जबकि बाकी सदस्यों ने नीचे टावर के पास धरना लगा दिया।

टावर पर चढ़े बेरोजगार पी.टी.आई. अध्यापक। (राज)

टावर पर चढ़े बेरोजगारों में फाजिल्का का अशोक कुमार, मानसा का वकील राम, पातड़ां का शिंदर राम और बड़बर का दिलबल सिंह शामिल हैं। इन्होंने ऐलान किया कि जब तक उन्हें रोजगार देने की मांग पर सरकार सहमति नहीं देगी, तब तक वह टावर पर डटे रहेंगे। उन्होंने ऐलान किया कि जब तक उनकी मांग को पूरा नहीं किया जाता, तब तक संघर्ष निरंतर जारी रखा जाएगा। इस मौके गुरलाल भोला, जसविंदर सिंह, अशोक कुमार सहित यूनियन के अन्य सदस्य मौजूद थे।

समाना नहर से मिली किरणजीत की शव, दूसरे की तलाश जारी

- **20 नवंबर को भेदभरे हालात में सरहिंद नहर में कूदा था किरणजीत**

मृतक किरनजीत सिंह की फाइल फोटो

मंडी गोबिंदगढ़, 22 नवंबर (लक्की) : गत 20 नवंबर को सरहिंद नहर में डूबने वाले मंडी गोबिंदगढ़ के गांव नसराली के 2 चचेरे भाइयों में से किरणजीत सिंह (26) का शव समाना से गुजरती भाखड़ा नहर से मिल गया है, जबकि किरणदीप को रस्सी फैंककर बचाते वक्त नहर में गिरे चचेरे भाई पवित्र सिंह की तलाश गोताखोरों द्वारा की जा रही है। जिक्रयोग्य है कि किरणजीत सिंह निवासी गांव नसराली मंडी गोबिंदगढ़ गत 20 नवंबर को डेरा मीर मीरा तथा गांव-गांव जंडाली नहर में भेदभरी हालात में कूद गया था, जिसको बचाने के लिए चचेरे भाई पवित्र सिंह भी नहर में गिर गया था। दोनों भाई नहर में पानी का बहाव तेज में लापता हो गए थे। इस बारे जानकारी देते एस.एच.ओ. सरहिंद रजनीश सूद तथा ए.एस.आई. नेत्र सिंह ने बताया कि किरणजीत सिंह का शव सिविल अस्पताल के मोर्चरी में रखवा दिया गया है जिसका सोमवार को पोस्टमार्टम करवाने उपरांत वारिसों को सौंपा जाएगा।

दैनिक सवेरा टाइम्स

www.dainiksaveratimes.com

पंजाब, चंडीगढ़, दिल्ली, हिमाचल, जम्मू, हरियाणा से प्रकाशित

अंधेरे से उजाले की ओर...

3

REGISTRATION NO. PB-JL-058/20-22

DAINIK SAVERA TIMES, JALANDHAR | जालंधर, सोमवार, 23 नवंबर 2020 | WWW.DAINIKSAVERATIMES.COM | पंजाब, चंडीगढ़, दिल्ली, हिमाचल, जम्मू, हरियाणा से प्रकाशित

अनमोल वचन

‘मधुर वाणी बोलना एक महंगा शौक है, जो हर किसी के बस की बात नहीं!’

कोरोना TRACKER

दुनियाभर में हालात

कुल मामले	58,768,905
ठीक हुए	40,658,110
कुल मौतें	1,390,859

टॉप 10 देश

देश	मामले	ठीक हुए	मौत
अमरीका	12,475,647	7,405,265	261,939
भारत	9,129,003	8,550,931	133,589
ब्राजील	6,052,786	5,429,158	169,016
फ्रांस	2,127,051	149,521	48,518
रूस	2,089,329	1,595,443	36,179
स्पेन	1,589,219	7,015	42,619
यू.के.	1,512,045	135	55,024
इटली	1,408,868	553,098	49,823
अर्जेंटीना	1,366,182	1,187,053	36,902
कोलंबिया	1,240,493	1,144,923	35,104

न्यूज गैलरी

सुप्रीम कोर्ट में कोविड-19 से पहले कर्मचारी की मौत

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट प्रशासनिक शाखा के एक सदस्य की नोवेल कोरोना वायरस से मौत हो गई है। एक अधिकारी ने पुष्टि की कि सुप्रीम कोर्ट में कोरोना वायरस संक्रमण से किसी कर्मचारी की मौत का यह पहला मामला है। कोरोना वायरस की रोकथाम के लिए राष्ट्रव्यापी लॉकडाऊन लागू होने से 2 दिन पहले 23 मार्च से शीर्ष कोर्ट में वीडियो कांफ्रेंस के जरिए मामलों पर सुनवाई की जा रही है। शीर्ष कोर्ट के एक अधिकारी ने कहा कि रावत सुप्रीम कोर्ट के प्रशासनिक विभाग में कार्यरत थे। उनकी शनिवार को मृत्यु हुई। 5 दिन पहले उनके कोरोना वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई थी।

पुलवामा में जैश-ए-मोहम्मद का आतंकवादी गिरफ्तार

श्रीनगर. जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जिले में सुरक्षा बलों ने घेराबंदी एवं तलाश अभियान के दौरान जैश-ए-मोहम्मद के एक आतंकवादी को गिरफ्तार कर लिया है। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक सुरक्षा बलों ने शनिवार रात को पुलवामा जिले के एक गांव में घेराबंदी एवं तलाश अभियान के दौरान निसार अहमद राठेर नामक जैश-ए-मोहम्मद के एक आतंकवादी को गिरफ्तार कर लिया। वह त्राल का रहने वाला है। इससे पहले सुरक्षा बलों ने शनिवार को बिलाल अहमद चोपन और मुरसलीन बशीर शेख नामक जैश के 2 ओवर ग्राऊंड वर्कर को गिरफ्तार किया था।

मॉडर्ना के कोरोना टीके की कीमत 25 से 37 डालर

वाशिंगटन. अमरीका की फार्मा कंपनी मॉडर्ना के कोरोना वायरस (कोविड-19) महामारी को रोकने के लिए तैयार किए जा रहे प्रति टीके की कीमत 25 से 37 डालर के बीच होगी। कंपनी के मुख्य कार्यकारी (सी.ई.ओ.) स्टीफेन बैन्सेल ने रविवार बताया कि वह यूरोपीय संघ के टीके की आपूर्ति के समझौते के करीब हैं। उन्होंने कहा कि आपूर्ति की मात्रा के आधार पर प्रति खुराक कीमत अलग-अलग होगी।

कोरोना वायरस : केंद्र सरकार ने यू.पी., हिमाचल और पंजाब भेजी उच्चस्तरीय टीमें

इन राज्यों में इलाज करा रहे मरीज या संक्रमण के नए मामले बढ़ रहे, दिल्ली के बाद महाराष्ट्र में भी बढ़ने लगे केस, महाराष्ट्र सरकार लॉकडाऊन पर 8 से 10 दिनों में लेगी फैसला

नई दिल्ली/मुंबई, 22 नवंबर (एजैंसी): कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई और प्रबंधन में मदद देने के लिए उच्चस्तरीय केंद्रीय दलों को उत्तर प्रदेश, पंजाब और हिमाचल प्रदेश भेजा गया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने रविवार को बताया कि इन राज्यों में या तो इलाज करा रहे मरीजों की संख्या बढ़ रही है या संक्रमण के नए मामलों में बढ़ौतरी हो रही है। इससे पहले केंद्रीय दलों को हरियाणा, राजस्थान, गुजरात, मणिपुर और छत्तीसगढ़ भेजा गया था। मंत्रालय ने ● शेष पृष्ठ 4 पर

नई दिल्ली : रविवार को राजपथ पर तैनात की गई मोबाइल वैन के डाक्टर आते-जाते लोगों के कोविड-19 महामारी के लिए नमूने लेते हुए।

राजस्थान के 8 जिलों में रात का कर्फ्यू लागू

जयपुर. राजस्थान सरकार ने कोविड-19 के बढ़ते मामलों पर अंकुश लगाने के लिए 8 जिलों में रात का कर्फ्यू लगाने की घोषणा की है। इन 8 जिलों में जयपुर, जोधपुर, बीकानेर, कोटा, उदयपुर, अलवर, अजमेर और भीलवाड़ा शामिल हैं। बाजार, रेस्तरां, दुकानें आदि 7 बजे शाम तक बंद हो जाएंगे। और इन शहरों में रात 8 बजे से कर्फ्यू लगा दिया जाएगा। कर्फ्यू सुबह 6 बजे तक लगा रहेगा। हालांकि, आपातकालीन सेवाओं जैसे कि मैडीकल शॉप, रेलवे और हवाई यात्रियों को छूट दी जाएगी। राज्य में कोविड-19 के बढ़ते मामलों की समीक्षा के लिए शनिवार को एक कैबिनेट बैठक बुलाई गई थी जिसमें ये फैसला लिया गया।

हिमाचल में कोरोना के कारण लग सकता प्रतिबंध

शिमला. हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने रविवार को कहा कि राज्य में कोरोना के बढ़ते मामलों के मद्देनजर सरकार सामाजिक समारोहों से बचने के लिए कुछ प्रतिबंध लगाने पर विचार करेगी और यह सुनिश्चित करेगी कि लोग सभी आवश्यक सावधानी बरत रहे हैं या नहीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'होम ● शेष पृष्ठ 4 पर

गुजरात के 4 शहरों में अब से केवल रात का कर्फ्यू

अहमदाबाद. गुजरात में कोविड-19 के बढ़ते मामलों के बीच अहमदाबाद में सोमवार सुबह 57 घंटे का कर्फ्यू खत्म होने के मद्देनजर राज्य के मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने रविवार को कहा कि अब से अहमदाबाद सहित 4 शहरों में केवल रात का कर्फ्यू रहेगा। मुख्यमंत्री ने फेसबुक पर अपने संबोधन में जनता से मास्क लगाने और बाहर निकलते वक्त सामाजिक दूरी आदि कोविड-19 प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन करने और अहमदाबाद, सूरत, राजकोट और वडोदरा में रात 9 से सुबह 6 बजे के बीच घरों में रहने की अपील की। अहमदाबाद में शुक्रवार रात से 57 घंटे का कर्फ्यू लगाया गया था।

थम नहीं रहा कांग्रेस का घमासान

फाइव स्टार कल्चर को छोड़े बगैर हम नहीं जीत सकते कोई भी चुनाव : गुलाम नबी

नई दिल्ली, 22 नवंबर (इंट.): हाल ही में आए बिहार विधानसभा चुनाव और अन्य राज्यों के उपचुनाव परिणामों में कांग्रेस को करारी हार का सामना करना पड़ा है। इन चुनाव परिणामों में हुए नुक्सान के बारे में कांग्रेस नेता गुलाम नबी आजाद ने कहा कि हम सभी नुक्सान के बारे में चिंतित हैं, खासकर बिहार और उपचुनाव परिणामों के बारे में। मैं नुक्सान के लिए नेतृत्व को दोष नहीं देता। हमारे लोगों ने जमीन पर संबंध खो दिया है। उनकी पार्टी से प्यार होना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि आज नेताओं के साथ समस्या यह है कि अगर उन्हें पार्टी का टिकट मिलता है, तो वे पहले फाइव स्टार होटल बुक करते हैं। यदि कोई उबड़ खाबड़ सड़क है तो वो वहां प्रचार पर नहीं जाएंगे। जब तक पार्टी के अंदर के नेता फाइव स्टार संस्कृति को नहीं छोड़ देते, तब तक कोई चुनाव नहीं जीता जा सकता। उन्होंने आगे कहा कि यह हमारी पार्टी हो या किसी अन्य की, फाइव स्टार ● शेष पृष्ठ 4 पर

गुलाम नबी

पार्टी में विरोध के सुर हुए तेज

बता दें कि बिहार चुनाव परिणाम के बाद से कांग्रेस में विरोध के सुर तेज हो गए हैं। कई बड़े पार्टी नेताओं ने शीर्ष नेतृत्व पर सवाल खड़े किए तो कई नेताओं ने पार्टी की नीति रणनीति पर सवाल उठाए हैं। इसी के चलते अब कांग्रेस के बड़े नेता गुलाम नबी आजाद का यह बयान काफी अहम हो जाता है कि पार्टी के अंदर व्याप्त फाइव स्टार कल्चर को खत्म करना होगा।

चीन की हिमाकत से बचने के लिए भारत ने लद्दाख में बनाईं सुरंगें

नई दिल्ली, 22 नवंबर (एजैंसी): पूर्वी लद्दाख में महीनों से चल रहे तनावपूर्ण माहौल को शांत करने के लिए भारत-चीन लगातार बैठकें कर रहे हैं तो वहीं, चीनी मीडिया प्रोपेगैंडा फैलाने से भी पीछे नहीं हट रही है। हाल ही में लद्दाख में झड़प के दौरान चीनी मीडिया ने माइक्रोवेव हथियारों के इस्तेमाल की फर्जी कहानी गढ़ी थी। चीन के इतिहास को देखते हुए भारतीय सेना अभी भी कोई कोताही नहीं बरत रही और पूर्वी लद्दाख के डिस-एंगेजमैंट प्रोसैस को बहुत ध्यान से देख रही है। चीन की किसी भी संभावित घुसपैठ से बचने के लिए भारतीय सेना ने सुरंगें बनाई हैं। 29-30 अगस्त को भारतीय सेना के जवानों ने स्पैशल फ्रंटियर फोर्स (एस.एफ.एफ.) के साथ मिलकर एल.ओ.सी. पर पैंगोंग सो की दक्षिणी पहाड़ियों पर कब्जा कर लिया था। वहीं, जब चीनी मीडिया ने प्रोपेगैंडा फैलाने के लिए माइक्रोवेव हथियारों के इस्तेमाल की फर्जी कहानी बनाई तो उसे फौरन ही भारतीय सेना ने फेक न्यूज भी करार दिया। चीन ने दूसरे चीन-जापान युद्ध में जापानियों के खिलाफ सफलतापूर्वक टनल डिफैंस का इस्तेमाल किया था। ● शेष पृष्ठ 4 पर

बेहद ठंडे तापमान में भी अंदर से रहेंगी गर्म, जवानों के लिए शैल्टर्स का करेंगी काम

जलवायु परिवर्तन का मुकाबला एकीकृत, समग्र तरीके से होना चाहिए : मोदी

नई दिल्ली/रियाद, 22 नवंबर (एजैंसी): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को जी-20 शिखर सम्मेलन में कहा कि जलवायु परिवर्तन के खिलाफ अलग-थलग होकर लड़ाई लड़ने के बजाय एकीकृत, व्यापक और समग्र सोच को अपनाया जाना चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि संपूर्ण विश्व तभी तेजी से प्रगति कर सकता है जब विकासशील राष्ट्रों को बड़े पैमाने पर तकनीक और वित्तीय सहायता मुहैया कराई जाएगी। जी-20 सम्मेलन में 'पृथ्वी के संरक्षण' विषय पर अपने संबोधन में मोदी ने कहा कि भारत न सिर्फ पैरिस समझौते के अपने लक्ष्य को हासिल कर रहा है बल्कि उससे भी अधिक कर रहा है। उन्होंने कहा, पर्यावरण के अनुरूप रहने की हमारी पारम्परिक प्रकृति और सरकार की प्रतिबद्धता से भारत ने कम कार्बन उत्सर्जन और जलवायु अनुकूल की विकास प्रक्रिया को अपनाया है। उन्होंने कहा कि पूरा विश्व तभी तेज गति से प्रगति कर सकता है जब विकासशील देशों को बड़े पैमाने पर तकनीक और वित्तीय सहायता मुहैया कराई जाए।

प्रधानमंत्री ने कहा, 'मानवता की समृद्धि के लिए हर एक को समृद्ध होना पड़ेगा। श्रम को सिर्फ ● शेष पृष्ठ 4 पर

विकासशील राष्ट्रों को बड़े पैमाने पर वित्तीय मदद देने से संपूर्ण विश्व तेजी से प्रगति करेगा

जी-20 सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

कॉमेडियन भारती सिंह व उनके पति 4 दिसंबर तक न्यायिक हिरासत में

मुंबई : एन.सी.बी. की ओर से अदालत में पेश किए जाने के दौरान कामेडियन भारती सिंह और पति हर्ष लिंबाचिया।

मुंबई, 22 नवंबर (एजैंसी): मुंबई की एक कोर्ट ने कॉमेडियन भारती सिंह और उनके पति हर्ष लिंबाचिया को 4 दिसंबर तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया। एन.सी.बी. ने घर से गांजा बरामद होने पर दोनों को गिरफ्तार किया है। न्यायिक हिरासत में भेजे जाने के शीघ्र बाद दंपति ने ● शेष पृष्ठ 4 पर

कर्नाटक के पूर्व मंत्री रोशन बेग आई.एम.ए. पोंजी घोटाले में काबू

बेंगलूर, 22 नवंबर (एजैंसी): सी.बी.आई. ने करोड़ों रुपए के आई-मॉनेटरी एडवायजरी (आई.एम.ए.) पोंजी घोटाला मामले में रविवार को यहां कर्नाटक के पूर्व मंत्री आर. रोशन बेग को गिरफ्तार कर लिया। एजैंसी के सूत्रों ने कहा कि बेग को रविवार सुबह सी.बी.आई. कार्यालय में पेश होने के लिए कहा गया था और 'ठोस सबूतों के आधार पर ● शेष पृष्ठ 4 पर

आर. रोशन बेग

ट्विटर पर आर.बी.आई. के 'फालोअर्स' की संख्या 10 लाख के पार हुई

नई दिल्ली. भारतीय रिजर्व बैंक (आर.बी.आई.) के ट्विटर पर 'फालोअर्स' की संख्या 10 लाख को पार कर गई है। रिजर्व बैंक यह उपलब्धि हासिल करने वाला दुनिया का पहला केंद्रीय बैंक है। माइक्रोब्लॉगिंग साइट पर 10 लाख फालोअर्स के साथ रिजर्व बैंक ने अमरीका के फैडरल रिजर्व तथा यूरोपीय केंद्रीय बैंक (यू.सी.बी.) को पीछे छोड़ दिया है। रिजर्व बैंक के ट्विटर हैंडल पर उपलब्ध सूचना के अनुसार उसके फालोअर्स की संख्या 27 सितंबर, 2020 को 9.66 लाख थी, जो अब 10 लाख हो गई है।

मंत्री ओ.पी. सोनी भी कोरोना पॉजिटिव

अमृतसर, 22 नवंबर (आहूजा) : पंजाब में कोरोना के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। इसी बीच पंजाब के कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश सोनी की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। कोरोना पॉजिटिव आने के बाद अमृतसर में ओ.पी. सोनी ने खुद को होम क्वारंटाइन कर लिया है। बताया जा रहा कि अभी तक उनकी तबीयत ठीक है।

ओ.पी. सोनी

सरकार की शिक्षा विरोधी नीतियों के कारण पंजाबी यूनिवर्सिटी पर आर्थिक संकट : चीमा

चंडीगढ़, 22 नवंबर (मोहित) : नेता प्रतिपक्ष हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि पंजाब सकरार की शिक्षा विरोधी नीतियों के कारण आर्थिक मंदी से गुजर रही पंजाब की यूनिवर्सिटियां बहुत चिंता का विषय है। इस यूनिवर्सिटियों से ही पंजाब के नौजवान ने उच्च विद्या प्राप्त करके प्रदेश को सही मार्ग दर्शन करना है। नेताओं ने कहा कि पिछले दिनों पंजाबी यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर का इस्तीफा यह सिद्ध करता है कि कैप्टन सरकार शैक्षिक अदारों की ओर ध्यान नहीं दे रही। उन्होंने कहा कि पंजाबी यूनिवर्सिटी पटियाला दुनिया की उन दो यूनिवर्सिटियों में से एक यूनिवर्सिटी है जो किसी भाषा के आधार पर स्थापित है। उन्होंने कहा कि यह बहुत ही दुख की बात है कि पंजाब के मुख्यमंत्री अमरेंद्र सिंह के जिला और जहां से उनकी पत्नी परनीत कौर एम.पी. हो वहां हमारी पंजाबियों के लिए आन बान शान बनी पंजाबी यूनिवर्सिटी की ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा। वहीं आम आदमी पार्टी के विधायक कुलतार संधवां और जय कृष्ण सिंह रोड़ी ने सीनेट का चुनाव जल्द करवाने की मांग की है।

हरपाल चीमा

- **आप ने पंजाब यूनिवर्सिटी सीनेट का चुनाव जल्द करवाने की मांग की**

अपने दम पर चुनाव लड़ेगा अकाली दल : सुखबीर बादल

- **हमारी स्थिति पहले से भी और मजबूत : शिअद**

फिरोजपुर, 22 नवंबर (विजय) : कृषि बिल को लेकर भाजपा से अलग हुआ अकाली दल बादल 2022 के होने वाले पंजाब विधानसभा चुनावों में अपने दम पर चुनाव मैदान में उतरेगी। इसके लिए पार्टी ने अपनी रणनीति तैयार कर ली है। चुनावों को लेकर किसी भी पार्टी से फिलहाल कोई भी समझौते की उम्मीद नहीं है। खास तौर पर भाजपा से तो किसी भी कीमत पर नहीं। इस बात का खुलासा रविवार को फिरोजपुर पहुंचे अकाली दल बादल के पंजाब प्रधान व फिरोजपुर के सांसद सुखबीर सिंह बादल ने पूर्व अकाली कैबिनेट सिंचाई मंत्री जनमेजा सिंह सेखो के ग्रह निवास पर किया। बादल ने कहा कि सच तो ये है की जब से अकाली दल बादल भाजपा से अलग हुआ है। उसके बाद से उसकी स्थिति पहले से भी और मजबूत हुई है। बादल ने कहा कि अकाली दल चुनावों में अपने दम पर ही चुनाव लड़ने की हिम्मत रखती है और उसके कार्यकर्त्ताओं के हौंसले पूरी तरह से बुलंद है। बादल ने कहा कि कृषि बिलों को लेकर धरने पर बैठे किसानों को कैप्टन अमरेंद्र सिंह की तरफ से गुमराह किया जा रहा है। कैप्टन किसानों को केंद्र के साथ मिलकर उसके इशारे पर गुमराह कर रहे हैं। इस मौके पर जनमेजा सिंह सेखों ने कहा कि पंजब में एक बार फिर से अकाली सरकारी बनेगी और प्रकाश सिंह बादल एक बार फिर से मुख्यमंत्री की कुर्सी पर आएंगे।

पूर्व सिंचाई मंत्री जनमेजा सिंह सेखों के गृह निवास पर संबोधित करते हुए सुखबीर सिंह बादल।

एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स ने पकड़ी प्रतिबंधित नशीली दवाइयों की बड़ी खेप

- **दिल्ली के कुख्यात मादक तस्कर समेत 3 लोग गिरफ्तार, पानीपत से कश्मीर भेजी जा रही थी खेप**

जम्मू, 22 नवंबर (कमल कुंडल) : जम्मू-कश्मीर से मादक पदार्थों की तस्करी के कारोबार को खत्म करने के लिए गठित की गई एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (ए.एन.टी.एफ.) ने एक और बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए 3 इंटरस्टेट मादक पदार्थ तस्करों को गिरफ्तार कर प्रतिबंधित नशीली दवाइयों की बड़ी खेप बरामद की। इस मामले के लिंक दिल्ली समेत देश के बाकी राज्यों के साथ भी जुड़ने की संभावना है। एंटी नारकोटिक टास्क फोर्स के एस.एस.पी. विनय शर्मा ने बताया कि उन्हें पुख्ता सूत्रों से सूचना मिली थी कि पंजाब नंबर के एक ट्रक में नशे के सामान की खेप जम्मू पहुंची हुई है। इस खेप को आगे कश्मीर में पहुंचाया जाना है। सूचना पर कार्रवाई करते हुए टीम ने छापामारी कर हाईवे पर ट्रक को रोक लिया। उसमें चालक समेत 3 तस्कर सवार मिले। ट्रक की जब तलाशी ली तो उसमें कंबल लदे थे। गहनता से तलाशी लेने पर कंबलों के रोल से कोडीन फास्फेट की 6700 बोतलें और 18,000 नशीले कैप्सूल बरामद किए गए। उनकी पहचान अमित सक्सेना पुत्र मुकेश सक्सेना निवासी इस्ट अर्जुन नगर दिल्ली, सुरजीत कुमार पुत्र मदन लाल और रोहित पुत्र परमजीत दोनों निवासी जालदा नवांशहर पंजाब के रूप में हुई है। प्राथमिक जांच में खुलासा हुआ है कि नशे की यह खेप पानीपत से कश्मीर भेजी जा रही थी।

ट्रक से नशे का सामान उतारते टीम के सदस्य। (रूपेश राज)

कार-ट्रैक्टर की टक्कर में एक मजदूर की मौत

टांडा उड़मुड़, 22 नवंबर (अश्विनी) : जालंधर-पठानकोट राष्ट्रीय राजमार्ग पर गांव कुराला के नजदीक कार और ट्रैक्टर की टक्कर हो गई। हादसे में ट्रैक्टर पर बैठे एक प्रवासी मजदूर की मौत हो गई जबकि ट्रैक्टर चालक और ट्रैक्टर पर बैठे 2 और मजदूर घायल हो गए।

हादसे में कार में बैठे प्रवासी मजदूरों को मामूली चोटें आई हैं। मृतक की पहचान रतियाना उर्फ दयानंद निवासी बिहार के रूप में हुई। ट्रैक्टर चालक सरवन सिंह अपने मजदूरों सिकंदर, राजेश और दयानंद के साथ गांव खुद्दा में सामान लेने जा रहे थे कि जब वे गांव कुराला के पास पहुंचे तो पीछे से आ रही एक कार ने टक्कर मार दी। कार, जिसे मंदीप सिंह पुत्र अशोक कुमार चला रहा था और दिल्ली से उत्तर प्रदेश के 7 मुसाफिरों नवी हुसैन, शानू, अच्छर लाल, सिउल, अनीश, सुखियाल व एक महिला किरण को लेकर मुकेरियां जा रहा था। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ट्रैक्टर सड़क के साथ बने खड्डों में जा गिरा, जिस कारण मौके पर ही ट्रैक्टर पर बैठे एक प्रवासी मजदूर की मौत हो गई और ट्रैक्टर चालक की हालत गंभीर देखते हुए उसे होशियारपुर रैफर कर दिया।

रिश्तों पर कानून का पहरा : परिवार को देख भावुक हुआ पाकिस्तान की जेल से रिहा होकर आया यू.पी. का सोनू

- **सोनू सिंह डॉक्यूमैंट पूरे होने पर जल्द जाएगा घर, पिता और चाचा लेने पहुंचे**
- **12 साल पहले दिमागी परेशानी की हालत में घर से चला गया था**

छेहर्टा, 22 नवंबर (जगजीत सिंह) : पाकिस्तान की जेल से छूटकर भारत पहुंचा सोनू सिंह आखिरकार अपने परिजनों से मिला। सोनू जब अपने पिता और चाचा से मिला तो उसकी आंखें छलक आईं। उत्तर प्रदेश के ललितपुर के गांव सतवांसा से सोनू को उसके पिता रोशन सिंह और चाचा लेने पहुंचे। पिता ने लाडले को देखा तो उसके माथे को चूम लिया। दोनों पिता-पुत्र इस दौरान बेहद भावुक हो गए। चाचा ने भी उसे गले से लगा लिया।

उत्तर प्रदेश के ललितपुर जिले का सोनू सिंह 12 साल पहले दिमागी परेशानी की हालत में घर से चला गया था। सोनू सिंह 26 अक्तूबर 2020 को 4 अन्य भारतीय कैदियों के साथ पाकिस्तान की जेलों से रिहाई के बाद अटारी सीमा के रास्ते भारत पहुंचा था। तबसे उसे नारायणगढ़ स्थित कम्युनिटी हैल्थ सैंटर में क्वारंटाइन किया गया था। सोनू सिंह ने बताया वह करीब 10 वर्ष पहले घूमने के लिए अपने घर से दिल्ली गए थे। इस दौरान गलती से पाकिस्तान पहुंच गए और वहां जेल में रहे। सोनू सिंह के पिता रोशन सिंह ने बताया करीब 10 वर्ष पहले सोनू सिंह घर से चला गया था। सरकारी अधिकारियों से पता चला था कि वह पाकिस्तान की जेल में कैद है। कुछ दिन पहले ही सरकारी अधिकारियों से मालूम हुआ कि उनका बेटा पाकिस्तान जेल से रिहा हुआ है और अमृतसर पहुंच गया है। परिवार में खुशी की लहर है। जल्द डॉक्यूमैंट पूरे करके बेटे को साथ ले जाएंगे।

सोनू सिंह का माथा चूमते रोशन लाल।

इंडियनऑयल

विपणन प्रभाग–उत्तरी क्षेत्र

प्रशिक्षु अधिनियम 1961 के तहत प्रशिक्षुओं की नियुक्ति हेतु अधिसूचना

इंडियनऑयल, विपणन प्रभाग, उत्तरी क्षेत्र, राष्ट्र के कौशल विकास कार्यक्रम के तहत चंडीगढ़, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू व कश्मीर, नई दिल्ली, पंजाब, राजस्थान, उत्तराखंड व उत्तर प्रदेश राज्यों/केन्द्र शासित प्रदेशों में अपनी इकाइयों हेतु वर्ष 2020–21 के लिए **436 टेक्निकल और नॉन टेक्निकल प्रशिक्षुओं की नियुक्ति** के लिए आवेदन आमंत्रित करता है।

आयु, पात्रता के योग्यता मानदंड और वजीफा, छूट, रियायतों, आरक्षण आदि के विवरण सहित विज्ञापन की सम्पूर्ण जानकारी हमारी कॉर्पोरेट वेबसाइट www.iocl.com या (https://www.iocl.com/PeopleCareers/Apprenticeships.aspx) पर देखी जा सकती है।

कैसे आवदेन करें : निर्धारित योग्यता मानदंडों को पूरा करने वाले इच्छुक उम्मीदवार **23 नवंबर, 2020 को 08:00 बजे** से उपरोक्त वेबसाइट के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि **19 दिसम्बर, 2020** है।

इस मामले में कोई भी अगली अधिसूचना/संशोधन के बारे में केवल हमारी कॉर्पोरेट वेबसाइट www.iocl.com पर सूचित किया जाएगा।

नोट: "प्रशिक्षुओं को नियमित रोज़गार देने का कॉर्पोरेशन का कोई उत्तरदायित्व नहीं होगा। प्रशिक्षु को इस प्रशिक्षण के आधार पर किसी भी समय कॉर्पोरेशन से नियमित रोज़गार के लिए दावा करने का अधिकार नहीं होगा। यह प्रशिक्षण प्रशिक्षु को रोज़गार उपलब्ध कराने के लिए इंडियनऑयल पर कोई भी उत्तरदायित्व नहीं बनाएगा।"

विज्ञापन सं आईओसीएल/एमकेटीजी/एनआर/एपीपीआर/2020–21/1

कांग्रेस में नहीं है नेतृत्व का कोई संकट, हर कोई देख सकता है सोनिया, राहुल के लिए समर्थन : खुर्शीद

नई दिल्ली, 22 नवंबर (एजैंसी): बिहार विधानसभा चुनाव में खराब प्रदर्शन के बाद कुछ नेताओं द्वारा कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व की आलोचना किए जाने के बीच पार्टी के वरिष्ठ नेता सलमान खुर्शीद ने रविवार को कहा कि पार्टी में नेतृत्व का कोई संकट नहीं है और सोनिया गांधी एवं राहुल गांधी के लिए पार्टी में पूरे सहयोग को हर वह व्यक्ति देख सकता है, जो नेत्रहीन नहीं है। गांधी परिवार के निकट समझे जाने वाले नेताओं में शामिल खुर्शीद ने कहा कि कांग्रेस में विचार रखने

के लिए पर्याप्त मंच उपलब्ध है और पार्टी के बाहर विचार व्यक्त करने से इसे नुक्सान पहुंचता है।

वरिष्ठ नेता कपिल सिब्बल और कुछ अन्य नेताओं ने पार्टी नेतृत्व की सार्वजनिक तौर पर आलोचना की है। खुर्शीद ने एक साक्षात्कार में कहा कि पार्टी नेतृत्व मेरी बात सुनता है। मुझे मौका दिया गया है, उन्हें (मीडिया में आलोचना कर रहे लोगों को) मौका दिया गया है। यह बात कहां से आ गई कि पार्टी नेतृत्व बात नहीं सुन रहा है। बिहार चुनाव में कांग्रेस के खराब प्रदर्शन पर सिब्बल और एक अन्य वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम की टिप्पणियों के बारे में पूछे जाने पर खुर्शीद ने कहा कि उन्होंने जो कहा, वह उससे असहमत नहीं हैं, लेकिन उन्होंने सवाल किया कि इसके लिए बाहर जाकर मीडिया और दुनिया को यह बताने की क्या आवश्यकता है कि हमें ऐसा करने की जरूरत है।

हर बार किया जाता है विश्लेषण

कांग्रेस कार्य समिति में स्थायी रूप से आमंत्रित होने वाले खुर्शीद ने कहा कि हर बार विश्लेषण किया जाता है, इसे लेकर कोई झगड़ा नहीं है। इस बार भी यह किया जाएगा। ये सब लोग नेतृत्व का हिस्सा हैं। नेतृत्व इसकी उचित समीक्षा करेगा कि क्या गलती हुई, हम कैसे सुधार कर सकते हैं। यह सामान्य रूप से होगा, हमें इस पर सार्वजनिक रूप से बात करने की आवश्यकता नहीं है।

कांग्रेस चुनावों को लेकर गंभीर नहीं, राहुल कर रहे हैं भ्रमण राजनीति : शाहनवाज

श्रीनगर, 22 नवंबर (एजैंसी): भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय प्रवक्ता सैयद शाहनवाज हुसैन ने रविवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस अब देश में चुनाव लड़ने को लेकर गंभीर नहीं है और राहुल गांधी केवल 'भ्रमण राजनीति' कर रहे हैं। हुसैन ने एक साक्षात्कार में कहा कि मैं जम्मू-कश्मीर के लोगों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकास के पथ पर चलने की अपील करता हूं। हम केंद्र में हैं और वहां बहुत लंबे समय तक बने रहेंगे क्योंकि राहुल गांधी केवल भ्रमण की राजनीति कर रहे हैं। वह चुनाव के दौरान बिहार में केवल दो दिन ठहरे और उसके बाद छुट्टियां मनाने के लिए शिमला चले गए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अब राजनीति और चुनावों लेकर गंभीर नहीं है।

हुसैन ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुये कहा कि कांग्रेस पार्टी केंद्र में 50 वर्षों से अधिक समय तक सत्ता पर काबिज रही लेकिन विकास के मामले में इनके पास दिखाने के लिए कुछ भी नहीं है। उन्होंने कहा कि हम केंद्र में बने रहने के लिए हैं। कांग्रेस 50 वर्षों से अधिक समय तक केंद्र में रही, हम भी वहां लंबे समय तक बने रहने वाले हैं। अगर कांग्रेस बिना कोई काम किये वहां इतने लंबे समय तक बनी रह सकती है तो हम भी वहां रह सकते हैं क्योंकि हम तो देश का विकास कर रहे हैं।

बिकरू हत्याकांड मामले में 37 पुलिसवालों पर होगी कार्रवाई

लखनऊ, 22 नवंबर (एजैंसी): उत्तर प्रदेश के गृह विभाग ने कानपुर के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक से 37 पुलिस कर्मियों के खिलाफ कथित तौर पर मारे गए गैंगस्टर विकास दुबे के साथ संबंध रखने या कर्तव्य की अवहेलना करने के मामले में कार्रवाई करने को कहा है। अतिरिक्त मुख्य सचिव संजय भूसरेड्डी, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक हरिराम शर्मा और डी.आई.जी. रवींद्र गौड़ वाले तीन सदस्यीय विशेष जांच दल (एस.आई.टी.) ने बिकरू में 8 पुलिस कर्मियों के हत्याकांड में पुलिस की भूमिका की जांच की थी। दुबे ने पुलिस की टीम पर तब हमला किया था, जब वह उसे गिरफ्तार करने के लिए बिकरू गांव गई थी। बाद में दुबे और उसके 5 सहयोगियों को स्पेशल टास्क फोर्स ने अलग-अलग मुठभेड़ों में मार गिराया था। एस.आई.टी. की रिपोर्ट में कहा गया है कि 37 पुलिसकर्मी जो कानपुर में थे या तैनात हैं, उन्होंने दुबे को उसकी गिरफ्तारी की जानकारी लीक कर दी थी। इन 37 में से 8 को 'सख्त' कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा।

शरद पवार महाराष्ट्र के प्रयोग को गोवा में दोहरा सकते हैं : सेना विधायक

पणजी, 22 नवंबर (एजैंसी): महाराष्ट्र में शिवसेना के विधायक और पूर्व मंत्री दीपक केसरकर ने रविवार को कहा कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) सुप्रीमो शरद पवार गोवा में महाराष्ट्र विकास अघाड़ी गठबंधन प्रयोग को दोहराने के लिए कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल गांधी से बात कर सकते हैं। केसरकर, जो यहां शिवसेना के राज्य कार्यालय का उद्घाटन करने आए थे, ने ये भी कहा कि भारतीय जनता पार्टी क्षेत्रीय पार्टियों को खत्म करना चाहती है, इसीलिए उसे महाराष्ट्र में रोकना जरूरी था। केसरकर ने कहा कि शरद पवार एक वरिष्ठ नेता हैं, जिन्होंने महाराष्ट्र में गठबंधन बनाने की पहल की। अगर गोवा में इस तरह का गठबंधन बनता है और वोटों को विभाजित नहीं होने दिया जाता है (गैर-भाजपा दलों के बीच) तो गोवा में भी चमत्कार हो सकता है। पिछली महाराष्ट्र सरकार में वित्त राज्य मंत्री के रूप में काम कर चुके केसरकर ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि शरद पवार महाराष्ट्र के अनूठे प्रयोग को गोवा में दोहराने के लिए पहल करेंगे।

हाथरस पीड़िता के परिजनों को सता रहा है प्रशासन : राहुल

नई दिल्ली, 22 नवंबर (एजैंसी): कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने आरोप लगाया है कि उत्तर प्रदेश में पुलिस तथा प्रशासन के लोग हाथरस में दुष्कर्म और हत्या की शिकार हुई युवती के परिजनों को तंग कर उनका शोषण कर रहे हैं। गांधी ने रविवार को ट्वीट किया कि उत्तर प्रदेश में सरकार के हाथों पीड़ितों का लगातार शोषण असहनीय है। हाथरस बलात्कार-हत्या के मामले में पूरा देश सरकार से जवाब मांग रहा है और पीड़ित परिवार के साथ है। गुंडाराज में वर्दी की गुंडागर्दी का एक और उदाहरण। कांग्रेस नेता ने इसके साथ ही पीपुल्स यूनियन फॉर सिविल लिबर्टीज (पी.यू.सी.एल.) की शनिवार को सार्वजनिक हुई जांच रिपोर्ट की खबर पेश की है, जिसमें कहा गया है केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की तैनाती से परिवार को थोड़ी राहत तो है लेकिन वे सुरक्षित नहीं है।

भारत-पाकिस्तान युद्ध में भाग लेने वाले मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) आर.एन. छिब्बड़ का निधन

जम्मू, 22 नवंबर (एजैंसी): वर्ष 1962, 1965 और 1971 के युद्धों में भाग लेने वाले मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) आर.एन. छिब्बर का शनिवार को यहां उनके आवास पर निधन हो गया। एक रक्षा प्रवक्ता ने रविवार को यह जानकारी दी, वह 86 वर्ष के थे। छिब्बर का जन्म 23 सितंबर, 1934 को हुआ था। वह दो जून 1995 को सेना में शामिल हुए। जनरल छिब्बर 1972 से 1975 तक एक सैनिक अताशे के रूप में अफगानिस्तान में तैनात रहे। प्रवक्ता ने कहा कि वह एक उत्कृष्ट अधिकारी थे, जिन्होंने 8 जाट रैजीमैंट की कमान भी संभाली थी। उनकी विशेषज्ञता और असाधारण रणनीति ने उन्हें एक शानदार अधिकारी बनाया। उन्होंने कहा कि जनरल छिब्बर ने शनिवार को जम्मू के कालूचक इलाके में शांति विहार स्थित अपने आवास पर अंतिम सांस ली। उन्हें पूरे सम्मान के साथ सैन्य विदाई दी गई।

बिहार चुनाव लड़ने वाले 1197 उम्मीदवार आपराधिक पृष्ठभूमि के थे

नई दिल्ली, 22 नवंबर (एजैंसी): हाल ही में संपन्न बिहार विधानसभा चुनाव में कुल 1197 उम्मीदवार आपराधिक पृष्ठभूमि के थे, जिनमें से 467 को मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय दलों ने मैदान में उतारा था। चुनाव आयोग द्वारा जारी आंकड़ों में यह जानकारी सामने आई। बाकी 730 उम्मीदवारों को पंजीकृत लेकिन गैर-मान्यता प्राप्त दलों ने मैदान में उतारा था या उन्होंने निर्दलीय के रूप में चुनाव लड़ा था। चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार, तीन चरण में हुए चुनाव में 371 महिलाओं सहित कुल 3733 उम्मीदवार मैदान में थे। चुनाव आयोग द्वारा यहां उपलब्ध कराए गए आंकड़ों और बिहार के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय के अनुसार, कोविड-19 मानदंडों का उल्लंघन करने के लिए विभिन्न नेताओं और उम्मीदवारों की रैलियों और सभाओं के आयोजकों के खिलाफ 156 मामले दर्ज किए गए हैं। एक अधिकारी ने बताया कि आयोजकों के खिलाफ मामले दर्ज किए गए क्योंकि उन्होंने रैलियों या बैठकों को आयोजित करने की अनुमति मांगी थी, जिसके लिए स्वास्थ्य दिशा-निर्देशों का पालन करना अनिवार्य था। इस साल फरवरी में उच्चतम न्यायालय के निर्देश के बाद, चुनाव आयोग ने मार्च में राजनीतिक दलों को यह बताने के लिए कहा था कि उन्होंने चुनाव लड़ने के लिए आपराधिक पृष्ठभूमि वाले उम्मीदवारों को क्यों चुना। बिहार विधानसभा चुनाव पहला ऐसा चुनाव था, जिसमें पार्टियों ने अपने उम्मीदवारों से जुड़ी ऐसी जानकारियां सार्वजनिक की थीं।

पेज 3 के शेष

कोरोना वायरस : केंद्र ...

बताया कि 3 सदस्यों वाले दल उन जिलों का दौरा करेंगे जहां कोविड-19 के मामले ज्यादा है और वे वहां इसके रोकथाम, निगरानी, जांच और इलाज के संबंध में प्रभावी प्रबंधन में राज्यों की मदद करेंगे। देश में अब 4,40,962 मरीजों का इलाज चल रहा है जो कि कुल मामलों का 4.85 फीसदी है और स्वस्थ होने की दर में भी सुधार हुआ और यह अब 93.69 फीसदी है। मंत्रालय ने बताया कि 26 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में इलाज कराने वाले मरीजों की संख्या 20,000 से कम है। मौजूदा तारीख में 7 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 20,000 से 50,000 के बीच लोगों का उपचार चल रहा है जबकि महाराष्ट्र और केरल में यह 50,000 से ज्यादा है। वहीं, कोरोना का कहर दिल्ली के बाद महाराष्ट्र में बढ़ने लगा है। महाराष्ट्र सरकार ने भी कोरोना की दूसरी लहर के आसार जता दिए हैं। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार ने कहा कि दिवाली के दौरान बाजारों में भीड़ से कोरोना संक्रमण बढ़ा है। उन्होंने कहा कि अगले 8 से 10 दिनों में स्थिति की समीक्षा की जाएगी, तब लॉकडाऊन को लेकर आगे का फैसला किया जाएगा। उन्होंने कहा कि दिवाली के दौरान स्थिति ऐसी थी जैसे भीड़ ने ही कोरोना को मार दिया हो। राज्य में स्कूलों को शुरू करने के लिए कई नियम बनाए गए हैं, जो अलग-अलग हैं कि कैसे स्कूल को सैनेटाइज और स्वच्छता बनाया जाए। अजित पवार ने कहा, दिवाली के दौरान काफी भीड़ थी। गणेश चतुर्थी के दौरान भी हमने भीड़ को देखा। हम संबंधित विभागों से बात कर रहे हैं।

हिमाचल में कोरोना...

आइसोलेशन' में रहने वाले पॉजिटिव मामलों की नियमित रूप से निगरानी करना भी जरूरी है, क्योंकि अस्पतालों से ज्यादा मरीज 'होम आइसोलेशन' में हैं। कोरोना वायरस की स्थिति की समीक्षा करने के लिए मंडी शहर में जिला स्तरीय अधिकारियों की एक बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि 'होम आइसोलेशन' में रहने वाले रोगियों की नियमित रुप से बुखार और ऑक्सीजन स्तर की जांच होनी चाहिए और उन्हें समय से दवा लेने के लिए प्रशिक्षित करना चाहिए।

फाइव स्टार कल्चर...

और चाटुकारिता की संस्कृति के चलते कांग्रेस पार्टी खत्म होने के साथ-साथ नेताओं के पतन का मुख्य कारण बन गई है। हमें हर स्तर पर इस संस्कृति से दूर रहना चाहिए। राजनीति एक तपस्या है। उन लोगों पर शर्म आती है जो आनंद और धन के लिए राजनीति में शामिल होते हैं।

चीन की हिमाकत...

पी.एल.ए. ने ल्हासा एयरबेस पर एयरक्राफ्ट और साऊथ चाइना सी में हैनान द्वीपों में न्यूक्लियर बैलिस्टिक मिसाइल सबमरीन के लिए टनल शैल्टर बनाए हैं। वरिष्ठ सैन्य कमांडरों के अनुसार, भारतीय सेना ने दुश्मन के हमलों से जवानों को बचाने के लिए सुरंगों के जरिए से शैल्टर्स तक बड़े व्यास वाली कंक्रीट पाइपों को बिछाया है, जिससे हमलों के दौरान दुश्मन देश आश्चर्यचकित हो जाएगा। इस पाइप का व्यास (डायामीटर) 6 से 8 फुट तक होता है। इसके जरिए जवान एक से दूसरी जगह पर बिना दुश्मन सैनिक की जद में आ-जा सकते हैं। सुरंगों का दूसरा फायदा यह भी होता है कि इन्हें बेहद ठंडे तापमान के बावजूद भी अंदर से गर्म किया जा सकता है और जवानों के लिए शैल्टर्स का काम कर सकते हैं।

जलवायु परिवर्तन का ...

उत्पादन से जोड़कर देखने की अपेक्षा हर श्रमिक की मानव गरिमा पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए।' उन्होंने कहा कि ऐसे रूख से ही पृथ्वी का संरक्षण सुनिश्चित हो सकेगा। सऊदी अरब द्वारा आयोजित 2 दिवसीय 15वें जी-20 शिखर सम्मेलन में मोदी ने पहले दिन भी शिरकत की थी। इस शिखर सम्मेलन में 19 सदस्य राष्ट्रों से संबंधित शासनाध्यक्षों व राष्ट्राध्यक्षों, यूरोपीय संघ, अन्य आमंत्रित देशों और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों ने हिस्सा लिया। कोविड-19 महामारी के मद्देनजर यह शिखर सम्मेलन डिजीटल माध्यम से संचालित किया गया।

कर्नाटक के पूर्व ...

उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।' बेग कांग्रेस विधायक थे, जिन्हें अयोग्य करार दिया गया था। सूत्रों ने कहा कि शिवाजी नगर से पूर्व विधायक बेग को कोर्ट के समक्ष पेश किया गया, जिसने उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया। कर्नाटक स्थित आई.एम.ए. और इसके समूह की कंपनियों द्वारा चलाई जा रही करोड़ों रुपए की पोंजी स्कीम में कथित रूप से निवेश के इस्लामिक तरीकों का इस्तेमाल कर ऊंचे रिटर्न देने का वादा करके लाखों लोगों को ठगा गया था।

कॉमेडियन भारती ...

वकील अयाज खान के जरिए जमानत याचिकाएं दायर की। मैजिस्ट्रेट की कोर्ट सोमवार 23 नवंबर को इन याचिकाओं पर सुनवाई करेगी।

स्वर्ण व्यवसायी के पुत्र का अपहरण, अपहरणकर्त्ताओं ने एक करोड़ की फिरौती मांगी

बेगूसराय, 22 नवंबर (एजैंसी) : बिहार के बेगूसराय जिला के गढहरा सहायक थाना अंतर्गत बारो गांव निवासी एक स्वर्ण व्यवसायी के 14 वर्षीय पुत्र को रविवार को सुबह अपहृत करने के साथ अपहरणकर्त्ताओं ने व्यवसायी से बेटे को छोड़ने के एवज में एक करोड़ रुपए की फिरौती मांगी है। पुलिस अधीक्षक अवकाश कुमार ने वारदात की पुष्टि करते कहा कि अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

श्रीनगर में सीजन की सबसे ठंडी रात, माइनस 3 डिग्री तापमान दर्ज

श्रीनगर, 22 नवंबर (एजैंसी): श्रीनगर में रविवार को इस सीजन की सबसे ठंडी रात दर्ज की गई। यहां पारा शून्य से 3 डिग्री सैल्सियस कम था। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख केन्द्र शासित प्रदेशों के लिए मौसम विभाग की निदेशक सोनम लोटस ने बताया कि श्रीनगर में आज न्यूनतम तापमान शून्य से 3.0 डिग्री सैल्सियस कम था, जो इस मौसम में अब तक का सबसे कम तापमान रहा। यह सामान्य से माइनस 3.1 डिग्री कम है।

बर्फीले पहाड़ों से सर्द हवाएं रविवार सुबह घाटी में बह रही थीं, लिहाजा ज्यादातर स्थानीय लोगों ने कड़ाके की ठंड से बचने के लिए घर में ही रहना पसंद किया। एम.ई.टी. आफिस ने 24 नवंबर को होने वाली मुख्य गतिविधि के साथ सोमवार से जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में बारिश होने/बर्फ गिरने का पूर्वानुमान लगाया है। गुलमर्ग स्की रिसॉर्ट में रविवार को न्यूनतम तापमान माइनस 7.4 और पहलगाम हिल स्टेशन पर माइनस 2.6 दर्ज किया गया।

माइनस 15 के साथ लद्दाख के कारगिल जिले में द्रास कस्बा रविवार को जम्मू-कश्मीर और लद्दाख केन्द्र शासित प्रदेशों में सबसे ठंडा स्थान था। जबकि लेह कस्बे में माइनस 12.3 और कारगिल में माइनस 8.5 न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया। जम्मू संभाग में रविवार को जम्मू शहर में 7.2, कटरा में 7.0, बटोटे में 2.3, बनिहाल में 1.0 और भद्रवाह 0.2 में तापमान दर्ज किया गया।

पंजाब ले जाई जा रही 300 बोरी यूरिया खाद बरामद

हिसार, 22 नवम्बर (एजैंसी): हरियाणा के फतेहाबाद जिले के रतिया में कृषि विभाग के अधिकारियों और पुलिस ने एक संयुक्त कार्रवाई में ट्रैक्टर में अवैध रूप से पंजाब ले जाए जा रही 300 बोरी यूरिया खाद बरामद कर इस सिलसिले में एक युवक को गिरफ्तार किया है। फतेहाबाद के कृषि उप निदेशक डा. राजेश सिहाग ने आज यहां बताया कि कृषि विभाग को सूचना मिली थी कि पंजाब सीमा पर स्थित हांसपुर गांव के पास से एक ट्रैक्टर-ट्राली में तिरपाल के नीचे ढक कर यूरिया खाद अवैध तरीके से पंजाब ले जाई जा रही है। सूचना मिलने के बाद डा. सिहाग और गुणवत्ता निरीक्षक महावीर प्रसाद पुलिस को साथ लेकर मौके पर पहुंचे तथा ट्रैक्टर-ट्राली को रुकवाया और जांच के दौरान इसमें 300 बोरी यूरिया खाद लदी पाई गई।

ट्रैक्टर चालक यूरिया खाद के संबंधित कोई दस्तावेज नहीं दिखा पाया। उसकी पहचान अमृतसर के तरनतारन निवासी जोवनप्रीत सिंह के रूप में की गई। उसके खिलाफ हांसपुर पुलिस चौकी उप निरीक्षक रमेश कुमार से मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

2 नाबालिग लड़कियों को बालिका वधू बनने से बचाया

जींद, 22 नवम्बर (एजैंसी): हरियाणा की जींद जिला महिला संरक्षण एवं बाल विवाह निषेध विभाग की टीम ने गत शनिवार रात सुदकैन खुर्द गांव तथा जींद में दो नाबालिग लड़कियों का विवाह रुकवा कर उन्हें बालिका वधू बनने से बचा लिया। जिला महिला संरक्षण एवं बाल विवाह निषेध अधिकारी को गुप्त सूचना मिली थी कि सुदकैन खुर्द गांव में एक नाबालिग लड़की की शादी हो रही है। सूचना मिलते ही विभाग की टीम मौके पर पहुंची तो पाया कि बारात आई हुई थी। टीम ने वर-वधू के जन्म से संबंधित कागजात मांगे तो हड़कम्प मच गया। मौके पर लड़के पक्ष ने जो कागजात दिए, उसमें लड़का बालिग मिला जबकि लड़की की उम्र साढ़े 17 वर्ष मिली। इस पर टीम ने समझाने बुझाने पर दोनों पक्ष लड़की की उम्र 18 वर्ष पूरी होने के बाद ही उसकी शादी करने पर राजी हो गए।

इसके बाद टीम स्थानीय जाट धर्मशाला में भी नाबालिग लड़की की शादी होने की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची यहां भी दुल्हा बालिग और दुल्हन नाबालिग मिली। इस पर दोनों पक्षों को लड़की की उम्र 18 वर्ष होने ही शादी करने के लिए मना लिया गया। उक्त दोनों की मामलों में बारात बिना दुल्हन के ही लौट गई।

कृषि कानून का खाप ने किया विरोध, किसानों के दिल्ली कूच आंदोलन में साथ देने का ऐलान

जींद, 22 नवम्बर (एजैंसी): केंद्र द्वारा लागू किए गए तीन कृषि कानूनों के विरोध में पंजाब के किसानों के दिल्ली कूच को सर्व जातीय दाड़न खाप चबूतरा पालवां ने अपना समर्थन दिया। चबूतरा पर हुई खाप के प्रधान दलबीर खेड़ी मंसानिया की अध्यक्षता में बैठक में केंद्र सरकार के तीन कृषि कानूनों को किसान, मजदूर, व्यापारी विरोधी बताते हुए इसका विरोध किया। बैठक में फैसला लिया गया कि पंजाब के किसानों को पूर्ण समर्थन देने के साथ-साथ खाप के गांवों से भी खाप के प्रतिनिधि दिल्ली के लिए 26 नवंबर को कूच करेंगे।

प्रधान दलबीर खेड़ी मंसानिया, महासचिव आजाद पालवां ने कहा कि 26 नवंबर को राजमार्ग किसान एकत्रित होंगे और यहां से गढ़ी सांपला के लिए कूच करेंगे। उन्होंने बताया कि वहां पर प्रदेश भर से किसान संगठन, किसान पहुंचेंगे और 27 नवंबर को दिल्ली के जंतर मंतर पर प्रदर्शन के लिए कूच करेंगे।

न्यूज गैलरी

हिमाचल में जीप खाई में गिरी, 2 लोगों की मौत, 7 घायल

शिमला (एजैंसी): हिमाचल प्रदेश में यहां से लगभग 39 किलोमीटर दूर बसंतपुर-गुम्मा मार्ग पर आज सुबह एक जीप के सड़क से फिसल कर लगभग 200 मीटर गहरी खाई में गिरने से इसमें सवार दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई तथा सात अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि हादसा सुबह लगभग साढ़े छह बजे हुआ। जीप में चालक समेत 9 लोग सवार थे। मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से हताहतों को निकाला लेकिन इनमें से दो की मौत हो चुकी थी तथा शेष 7 को अस्पताल पहुंचाया। बताया जाता है कि जीप के तेज गति में होने के कारण यह दुर्घटना हुई। जीप में बैंड वाले सवार थे।

हरियाणा में 1 करोड़ फेस मास्क बांटे जाएंगे : खट्टर

चंडीगढ़ (एजैंसी): हरियाणा में कोरोना के बढ़ते मामले को देखते हुए, मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने रविवार को वायरस से बचने के लिए फेस मास्क पहनने को लेकर लोगों को आगाह किया। उन्होंने साथ ही कहा कि सरकार लोगों के बीच एक करोड़ फेस मास्कों का वितरण करेगी। राज्य में दोबारा लॉकडाऊन लगाने की अटकलों को खारिज करते हुए, खट्टर ने टैलीविजन पर दिए अपने संबोधन में कहा कि सार्वजनिक जगहों पर जो सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करेंगे, उन पर 500 रुपए का फाइन कड़ाई से लगाया जाएगा।

जवान ने खुदकुशी की

जम्मू (एजैंसी): जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (एल.ओ.सी.) के पास एक अग्रिम चौकी पर एक जवान ने रविवार को कथित तौर पर अपनी सर्विस राइफल से गोली मारकर खुदकुशी कर ली। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हवलदार राजेंद्र कुमार उस समय ड्यूटी पर था जब उसने सुबह करीब 8:25 बजे सलूत्री इलाके में चौकी पर कथित रूप से खुद को राइफल से गोली मार ली। अधिकारियों के अनुसार उसे अस्पताल पहुंचाया गया जहां सुबह करीब 10:05 बजे उसकी मौत हो गई। उसके इस कदम के पीछे की वजह पता नहीं चली है। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने इस मामले में जांच शुरू कर दी है।

अद्भुत! पहले डेंगू-मलेरिया, फिर कोरोना अब कोबरा ने काटा, फिर भी बचा इंसान

- राजस्थान के जोधपुर जिले में आया चौंकाने वाला मामला

जोधपुर, 22 नवंबर (इंट.): कहते हैं कि जाको राखो साईयां मार सके न कोई, यह कहावत प्रदेश के जोधपुर जिले में चरितार्थ हो गई है। यहां प्रदेश के जोधपुर जिले में हुई अद्भुत घटना को सुनकर हर कोई हैरान है।

यहां ब्रिटिश मूल के एक नागरिक को पहले डेंगू और मलेरिया हुआ। इसके बाद कोरोना वायरस संक्रमण की चपेट में आ गया। इन तीनों बीमारियों से यह शख्स जीता ही था कि एक जहरीले सांप ने काट लिया, लेकिन फिर भी इस व्यक्ति ने मौत को मात दे दी। इयान जोनस नाम का इलाज जोधपुर के एक अस्पताल में चला, फिलहाल वो खतरे से बाहर है।

डाक्टरों के लिए भी चमत्कार से कम नहीं

डाक्टरों का कहना है कि इयान जोनस को सांप काट लेने के कारण उसे अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। जहरीले सांप के काट लेने के कारण उनकी दृष्टि कमजोर हो गई थी, लेकिन अब इलाज के बाद सुधार है। उम्मीद है कि वो अगले कुछ दिनों में पूरी तरह दुरुस्त हो जाएंगे। उनकी कोविड जांच भी एक बार दोबारा हो चुकी है, जो नैगेटिव आई है। डाक्टरों ने उन्हें डिस्चार्ज कर दिया है।

करते हैं क्राफ्टमैन की मदद

मिली जानकारी के अनुसार जोनस राजस्थान के स्थानीय कारीगरों की मदद का कार्य करते हैं। वे कारीगरों की बनाई पारंपरिक शिल्प को अपनी चैरिटी संस्था के जरिए ब्रिटेन में बिकवाने में मदद करते हैं। वहीं इन मुश्किलों से जीत हासिल करने के बाद उनका परिवार भी बेहद खुश है।

पी.जी.ए.डी. ने पांचवें चरण के डी.डी.सी. चुनाव के वास्ते सीटों के बंटवारे का फार्मूला घोषित किया

श्रीनगर, 22 नवंबर (एजैंसी): जम्मू-कश्मीर में गुपकर घोषणापत्र गठबंधन (पी.ए.जी.डी.) ने जिला विकास परिषद (डी.डी.सी.) चुनाव के लिए 10 दिसंबर को होने वाले पांचवें चरण के मतदान के वास्ते रविवार को सीटों के बंटवारे का फार्मूला घोषित किया। सीटों के बंटवारे की सूची गठबंधन के आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर जारी की गई है।

पी.ए.जी.डी. अध्यक्ष और नैशनल कांफ्रैंस के प्रमुख फारूक अब्दुल्ला ने इस सूची को मंजूरी दी। इस फार्मूले के तहत नैशनल कांफ्रैंस को 16 सीटें मिली हैं और पीपुल्स डैमोक्रेटिक पार्टी पांच सीटों पर चुनाव लड़ेगी। जम्मू कश्मीर पीपुल्स कांफ्रैंस दो सीटों पर प्रत्याशी उतारेगी जबकि जम्मू कश्मीर पीपुल्स मूवमैंट एक सीट पर चुनाव लड़ेगी। पांचवें चरण के चुनाव के वास्ते नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तारीख सोमवार को है।

शोपियां जिला अस्पताल में लगी आग, कोई हताहत नहीं

श्रीनगर, 22 नवंबर (एजैंसी): जम्मू-कश्मीर में शोपियां के जिला अस्पताल की पुरानी इमारत में रविवार तड़के आग लग गई। हालांकि राहत की बात यह है कि इसमें किसी व्यक्ति को कोई नुक्सान नहीं पहुंचा है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि अस्पताल की पुरानी इमारत में भर्ती रोगियों को दूसरी इमारत में भेज दिया गया है। आग लगने से किसी व्यक्ति के हताहत होने की कोई रिपोर्ट नहीं है। उन्होंने बताया कि शोपियां जिला अस्पताल की पुरानी इमारत में आज तड़के 3 बजे आग लग गई, जिसके बाद वहां मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। इसके तुरंत बाद अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा विभाग को आग लगने की सूचना दी गई। स्थानीय लोगों, अस्पताल, रोगियों के साथ मौजूद लोगों और अधिकारियों ने भी आग बुझाने के काम में सहायता की।

पाक को जी20 देशों से 80 करोड़ डालर की ऋण राहत मिली

इस्लामाबाद, 22 नवंबर (एजैंसी): नकदी संकट से जूझ रहे पाकिस्तान को जी-20 के 14 सदस्य देशों से 80 करोड़ अमरीकी डालर की ऋण राहत मिली है, जबकि उसे सऊदी अरब और जापान सहित समूह के 6 अन्य देशों से अभी भी पुष्टि की दरकार है। एक मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। दुनिया के 20 सर्वाधिक धनी देशों के समूह से पाकिस्तान ने इस साल अगस्त तक 25.4 अरब डालर लिए थे। इस साल 15 अप्रैल को जी20 देशों ने पाकिस्तान सहित 76 देशों के ऋण पुनर्भुगतान को मई से दिसंबर 2020 तक रोकने की घोषणा की थी, हालांकि इसके लिए प्रत्येक देश द्वारा औपचारिक अनुरोध करने की शर्त लगाई गई।

सड़क दुर्घटना : जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में सेना के जवानों ने 7 लोगों को बचाया

जम्मू, 22 नवंबर (एजैंसी): जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में मुगल रोड पर एक वाहन के फिसलकर पलट जाने के बाद सेना के जवानों ने तीन महिलाओं समेत सात लोगों को बचाया। एक रक्षा प्रवक्ता ने रविवार को यह जानकारी दी। प्रवक्ता ने बताया कि एक छोटे वाहन में सात लोग सवार थे और वाहन शनिवार शाम में पोशाना के निकट फिसलकर सड़क पर पलट गया। उन्होंने बताया कि दुर्घटना को देखते ही सेना चौकी के जवानों ने तेजी दिखाते हुए काम किया और फंसे हुई तीन महिलाओं समेत सभी सात लोगों को जीवित बचा लिया। यात्रियों को घटनास्थल पर ही प्राथमिक चिकित्सा मुहैया कराई गई। उन्होंने बताया कि यात्रियों ने उनकी जान बचाने के लिए जवानों का शुक्रिया अदा किया।

दुबई से गुप्तांग में सोना छुपा कर लाई महिला गिरफ्तार

अमृतसर, 22 नवंबर (महिंदरपाल) : श्री गुरु रामदास अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर विदेश से पहुंची एक महिला को सोने समेत गिरफ्तार किया गया है। महिला विदेश से अपने गुप्तांग में सोना छुपा कर लाई थी। दुबई से आई सुखविंदर कौर पत्नी परमजीत सिंह जैसे ही एयरपोर्ट से बाहर आने लगी तो इमीग्रेशन विभाग ने उसकी जांच की। चैकिंग के दौरान स्कैनिंग मशीन में पाया गया कि उसने गुप्तांग में कोई चीज छुपा कर रखी है। जब महिला अधिकारियों द्वारा अलग से जांच की गई तो उसके गुप्तांग में से 200 ग्राम सोना बाहर निकाला गया। इसकी कीमत 11 लाख है। सुखविंदर कौर को हिरासत में लेकर उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की गई है।

सुखविंदर कौर की स्कैनिंग के दौरान गुप्तांग में नजर आ रहा सोना।

अल कायदा ने उत्तर अफ्रीका के लिए नया सरगना चुना

डकार, 22 नवंबर (एजैंसी): आतंकवादी संगठन अल कायदा की उत्तरी अफ्रीकी शाखा ने कहा है कि उसने अपना नया सरगना चुन लिया है। इससे पहले उसने अपने पूर्व सरगना की मौत की पुष्टि की है। उसे जून माह में फ्रांस के बलों ने मार गिराया था। यह जानकारी एस.आई.टी.ई. खुफिया समूह ने दी है। अमरीका का यह समूह जेहादियों के स्थलों पर नजर रखता है। उसने शनिवार को एक वीडियो में बताया कि 'अल कायदा इन इस्लामिक मगरिब' (ए.क्यू.आई.एम.) ने अपने सरगना अब्देलमलिक द्रोउकदेल का शव पहली बार दिखाया है। ए.क्यू.आई.एम. ने यह भी कहा कि याजिद मुबारक जिसे अबु उबैदा यूसुफ अल अन्नाबी के नाम से भी जाना जाता है, वह अब नया सरगना है।

याजिद मुबारक

दैनिक सवेरा टाइम्स
जालंधर, सोमवार, 23 नवम्बर 2020

आप सागर में समाई एक बूंद जैसे नहीं हो, बल्कि आप उस बूंद के जैसे हो जिसके अंदर सागर समाया है। -संत रूमी

देश के भाग्य-नियंताओं के दागदार चेहरे

देश की न्याय संहिता बताती है कि जब तक मुल्जिम का उसके अभियोग का दंड नहीं मिल जाता, तब तक वह अपराधी या मुजरिम नहीं कहलाता। इस परिपाटी का फायदा उठाकर देश की राजनीति के अखाड़े में बहुत से बाहुबली अपने दागों और अपराधों के आरोपों का बोझ ढोते हुए भी विभिन्न राज्यों की विधानसभाओं और देश की लोकसभा के लिए चुनाव दर चुनाव जीतते रहते हैं और यह कैसी विडम्बना है कि यह जनप्रतिनिधि जिन्हें जनहितों, जन कानून और जनसंविधान की सुरक्षा का दायित्व मिला है, वह खुद भी अपराधों के आरोपी ही नहीं, उनके चेहरे भी दागदार हैं। संसद और विधानसभाओं को ही नहीं बल्कि देश की राजनीति को भी इन दागदार छवियों वाले बाहुबलियों की कोई आवश्यकता नहीं। ऐसे लोग हमेशा अपने धाकड़पन से गलत कामों को सही करने की फिराक में लगे रहते हैं और प्रायः कहा जाता है कि 'जब सैंयां भये कोतवाल तो डर काहे का' नेता हैं तो गलत काम को सही करवा ही देंगे, सही को सही करवाने के लिए भला नेता की सहायता की क्या जरूरत? यह कैसी विडम्बना है कि हर वर्ष देश की राजनीति में अलग-अलग राज्यों से अनेकानेक स्कैंडल उभरते हैं जो मंत्रियों, मुख्यमंत्रियों, उनके नाती-पोतों या विपक्ष के नेताओं को भी नहीं बख्शते। बहुत बार चुनाव आयोग को कहा गया कि जिन पर आरोप हैं, उनको चुनाव लड़ने की मनाही हो लेकिन ऐसा होता नहीं। एक सरसरी नजर से देखें तो देश की संसद ही नहीं, अनेक राज्यों की विधानसभाओं में ऐसे दागदार चेहरे सत्ता का संचालन करते हुए नजर आ जाते हैं या सत्ता पाने के लिए जूझते नजर आते हैं।

उदाहरण हैं कि बाहुबलियों ने अपने अपराधों के निर्णय का इंतजार करते हुए जेल की हिरासत से चुनाव लड़े और जीते। ऐसे अपराधीकरण का धड़ल्ला आम लोगों तक भी पहुंचता है। इन जनप्रतिनिधियों के नजदीकी कई बार अलग-अलग शहरों में गुंडागर्दी और असामाजिक तत्वों को संरक्षण देते नजर आते हैं बल्कि कई बार तो यह कहा जाता है कि देश के असामाजिक और प्रदूषित वातावरण को और कलुषित करने के लिए माफिया गुटों, भ्रष्ट राजनेताओं और नैतिकताविहीन अफसरों की जुंडली काम करती है। लेकिन जब तक अपराधी की परिभाषा को बदला नहीं जाएगा, तब तक ऐसे आरोपी निःसंकोच नेतागिरी का चुनाव लड़ते रहेंगे, जीतते रहेंगे और पूरे सामाजिक और राजनीतिक वातावरण को दूषित करेंगे। अभी बिहार विधानसभा के चुनाव हुए। परिणामों के बाद चुने हुए जननेता ही नहीं बल्कि सरकार गठन तक में अपराधग्रस्त दागदार चेहरे सामने आते नजर आए। बिहार इलैक्शन वॉच और एसोसिएशन फॉर डैमोक्रेटिक रिफॉर्मस यानी ए.डी.आर. ने हैरान करने वाला तथ्य दिया है। इनके ताजा अध्ययन के मुताबिक बिहार की इस विधानसभा में कुल 243 सदस्यों में से 142 अपराधिक पृष्ठभूमि के हैं। उस पर तुर्रा यह कि इनमें से 90 यानी 40 फीसदी जनप्रतिनिधि ऐसे हैं जिन पर हत्या, हत्या के प्रयास, साम्प्रदायिक वैमनस्य फैलाने, अपहरण और महिलाओं के खिलाफ अपराध जैसे संगीन मामले दर्ज हैं। 70 विधायक तो ऐसे हैं जिन पर आरोप भी तय हो चुके हैं। सिर्फ दंड घोषित करके इनके अपराधी बनने की देर है। यह तस्वीर एक ऐसे राज्य की है, जहां कांटे की लड़ाई लड़ी गई।

लेकिन इसमें से भी लोगों ने भारी तादाद में अपराधिक मनोवृत्ति के प्रतिनिधि विधानसभा में भेज दिए। कुछ तो मंत्रिमंडल में भी शामिल हो गए। नई खबर है कि बिहार के नये मंत्रिमंडल का जो गठन सातवीं बार नितीश कुमार के नेतृत्व में हुआ, उसमें बिहार के शिक्षा मंत्री मेवा लाल चौधरी ने इस बीरबार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया, क्योंकि उन पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप थे। विवाद गहराया तो मंत्री के तौर पर शपथ लेने के तीन दिन बाद ही इस्तीफा देना पड़ा। उन्होंने शिक्षा मंत्री का पदभार संभालने के बाद अपना इस्तीफा भेजा और उन पर बिहार कृषि विश्वविद्यालय भागलपुर में शिक्षकों और तकनीशियनों की नियुक्ति में कथित अनियमितताओं के पांच साल पुराने मामले के आरोप हैं। विसंगति यह कि यह इसी विश्वविद्यालय के कुलपति भी रहे हैं। बिहार के राज्यपाल फागू चौहान ने मुख्यमंत्री की सलाह पर निर्णय लिया। शिक्षा मंत्री का इस्तीफा स्वीकार कर लिया। विपक्षी दलों को मौका मिल गया कि वे एक भ्रष्ट व्यक्ति को शामिल करने के लिए मुख्यमंत्री पर निशाना साधें लेकिन इस हमाम में तो, सभी नंगे हैं। दागी व्यक्तियों का यह नेतृत्व देश में कब एक स्वच्छ छवि को प्राप्त कर सकेगा? इसके बारे में तो अभी दिवास्वप्न ही देखा जा सकता है। -शीतल विज

भारत रिश्वतखोरी तालिका की ऊंची सीढ़ी पर

अभी-अभी सन् 2020 का व्यापार और रिश्वत जोखिमों की एक वैश्विक सूची आई है। इसमें रिश्वतखोरी के चार कारक ईमानदारी के अंकों को निर्धारित करते हैं। पहला सरकार के साथ व्यापारिक बातचीत, दूसरा रिश्वत के कितने प्रतिरोधक और प्रवर्तन हैं और वे कितने प्रभावी हैं? तीसरा सरकार और सिविल सेवा में कितनी पारदर्शिता है तथा मीडिया की भूमिका सहित नागरिक संगठन निगरानी कितनी सक्षम है। यह दुर्भाग्य की बात है कि भारत इन सभी प्रतिमानों पर खरा नहीं उतरा और 2020 की सूची में उसे 100 में से केवल 45 अंक प्राप्त हुए हैं। दुनिया के कम से कम 76 देश ऐसे हैं जो भारत से अधिक ईमानदार हैं।

दुनिया के कुल 194 देशों, क्षेत्रों या स्वायत्त और अर्द्धस्वायत्त देशों सबको चुना गया और इसमें डेनमार्क, नार्वे, फिनलैंड, स्वीडन और न्यूजीलैंड ऐसे देश निकले जो सबसे ईमानदार थे और उत्तर कोरिया, दक्षिणी सूडान, वेनेजुएला, तुर्कमेनिस्तान इत्यादि ऐसे देश थे, जहां भारत से भी अधिक रिश्वतखोर हैं। भारत की विडम्बना यह कि 2019 में भारत रिश्वतखोरी में 78वें स्थान पर था, इस बार 77वें पर आ तो गया परन्तु उसके ईमानदारी के अंक 48 से कम होकर 45 हो गए। यह अपने आप में सोचने की बात है कि भूटान ने इसमें 48वां स्थान प्राप्त किया और चीन ने भी अपनी स्थिति को आगे से बेहतर बना लिया, नौकरशाही में सुधार करके लोक अधिकारियों के रिश्वत मांगने में कमी पैदा करके। अब इस बात से कैसे संतोष कर लें कि पाकिस्तान, चीन, नेपाल और बंगलादेश अभी भी भारत के मुकाबले अधिक रिश्वतखोरी से ग्रस्त हैं।

लेकिन मुकाबला तो ईमानदारी और उसके बढ़ने का होना चाहिए। रिश्वतखोरी का अर्थ होता है लालफीताशाही और नौकरशाही। इसका अर्थ यह भी है कि देश में कमीशनखोरों और दलालों का बोलबाला है और लोगों का कोई भी काम सीधे-सादे नियमानुसार नहीं हो पाता। ऐसी खाक देश का आम आदमी अलग-अलग दफ्तरों में आम तौर पर छानता नजर आ सकता है। अब दुनिया का रिश्वत जोखिम सूचकांक भी यही प्रमाणित कर रहा है तो ये आंकड़े क्या देश के भाग्यनियंताओं की आंखें खोलने के लिए काफी नहीं है, कि वे केवल भ्रष्टाचार उन्मूलन के नारे ही न लगाएं बल्कि उसका उन्मूलन करने के लिए ठोस कदम भी उठाएं? -शीतल विज

Email: letter2editor@dainiksaveratimes.net

चीन के बदले सुर, लेकिन भारत को सतर्क रहना होगा

भारत को कोई ऐसी व्यवस्था भी करनी होगी जिससे एल.ए.सी. पर हर समय निगरानी रखी जा सके।

नौशाबा परवीन

पिछले दिनों चीन और भारत के कोर कमांडरों की 8वीं बैठक के बाद फैसला हुआ कि आगामी भयानक शीत से पहले चीन और भारत के निगरान दल अपने चौकसी मोर्चों से पीछे हट जाएं। चीन नई दिल्ली से पुराने रिश्ते बहाल करना चाहता है लेकिन फैसले को ईमानदारी से लागू करने पर ही नया दोस्ताना माहौल पैदा हो सकता है। कह रही हैं नौशाबा परवीन

वास्तविक नियंत्रण रेखा (एल.ए.सी.) पर, विशेषकर लद्दाख में, चीन के साथ जो मई से टकराव चल रहा था और गतिरोध बना हुआ था, उसका समाधान सात चक्र की कोर कमांडर स्तर की वार्ताओं के बाद भी इसलिए नहीं निकल पाया था, क्योंकि बीजिंग अपनी जिद पर इस हद तक अड़ा हुआ था कि किसी भी सूरत में टस से मस होने के लिए तैयार नहीं था। चीन किसी भी 'समझौते' से पहले यह शर्त लगाए हुए था कि भारत रेजांग ला की पहाड़ी ऊंचाइयों व अन्य क्षेत्रों से अपनी फौज हटाए या दोनों पार्टियां एक-दूसरे से 'हाफ वे' (बीच में) मिलें। लेकिन 6 नवम्बर को भारत व चीन के बीच जो कोर कमांडर स्तर की आठवें चक्र की वार्ता हुई तो उसमें बीजिंग के सुर बदले हुए नजर आए। इस वार्ता की जो रिपोर्ट्स सामने आई हैं, उनसे मालूम होता है कि दोनों देशों ने कुछ प्रस्तावों को अंतिम रूप दिया है, जिनके तहत पैंगोंग झील क्षेत्र में फिंगर 4 से 8 तक टैंक, सशस्त्र वाहन व सैनिकों को हटा लिया जाएगा।

नई दिल्ली व बीजिंग इन प्रस्तावों पर विचार कर रहे हैं, जिसका अर्थ यह है कि अभी कोई निर्णय नहीं लिया गया है, लेकिन फिर भी यह पिछली स्थिति की तुलना में सुधार है। यह प्रश्न प्रासंगिक है कि चीन अपने अड़ियल रवैये में परिवर्तन क्यों लाया है? चीन हमेशा दीर्घकालीन योजना बनाता है, इसलिए यह संभव है कि अपने वर्तमान लद्दाख प्रस्ताव से वह किसी रणनीति के तहत समय व राहत ले रहा हो। चीन ने हाल के दिनों में अरुणाचल प्रदेश व एल.ए.सी. पर अन्य जगह भी लचीला रुख अपनाया है, जिससे उसकी नीयत व इरादों पर शक होने लगता है। यही वजह है कि नई दिल्ली को अपनी सतर्कता यथावत बनाए रखनी चाहिए क्योंकि किसी भी सूरत में लापरवाही व ढिलाई की कोई गुंजाइश नहीं है। बहरहाल, इस बात को भी समझने की जरूरत है कि बीजिंग ने अचानक अपने सुर क्यों बदले हैं, भले ही वह कुछ समय के लिए ही क्यों न हो? इसके कारण राजनीतिक भी हैं और ऑपेशनल भी। हालांकि अमरीका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से चीन का 36 का आंकड़ा ही रहा, खासकर व्यापार मामलों को लेकर, लेकिन यह सोचने की बात है कि राष्ट्रपति चुने गये जो बाइडेन को उसने बहुत देर से बधाई दी। जबकि अमरीका के राष्ट्रपति चुनाव में जो बाइडेन की जीत का स्वागत करने में अमरीका के सहयोगी देशों जैसे इंगलैंड, कनाडा, जर्मनी, फ्रांस, जापान, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण कोरिया व भारत ने इस संबंध में तेजी दिखलाई और मिलकर चीन की चुनौती का सामना करने के लिए वायदा किया। बहरहाल चीन को एहसास हो गया है कि उससे स्थिति की सही समीक्षा करने में चूक हो गई है, ट्रांसअटलांटिक अलायंस में कोई फूट नहीं है। ऐसे में उसे डिप्लोमैटिक अकेलेपन का खतरा महसूस होने लगा था, तभी उसने देर से सही बाइडेन को बधाई दी और भारत के साथ लचीला रुख अपनाने का संदेश दे रहा है। चीन ने अमरीका के साथ अपने रिश्ते में जो अलग-थलगपन महसूस किया है, उससे उसे लगता है कि नई दिल्ली से पुराने रिश्ते फिर से बहाल करना

संभव है और इस तरह डिप्लोमैटिक अकेलेपन से काफी हद तक बचा जा सकता है। दूसरा यह कि अक्टूबर में चीन का फैक्ट्री आउटपुट अनुमान से भी अधिक हुआ है, ऐसे में अगर वह डिप्लोमैटिक अकेलेपन का शिकार हो जाता है तो उसका कुप्रभाव उसकी अर्थव्यवस्था पर भी पड़ना लाजिमी है। निष्कर्ष यह कि चीन भारत जैसे बड़े बाजार को फिर से अपने पाले में लाना चाहता है।

वैसे भी फिंगर 4 से 8 पर कब्जा करने से चीन को जो लाभ की स्थिति मिली थी, वह किसी काम की इसलिए नहीं रही; क्योंकि भारत ने ऊंची पहाड़ियों पर अपनी फौज तैनात कर दी है, जहां से वह चीनी पोजीशनों पर खास निगाह रख सकता है। इन्हीं कारणों के चलते चीन अब एशियन देशों के प्रति भी नर्म रुख अपना रहा है। अब वह कह रहा है कि साउथ चाइना सी में आपसी व्यवहार को नियमित करने के लिए कोड ऑफ कंडक्ट को जल्दी से अंतिम रूप दे देना चाहिए। गौरतलब है कि इस मुद्दे पर 2013 से कोई प्रगति नहीं हुई थी। दरअसल, चीन यह दिखाना चाहता है कि वह अकेला नहीं है और आपसी बातचीत से विवादों को हल कर सकता है व एशिया के अन्य देशों के साथ मिलकर काम कर सकता है। ताइवान के प्रति भी चीन की लफ्फाजी में नरमी आ गई है और वह बाइडेन टीम से बैकचैनल वार्ता के भी प्रयास में है। इस पृष्ठभूमि में नई दिल्ली को क्या करना चाहिए? सबसे पहले तो वह चीन की हठधर्मी के विरुद्ध सीना तानकर खड़ी रहे यानी किसी भी हाल में कमजोर स्थिति में पहुंचने की जरूरत नहीं है; क्योंकि चीन ताकत का सम्मान करता है। ध्यान रहे कि चीन के नजरिए में उस समय बदलाव आना शुरू हुआ, जब हमारे बहादुर जवानों ने पैंगोंग झील के दक्षिण किनारे की ऊंची पहाड़ियों पर कब्जा करना आरंभ किया। दूसरा यह कि नई दिल्ली ट्रम्प को भूलकर अब बाइडेन कैंप से रिश्ते मजबूत करे क्योंकि अमरीका को दोस्त रखने से चीन की अकड़ में कमी आ जाती है। साथ ही नई दिल्ली को बेहतर अवसर की प्रतीक्षा करनी चाहिए, जिसका अर्थ यह है कि जल्द किसी नतीजे की उम्मीद न करे।

हालांकि फिलहाल नई दिल्ली कोर कमांडर स्तर की आठवें चक्र की वार्ता में आए प्रस्तावों पर विचार कर रही है, लेकिन उसे इस बात पर कायम रहना चाहिए कि चीन सभी सैक्टर्स में न सिर्फ 20 अप्रैल की पोजीशन पर लौटे बल्कि यह जांचने व सुनिश्चित करने का कोई भरोसेमंद तरीका भी तय किया जाए। साथ ही भारत को कोई ऐसी व्यवस्था भी करनी होगी जिससे एल.ए.सी. पर हर समय निगरानी रखी जा सके ताकि भविष्य में किसी भी घुसपैठ के विरुद्ध त्वरित कार्यवाही की जा सके। भारत ऐसी लोकेशंस पर अपनी तैयारी रखे, जहां से सैनिकों को जल्दी व आसानी से चीन की आशंकित घुसपैठ को रोकने के लिए भेजा जा सके। इसमें कोई दो राय नहीं हैं कि भारत व चीन के नजरिए में जबरदस्त अंतर है, दोनों की सैन्य शक्तियों में भी असमानता है और दोनों के बीच लम्बी एल.ए.सी. अभी सीमा के रूप में निर्धारित नहीं हुई है, इसलिए वर्तमान तनावपूर्ण शांति के बावजूद यह कहना गलत न होगा कि भारत-चीन का टकराव लम्बा चलने वाला है और चूंकि अपनी 14वीं पंचवर्षीय योजना में चीन ने 2027 तक अपनी सेना का अमरीकी सेना के बराबर आधुनिकीकरण करना तय किया है, इसलिए भविष्य में चीन से कोई भी सैन्य टकराव अधिक कठिन होगा। ऐसे में नई दिल्ली के पास बस यही विकल्प है कि सतर्क रहे और अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत करे ताकि सेना का आधुनिकीकरण संभव हो सके।

जनहित की अनदेखी, सरकारी आदेशों की धज्जियां

आजादी के बाद आम नागरिक इस विश्वास के साथ हिंदुस्तान में कार्य कर रहा है कि लोकतांत्रिक ढंग से चुनी गई सरकार जनता की आवश्यकताओं, सामाजिक परंपराओं और जीवन की कठोर सच्चाइयों को सामने रखते हुए ही अपने लोगों के लिए कानून बनाएगी और जनता को कम से कम दंडित करते हुए ऐसे आदर्श उदाहरण सरकार और सरकारी प्रस्तुत करेंगे जिससे हर व्यक्ति सही जीवन व्यतीत करे। नेक नागरिकों को कानून का भय न हो, कानून के संरक्षण में हर नागरिक निर्भय होकर अपना कार्य करे। इन वर्षों में कुछ ऐसी घटनाएं हो गईं जिसे देखकर यह लगता है कि सरकार को देश के हर वर्ग के नागरिकों की कोई चिंता नहीं। देश की राजधानी दिल्ली और प्रदेशों की राजधानियों के सुखद कार्यालयों और आवासों में बैठे हुए उच्चाधिकारी तथा जनप्रतिनिधि यह भूल जाते हैं कि जिनके लिए कानून बनाए जा रहे हैं, क्या वे इसका पालन करने में समर्थ हैं? इसका बोझ भी उठा सकते हैं?

उनकी दैनिक, शारीरिक, मानसिक आवश्यकताओं की पूर्ति करने में यह कानून सहायक होंगे या उनके मेहनत से बनाए जीवन के ढांचे को भी अस्त व्यस्त कर देंगे? हमारी सरकार वर्षों से किसानों को पराली न जलाने के लिए कह रही है। बहुत से जागरूक किसानों ने पराली को नई फसल के लिए ताकत भी बना लिया। बहुत से किसान सरकार से यह मांग करते रहे कि पराली को जलाए बिना सब्जी की बिजाई करने के लिए जो मशीनी उपकरण चाहिए वह सरकारी मदद के बिना खरीदे नहीं जा सकते इसलिए सरकार सहायता दे या प्रति एकड़ आर्थिक मदद दे। यह सब तो सरकार कर नहीं सकी और 'मरे को मारे शाह मदार' की नीति पर चलते हुए एन.जी.टी. को यह काम सौंपा और प्रदूषण न फैले इसके लिए पराली जलाने वालों पर अधिकतम एक करोड़ रुपये का आर्थिक दंड तथा पांच वर्ष तक के लिए जेल भेजने का प्रावधान बनाने की तैयारी कर ली। ऐसा लगता है कि कभी एक धृतराष्ट्र ने हमारे सांस्कृतिक सामाजिक जीवन को तबाह किया था। महाभारत में पचास लाख से ज्यादा लोग देश के विद्वान, वीर, बड़े-बड़े शासक सब मारे गए, क्योंकि शासक किसी की सुनता नहीं था। आज भी जब ये पराली जलाने वालों के लिए दंड व्यवस्था की घोषणा हुई तो कृषक समाज के साथ ही सभी सहृदय नागरिक सन्न रह गए। दुखद आश्चर्य यह है कि हमारी सरकारों के पास दूरदर्शिता शायद है ही नहीं। अगर सरकारें थोड़ी भी संवेदनशील हों। बहुत ज्यादा नहीं मगर एक दो वर्ष आगे का सोचा भी लें तब यह स्थिति पैदा नहीं होती जो आज हो रही है। इस समय दो समस्याएं सामने हैं। कोरोना और पराली जलाकर प्रदूषण का फैलना।

तीसरा बड़ा कारण दीपावली के त्यौहार पर पटाखे चलाने से रोकना। अब सरकार यह बताए कि क्या अचानक सितंबर-अक्टूबर में ही पता चलता है कि किसान पराली जलाएगा। कानून बनाया जाए, चालान किए जाएं, पराली न जलने दी जाए, डंडे के बल पर या आर्थिक दंड के बल पर। धरती धान हर वर्ष ही देती है। इस वर्ष तो पंजाब ने धान उत्पादन के सारे रिकार्ड ही तोड दिए। देश और प्रदेश को चलाने वाली सरकारें बहुत समय पहले ही यह योजना क्यों नहीं बनातीं कि किस तरह किसानों को इतना समर्थ बना दिया जाए कि वे पराली न जलाने के लिए स्वयमेव ही तैयार हों? जो कृषि उपकरण खेतों को पुनः बिजाई के लिए तैयार करने के लिए चाहिए वे गरीब किसानों के लिए पंचायतों में सामुदायिक स्तर पर ही क्यों न उपलब्ध करवाएं। अब तो पराली जलाने वालों के लिए उस आर्थिक दंड की घोषणा कर दी जो दंड दुनिया में शायद कहीं नहीं। और जो एक करोड़ रुपया आर्थिक दंड की योजना सरकार ने बना ली है वह पराली जलाने वालों को आर्थिक दंड नहीं उन्हें मिटाने की योजना है। इसके साथ ही हर वर्ष दीपावली पर पटाखे चलते हैं, पर पटाखों के प्रदूषण की चिंता इन सरकारों को दीपावली से दो सप्ताह पहले ही होती है। वैसे दीपावली के अतिरिक्त विवाह शादियों में, धार्मिक त्यौहारों में, चुनावी जीत के जश्नों में तथा अन्य कई अवसरों पर पटाखे, आतिशबाजी चलती है। दशहरे की आतिशबाजी तो हिंदुस्तान के हर कोने में देखने के लिए लोग उमड़ते हैं।

प्रो. लक्ष्मीकांता चावला

खरी-खरी

जब देश के कारखानों में खूब पटाखे बन गए, व्यापारी पूरा माल खरीदकर दुकानें सजाकर कमाई के लिए दीपावली से पहले ही तैयार हो गए, उस समय अचानक यह आदेश मिलता है कि कोरोना की बीमारी को प्रदूषण बढ़ा सकता है। अब इन फाइलों और एयरकंडीशंड में बंद अधिकारियों तथा मंत्रियों से पूछा जाए कि कोरोना तो पिछले दस महीनों से भारत में तबाही मचा रहा है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ और सरकारी तंत्र लगातार यह कह रहा था कि शीघ्र ही कोरोना से छुटकारा मिलने वाला नहीं। वैक्सीन के बिना इसका इलाज नहीं। जिस समय कोरोना की महामारी फैली उसी समय यह क्यों नहीं सोचा गया कि 2020 और उसके बाद भी जब तक यह महामारी नियंत्रण में न आ जाए, पटाखों का प्रदूषण नहीं फैलना चाहिए। पटाखे नहीं चलने चाहिए। पटाखे चलाने की सरकारी निषेद्याज्ञा के बाद भी दंड घोषित करने के साथ भी पटाखे खूब चले। केवल दिल्ली में पूरी तरह पाबंदी रही। आसपास की सरकारों ने तो नाक बचाने के लिए या पटाखे चलवाने के लिए दो घंटे की छूट दे दी।

उसके बाद ऐसा कौन सा तंत्र होगा जो घडी में दस बजते ही पटाखों पर फुलस्टॉप लगा देता या जनता इतनी आज्ञाकारी की स्वयं ही इस खेल को रोक देती। मुझे ऐसा लगता है कि कोई भी सूझवान शासकीय या प्रशासकीय प्रबंध जनता से सीधे जुड़े पराली और पटाखों के विषय में सोचता ही नहीं। केवल घोषणाएं करते हैं, दंड तय करते हैं, जेल की चर्चा भी कर देते हैं। पुरानी बात नहीं जब ढोल बजा-बजाकर सरकारों ने कहा पालीथिन बंद कर दो, पर जब पालीथिन के लिफाफे बनाने की मशीनें घर-घर में लगवाने, उसके लिए आर्थिक साधन देने के प्रबंध स्वयं सरकार ने करवाए थे, लोगों को रोजगार देने का यह एक कारगर काम माना था उस समय यह क्यों नहीं सोचा कि पॉलीथिन के लिफाफों का प्रयोग स्वास्थ्य के लिए अच्छा नहीं। शायद सोचना सरकारों का काम नहीं और भुगतना जनता की किस्मत में लिखा है। एक प्रश्न राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण से भी है कि आखिर कौन सा न्याय है पराली प्रदूषण के लिए एक करोड़ का जुर्माना और पांच वर्ष से ज्यादा का दंड? काश! ये जनप्रतिनिधि उस जगह खड़े होकर सोचें जिस जगह से यह जनता से जनप्रतिनिधि बने हैं, आम से खास बने हैं अन्यथा देश में जो आक्रोश फैल रहा है भविष्य में फैलेगा, वह देश और समाज की सेहत के लिए कभी भी हितकारी नहीं है।

-feature.dainiksavera@gmail.com

बाइडेन की जीत का मतलब बराक ओबामा की वापसी

अमरीका की राजनीति में तेजी के साथ बदलते हुए समीकरण ने बहुत कुछ शांत शब्दों में संदेश दे दिया जिसे समझने की आवश्यकता है। अमरीका के चुनाव में जिस प्रकार से डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी भरपूर ताकत लगाई, वह भी जगजाहिर है। जो बाइडेन लगातार चुनाव में शांति, प्रेम एवं सभ्यता के साथ चुनावी मैदान में उतरे हुए थे जिससे मतदाताओं का आकर्षण जो बाइडेन की ओर बहुत ही तेज गति से हुआ जिससे कि अमरीका में जो बाइडेन के पक्ष में एक बड़ा सार्थक माहौल बना। जो बाइडेन की जीत के पीछे एक बड़ा नाम है जो पर्दे के पीछे पूरी तरह से बहुत ही मजबूती के साथ खड़ा था।

जो बाइडेन को व्हाइट हाउस पहुंचाने में अमरीका की एक बड़ी ताकत पर्दे के पीछे लगी हुई थी। यदि शब्दों को बदल कर कहा जाए तो शायद गलत नहीं होगा कि जो बाइडेन का नाम आगे था लेकिन काम किसी और का था। बता दें कि इस पर्दे के पीछे कोई और नहीं बल्कि विश्व का जाना-पहचाना चेहरा एवं बेदाग छवि के पूर्व अमरीकी राष्ट्रपति बराक ओबामा लगे हुए थे जिन्होंने बहुत ही मजबूती के साथ पूरे चुनाव को हैंडल करते हुए मतदाताओं को अपने नाम पर जो बाइडन के पक्ष में मतदान करने को प्रेरित किया। बराक ओबामा अमरीका की वह शख्सियत हैं जिनके ऊपर अफ्रीकी मूल के सभी निवासी एवं पीड़ित तथा प्रताड़ित लोग एवं अश्वेत समुदाय आंख बंद करके पूरी तरह से भरोसा करता है। इसी कारण बराक ओबामा के एक आह्वान पर पूरे अमरीका की सियासी हवा बदल गई और ट्रंप चारों खाने चित हो गए। बराक ओबामा ने पूरे चुनावी समीकरण को अपने हाथ में रखा और सभी बारीकियों को ध्यान से देखते हुए सभी मोर्चे को संभालते रहे जिससे कि बाइडेन की जीत संभव हो सकी।

बदलता परिवेश
सज्जाद हैदर

जो बाइडेन को आगे कर बराक ओबामा ने एक बार फिर व्हाइट हाउस के अंदर अप्रत्यक्ष रूप से अपनी दावेदारी प्रस्तुत कर दी। यह अलग बात है कि बराक ओबामा साक्षात रूप से कोई नीति नहीं बनाएंगे लेकिन इस बात से इंकार कदापि नहीं किया जा सकता कि अब व्हाइट हाउस की कोई भी नीति बराक ओबामा की अनुमति के बगैर निकल पाएगी, ऐसा कदापि नहीं हो सकता। यदि शब्दों को बदल कर कहा जाए तो अब एक बार फिर से अमरीका की सत्ता बराक के हाथों में आ गई है। भारत की दृष्टि से डैमोक्रेट उम्मीदवार जो बाइडेन को भारत का हिमायती समझा जाता रहा है उनके राष्ट्रपति चुने जाने के बाद भारत-अमरीकी संबंधों के और प्रगाढ़ होने की संभावना है क्योंकि बराक ओबामा के राष्ट्रपति रहने के दौरान बाइडेन उप-राष्ट्रपति रहे हैं।

प्रेरक प्रसंग

गुणवान की कद्र

कुछ व्यापारी जल मार्ग से दूसरे देशों में माल बेचने निकले। दिशा बताने वाले कौवे को भी साथ ले गए। दिशा ज्ञान के लिए कौवे का साथ जरूरी था। जिस देश वे पहुंचे वहां पक्षी नहीं होते थे। जिसने भी कौवे को देखा उसकी प्रशंसा करने लगा। कोई कहता-'इसकी चमड़ी मक्खन सी चिकनी है। आह! कैसा चटक रंग है। सुराही-सी लम्बी चोंच है और आंखें तो मणि की तरह चमचमा रही हैं। 'मित्र यह पक्षी हमें दे दो। तुम्हें तो ऐसा दूसरा पक्षी मिल जाएगा।' एक नगरवासी ने कहा। व्यापारी बोले,'यह हमारे बहुत काम का है मगर मित्रता के नाते हम तुमको दे देते है।' सौ सोने के सिक्कों के बदले में कौवे को दे दिया गया।

नगरवासियों ने उसे सोने के पिंजरे में रखा और प्यार से पालने लगे। कौवा इतना आदर देख फूला न समाता। दूसरी बार व्यापारी उसी देश में फिर गए और इस बार अपने साथ एक सुन्दर मोर लेकर गए जो ताली बजाने पर रंग-बिरंगे पंख फैलाकर नाचने लगता। उसे देखने सारा नगर उमड़ पडा। भीड़ देखकर मोर उल्लास से भर उठा। सुंदर मोर का नृत्य देख नगरवासी मुग्ध हो गए और बोले,'मित्रो यह बड़ा सुन्दर पक्षी है। इसे हमें दे दो।' हम कौवा लेकर आये, तुमने ले लिया। अब मोर लेकर आए तो उसे भी लेना चाहते हो।' लोग बोले,'मित्रो तुम्हें तो अपने राष्ट्र में दूसरा मिल जाएगा।' व्यापारी तो व्यापारी ठहरे, उन्होंने उनकी ऐसी मांग देख मोर को एक हजार स्वर्ण सिक्कों के बदले में दे दिया। मोर के लिए कौवे से भी ज़्यादा सुन्दर सात रत्नों का पिंजरा बनवाया। उसे फल और मीठा शर्बत खिला-पिलाकर पाला जाने लगा। अब कौवे के बुरे दिन आ गये। उसकी तरफ अब कोई देखता भी नहीं था। कौवे के भूखा मरने की नौबत आ गई। सत्य है गुणवान के सामने बेगुण की कोई कद्र नहीं होती।

लव जिहाद पर कानूनी मतभेद

हिंदू युवती का मुस्लिम युवक से विवाह की वैधता पर इलाहाबाद उच्च न्यायालय की एकल पीठ के दो भिन्न आदेशों से विषम स्थिति पैदा होती है। इससे कानूनी भ्रांति की आशंका उपजी है। न्यायमूर्ति उमेशचन्द्र त्रिपाठी ने गत माह अपने महत्वपूर्ण निर्णय में कहा कि महज विवाह के लिए धर्म परिवर्तन करना अवैध है। न्यायमूर्ति त्रिपाठी (नियुक्त 27 सितम्बर 2013) ने कहा कि ऐसी शादी को कानूनी मान्यता नहीं दी जा सकती है। इस निर्णय के कुछ दिनों बाद (नवम्बर 2020) इलाहाबाद हाईकोर्ट में ही न्यायमूर्ति जहांगीर जमशेद मुनीर साहब, (नियुक्त 22 सितम्बर 2017) ने आदेश दिया कि 'विपरीत धर्मों के याचियों को अपनी मर्जी से कहीं भी किसी के साथ भी रहने का अधिकार है।' इसी बीच उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घोषणा कर दी कि 'प्रदेश में लव जिहाद के खिलाफ कानून बनाया जाएगा।' जौनपुर की आमसभा को संबोधित करते हुए योगीजी ने कहा कि ऐसे विषम धर्मावलम्बियों का विवाह अस्वीकार्य है।

उत्तर प्रदेश की ही तर्ज पर पड़ोसी मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान तथा हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहरलाल खट्टर ने भी 'लव जिहाद' वाले विवाह पर पाबंदी का ऐलान कर दिया। अन्य भाजपा शासित प्रदेशों का निर्णय प्रतीक्षित है। अपने निर्णय में न्यायमूर्ति महेश चन्द्र त्रिपाठी ने सर्वोच्च न्यायालय द्वारा 2014 में प्रदत्त 'नूरजहां उर्फ अंजलि मिश्र' वाले अंतर्धार्मिक शादी पर निर्णय का उल्लेख किया है। उच्चतम न्यायालय ने हिन्दू युवती (अंजलि) के मुस्लिम युवक से विवाह करने को गैर-कानूनी करार दिया। न्यायमूर्ति जहांगीर जमशेद मुनीर का निर्देश था कि बालिग लड़का व लड़की अपनी मर्जी से किसी भी व्यक्ति के साथ रह सकते हैं। उनके जीवन में हस्तक्षेप करने का किसी को अधिकार नहीं है। हालांकि संविधान प्रत्येक व्यक्ति को अपनी पसंद का धर्म अपनाने का अधिकार देता है। विशेष विवाह अधिनियम 1955 के तहत बिना धर्म बदले विपरीत धर्म को मानने वाले से शादी करके वैवाहिक जीवन बिता सकते हैं। यह कानून सभी धर्मों पर लागू है। इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति महेशचन्द्र त्रिपाठी के आदेश के बाद कोर्ट के दूसरे आदेश में भिन्न सिद्धांत दिया गया है। न्यायमूर्ति त्रिपाठी ने विपरीत धर्म के जोड़े की याचिका खारिज करते हुए याचिकाकर्त्ताओं को संबंधित मैजिस्ट्रेट के सामने बयान दर्ज कराने की छूट दी थी।

कानूनी डायरी
के. विक्रम राव

दरअसल, याची ने परिवार वालों को उनके शांतिपूर्ण वैवाहिक जीवन में हस्तक्षेप करने पर रोक लगाने की मांग की थी। इस मामले में अदालत ने विवाहित जोड़े की याचिका पर हस्तक्षेप करने से इंकार कर दिया। कोर्ट ने कहा है कि 'एक याची मुस्लिम तो दूसरा हिंदू है।' लड़की ने 29 जून 2020 को इस्लाम धर्म स्वीकार किया और एक महीने बाद 31 जुलाई को विवाह कर लिया। कोर्ट ने कहा कि रिकार्ड से साफ पता चल रहा है कि धर्म परिवर्तन महज शादी के लिए ही हुआ है। ऐसे में सिर्फ शादी के लिए धर्म परिवर्तन करना वैध नहीं है। अब न्यायिक प्रक्रिया तथा उत्तर प्रदेश विधानमंडल के लव-जिहाद कानून की उत्सुकता बनी रहेगी।

दैनिक सवेरा टाइम्स
सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक शीतल कुमार विज के स्वामित्व में, दैनिक सवेरा न्यूज एंड मीडिया नैटवर्क एस.-9, इंडस्ट्रीयल एरिया जालंधर से मुद्रित एवं एस.-9, इंडस्ट्रीयल एरिया जालंधर से प्रकाशित किया।
R.N.I. Regd. NO. PUNHIN/2011/40525
पोस्टल रजि. नं. PB-JL-058/17-19
फोन 0181-2370100, 4625005, 4626006, 4629009
समाचार (फैक्स) 0181-2224455
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा उनसे उत्पन्न समस्त विवाद जालंधर न्यायालय के अधीन होंगे।

दैनिक सवेरा टाइम्स

जालंधर, सोमवार, 23 नवम्बर 2020

आप सागर में समाई एक बूंद जैसे नहीं हो, बल्कि आप उस बूंद के जैसे हो जिसके अंदर सागर समाया है। –संत रूमी

देश के भाग्य-नियंताओं के दागदार चेहरे

देश की न्याय संहिता बताती है कि जब तक मुल्जिम को उसके अभियोग का दंड नहीं मिल जाता, तब तक वह अपराधी या मुजरिम नहीं कहलाता। इस परिपाटी का फायदा उठाकर देश की राजनीति के अखाड़े में बहुत से बाहुबली अपने दागों और अपराधों के आरोपों का बोझ ढोते हुए भी विभिन्न राज्यों की विधानसभाओं और देश की लोकसभा के लिए चुनाव दर चुनाव जीतते रहते हैं और यह कैसी विडम्बना है कि यह जनप्रतिनिधि जिन्हें जनहितों, जन कानून और जनसंविधान की सुरक्षा का दायित्व मिला है, वह खुद भी अपराधों के आरोपी ही नहीं, उनके चेहरे भी दागदार हैं। संसद और विधानसभाओं को ही नहीं बल्कि देश की राजनीति को भी इन दागदार छवियों वाले बाहुबलियों की कोई आवश्यकता नहीं। ऐसे लोग हमेशा अपने धाकड़पन से गलत कामों को सही कराने की फिराक में लगे रहते हैं और प्रायः कहा जाता है कि 'जब सैयां भये कोतवाल तो डर काहे का' नेता हैं तो गलत काम को सही करवा ही देंगे, सही को सही करवाने के लिए भला नेता की सहायता की क्या जरूरत? यह कैसी विडम्बना है कि हर वर्ष देश की राजनीति में अलग-अलग राज्यों से अनेकानेक स्कैंडल उभरते हैं जो मंत्रियों, मुख्यमंत्रियों, उनके नाती-पोतों या विपक्ष के नेताओं को भी नहीं बख्शते। बहुत बार चुनाव आयोग को कहा गया कि जिन पर आरोप हैं, उनको चुनाव लड़ने की मनाही हो लेकिन ऐसा होता नहीं। एक सरसरी नजर से देखें तो देश की संसद ही नहीं, अनेक राज्यों की विधानसभाओं में ऐसे दागदार चेहरे सत्ता का संचालन करते हुए नजर आ जाते हैं या सत्ता पाने के लिए जूझते नजर आते हैं।

उदाहरण हैं कि बाहुबलियों ने अपने अपराधों के निर्णय का इंतजार करते हुए जेल की हिरासत से चुनाव लड़े और जीते। ऐसे अपराधीकरण का धड़ल्ला आम लोगों तक भी पहुंचता है। इन जनप्रतिनिधियों के नजदीकी कई बार अलग-अलग शहरों में गुंडागर्दी और असामाजिक तत्वों को संरक्षण देते नजर आते हैं बल्कि कई बार तो यह कहा जाता है कि देश के असामाजिक और प्रदूषित वातावरण को और कलुषित करने के लिए माफिया गुटों, भ्रष्ट राजनेताओं और नैतिकताविहीन अफसरों की जुंडली काम करती है। लेकिन जब तक अपराधी की परिभाषा को बदला नहीं जाएगा, तब तक ऐसे आरोपी निःसंकोच नेतागिरी का चुनाव लड़ते रहेंगे, जीतते रहेंगे और पूरे सामाजिक और राजनीतिक वातावरण को दूषित करेंगे। अभी बिहार विधानसभा के चुनाव हुए। परिणामों के बाद चुने हुए जननेता ही नहीं बल्कि सरकार गठन तक में अपराधग्रस्त दागदार चेहरे सामने आते नजर आए। बिहार इलैक्शन वॉच और एसोसिएशन फॉर डैमोक्रेटिक रिफॉर्म्स यानी ए.डी.आर. ने हैरान करने वाला तथ्य दिया है। इनके ताजा अध्ययन के मुताबिक बिहार की इस विधानसभा में कुल 243 सदस्यों में से 142 अपराधिक पृष्ठभूमि के हैं। उस पर तुर्रा यह कि इनमें से 90 यानी 40 फीसदी जनप्रतिनिधि ऐसे हैं जिन पर हत्या, हत्या के प्रयास, साम्प्रदायिक वैमनस्य फैलाने, अपहरण और महिलाओं के खिलाफ अपराध जैसे संगीन मामले दर्ज हैं। 70 विधायक तो ऐसे हैं जिन पर आरोप भी तय हो चुके हैं। सिर्फ दंड घोषित करके इनके अपराधी बनने की देर है। यह तस्वीर एक ऐसे राज्य की है, जहां कांटे की लड़ाई लड़ी गई।

लेकिन इसमें से भी लोगों ने भारी तादाद में अपराधिक मनोवृति के प्रतिनिधि विधानसभा में भेज दिए। कुछ तो मंत्रिमंडल में भी शामिल हो गए। नई खबर है कि बिहार के नये मंत्रिमंडल का जो गठन सातवीं बार नितीश कुमार के नेतृत्व में हुआ, उसमें बिहार के शिक्षा मंत्री मेवा लाल चौधरी ने इस वीरवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया, क्योंकि उन पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप थे। विवाद गहराया तो मंत्री के तौर पर शपथ लेने के तीन दिन बाद ही इस्तीफा देना पड़ा। उन्होंने शिक्षा मंत्री का पदभार संभालने के बाद अपना इस्तीफा भेजा और उन पर बिहार कृषि विश्वविद्यालय भागलपुर में शिक्षकों और तकनीशियनों की नियुक्ति में कथित अनियमितताओं के पांच साल पुराने मामले के आरोप हैं। विसंगति यह कि वह इसी विश्वविद्यालय के कुलपति भी रहे हैं। बिहार के राज्यपाल फागू चौहान ने मुख्यमंत्री की सलाह पर निर्णय लिया। शिक्षा मंत्री का इस्तीफा स्वीकार कर लिया। विपक्षी दलों को मौका मिल गया कि वे एक भ्रष्ट व्यक्ति को शामिल करने के लिए मुख्यमंत्री पर निशाना साधें लेकिन इस हमाम में तो, सभी नंगे हैं। दागी व्यक्तियों का यह नेतृत्व देश में कब एक स्वच्छ छवि को प्राप्त कर सकेगा? इसके बारे में तो अभी दिवास्वप्न ही देखा जा सकता है। **–शीतल विज**

भारत रिश्वतखोरी तालिका की ऊंची सीढ़ी पर

अभी-अभी सन् 2020 का व्यापार और रिश्वत जोखिमों की एक वैश्विक सूची आई है। इसमें रिश्वतखोरी के चार कारक ईमानदारी के अंकों को निर्धारित करते हैं। पहला सरकार के साथ व्यापारिक बातचीत, दूसरा रिश्वत के कितने प्रतिरोधक और प्रवर्तन हैं और वे कितने प्रभावी हैं? तीसरा सरकार और सिविल सेवा में कितनी पारदर्शिता है तथा मीडिया की भूमिका सहित नागरिक संगठन निगरानी कितनी सक्षम है। यह दुर्भाग्य की बात है कि भारत इन सभी प्रतिमानों पर खरा नहीं उतरा और 2020 की सूची में उसे 100 में से केवल 45 अंक प्राप्त हुए हैं। दुनिया के कम से कम 76 देश ऐसे हैं जो भारत से अधिक ईमानदार हैं।

दुनिया के कुल 194 देशों, क्षेत्रों या स्वायत्त और अर्द्धस्वायत्त देशों सबको चुना गया और इसमें डेनमार्क, नार्वे, फिनलैंड, स्वीडन और न्यूजीलैंड ऐसे देश निकले जो सबसे ईमानदार थे और उत्तर कोरिया, दक्षिणी सूडान, वेनेजुएला, तुर्कमेनिस्तान इत्यादि ऐसे देश थे, जहां भारत से भी अधिक रिश्वतखोर हैं। भारत की विडम्बना यह कि 2019 में भारत रिश्वतखोरी में 78वें स्थान पर था, इस बार 77वें पर आ तो गया परन्तु उसके ईमानदारी के अंक 48 से कम होकर 45 हो गए। यह अपने आप में सोचने की बात है कि भूटान ने इसमें 48वां स्थान प्राप्त किया और चीन ने भी अपनी स्थिति को आगे से बेहतर बना लिया, नौकरशाही में सुधार करके लोक अधिकारियों के रिश्वत मांगने में कमी पैदा करके। अब इस बात से कैसे संतोष कर लें कि पाकिस्तान, चीन, नेपाल और बंगलादेश अभी भी भारत के मुकाबले अधिक रिश्वतखोरी से ग्रस्त हैं।

लेकिन मुकाबला तो ईमानदारी और उसके बढ़ने का होना चाहिए। रिश्वतखोरी का अर्थ होता है लालफीताशाही और नौकरशाही। इसका अर्थ यह भी है कि देश में कमीशनखोरों और दलालों का बोलबाला है और लोगों का कोई भी काम सीधे-सादे नियमानुसार नहीं हो पाता। ऐसी खाक देश का आम आदमी अलग-अलग दफ्तरों में आम तौर पर छानता नजर आ सकता है। अब दुनिया का रिश्वत जोखिम सूचकांक भी यही प्रमाणित कर रहा है तो ये आंकड़े क्या देश के भाग्यनियंताओं की आंखें खोलने के लिए काफी नहीं है, कि वे केवल भ्रष्टाचार उन्मूलन के नारे ही न लगाएं बल्कि उसका उन्मूलन करने के लिए ठोस कदम भी उठाएं? **–शीतल विज**

Email: letter2editor@dainiksaveratimes.net

चीन के बदले सुर, लेकिन भारत को सतर्क रहना होगा

भारत को कोई ऐसी व्यवस्था भी करनी होगी जिससे एल.ए.सी. पर हर समय निगरानी रखी जा सके।

नौशाबा परवीन

पिछले दिनों चीन और भारत के कोर कमांडरों की 8वीं बैठक के बाद फैसला हुआ कि आगामी भयानक शीत से पहले चीन और भारत के निगरान दल अपने चौकसी मोर्चों से पीछे हट जाएं। चीन नई दिल्ली से पुराने रिश्ते बहाल करना चाहता है लेकिन फैसले को ईमानदारी से लागू करने पर ही नया दोस्ताना माहौल पैदा हो सकता है। कह रही हैं **नौशाबा परवीन**

वास्तविक नियंत्रण रेखा (एल.ए.सी.) पर, विशेषकर लद्दाख में, चीन के साथ जो मई से टकराव चल रहा था और गतिरोध बना हुआ था, उसका समाधान सात चक्र की कोर कमांडर स्तर की वार्ताओं के बाद भी इसलिए नहीं निकल पाया था, क्योंकि बीजिंग अपनी जिद पर इस हद तक अड़ा हुआ था कि किसी भी सूरत में टस से मस होने के लिए तैयार नहीं था। चीन किसी भी 'समझौते' से पहले यह शर्त लगाए हुए था कि भारत रेजांग ला की पहाड़ी ऊंचाइयों व अन्य क्षेत्रों से अपनी फौज हटाए या दोनों पार्टियां एक-दूसरे से 'हाफ वे' (बीच में) मिलें। लेकिन 6 नवम्बर को भारत व चीन के बीच जो कोर कमांडर स्तर की आठवें चक्र की वार्ता हुई तो उसमें बीजिंग के सुर बदले हुए नजर आए। इस वार्ता की जो रिपोर्ट्स सामने आई हैं, उनसे मालूम होता है कि दोनों देशों ने कुछ प्रस्तावों को अंतिम रूप दिया है, जिनके तहत पैंगोंग झील क्षेत्र में फिंगर 4 से 8 तक टैंक, सशस्त्र वाहन व सैनिकों को हटा लिया जाएगा।

नई दिल्ली व बीजिंग इन प्रस्तावों पर विचार कर रहे हैं, जिसका अर्थ यह है कि अभी कोई निर्णय नहीं लिया गया है, लेकिन फिर भी यह पिछली स्थिति की तुलना में सुधार है। यह प्रश्न प्रासंगिक है कि चीन अपने अड़ियल रवैये में परिवर्तन क्यों लाया है? चीन हमेशा दीर्घकालीन योजना बनाता है, इसलिए यह संभव है कि अपने वर्तमान लद्दाख प्रस्ताव से वह किसी रणनीति के तहत समय व राहत ले रहा हो। चीन ने हाल के दिनों में अरुणाचल प्रदेश व एल.ए.सी. पर अन्य जगह भी लचीला रुख अपनाया है, जिससे उसकी नीयत व इरादों पर शक होने लगता है। यही वजह है कि नई दिल्ली को अपनी सतर्कता यथावत बनाए रखनी चाहिए क्योंकि किसी भी सूरत में लापरवाही व ढिलाई की कोई गुंजाइश नहीं है। बहरहाल, इस बात को भी समझने की जरूरत है कि बीजिंग ने अचानक अपने सुर क्यों बदले हैं, भले ही वह कुछ समय के लिए ही क्यों न हों? इसके कारण राजनीतिक भी हैं और ऑपरेशनल भी। हालांकि अमरीका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से चीन का 36 का आंकड़ा ही रहा, खासकर व्यापार मामलों को लेकर, लेकिन यह सोचने की बात है कि राष्ट्रपति चुने गये जो बाइडेन को उसने बहुत देर से बधाई दी। जबकि अमरीका के राष्ट्रपति चुनाव में जो बाइडेन की जीत का स्वागत करने में अमरीका के सहयोगी देशों जैसे इंगलैंड, कनाडा, जर्मनी, फ्रांस, जापान, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण कोरिया व भारत ने इस संबंध में तेजी दिखलाई और मिलकर चीन की चुनौती का सामना करने के लिए वायदा किया। बहरहाल चीन को एहसास हो गया है कि उससे स्थिति की सही समीक्षा करने में चूक हो गई है, ट्रांसअटलांटिक अलायंस में कोई फूट नहीं है। ऐसे में उसे डिप्लोमैटिक अकेलेपन का खतरा महसूस होने लगा था, तभी उसने देर से सही बाइडेन को बधाई दी और भारत के साथ लचीला रुख अपनाने का संदेश दे रहा है। चीन ने अमरीका के साथ अपने रिश्ते में जो अलग-थलगपन महसूस किया है, उससे उसे लगता है कि नई दिल्ली से पुराने रिश्ते फिर से बहाल करना

संभव है और इस तरह डिप्लोमैटिक अकेलेपन से काफी हद तक बचा जा सकता है। दूसरा यह कि अक्टूबर में चीन का फैक्ट्री आउटपुट अनुमान से भी अधिक हुआ है, ऐसे में अगर वह डिप्लोमैटिक अकेलेपन का शिकार हो जाता है तो उसका कुप्रभाव उसकी अर्थव्यवस्था पर भी पड़ना लाजिमी है। निष्कर्ष यह कि चीन भारत जैसे बड़े बाजार को फिर से अपने पाले में लाना चाहता है।

वैसे भी फिंगर 4 से 8 पर कब्जा करने से चीन को जो लाभ की स्थिति मिली थी, वह किसी काम की इसलिए नहीं रही; क्योंकि भारत ने ऊंची पहाड़ियों पर अपनी फौज तैनात कर दी है, जहां से वह चीनी पोजीशनों पर खास निगाह रख सकता है। इन्हीं कारणों के चलते चीन अब एशियन देशों के प्रति भी नर्म रुख अपना रहा है। अब वह कह रहा है कि साउथ चाइना सी में आपसी व्यवहार को नियमित करने के लिए कोड ऑफ कंडक्ट को जल्दी से अंतिम रूप दे देना चाहिए। गौरतलब है कि इस मुद्दे पर 2013 से कोई प्रगति नहीं हुई थी। दरअसल, चीन यह दिखाना चाहता है कि वह अकेला नहीं है और आपसी बातचीत से विवादों को हल कर सकता है व एशिया के अन्य देशों के साथ मिलकर काम कर सकता है। ताइवान के प्रति भी चीन की लफ्फाजी में नरमी आ गई है और वह बाइडेन टीम से बैकचैनल वार्ता के भी प्रयास में है। इस पृष्ठभूमि में नई दिल्ली को क्या करना चाहिए? सबसे पहले तो वह चीन की हठधर्मी के विरुद्ध सीना तानकर खड़ी रहे यानी किसी भी हाल में कमजोर स्थिति में पहुंचने की जरूरत नहीं है; क्योंकि चीन ताकत का सम्मान करता है। ध्यान रहे कि चीन के नजरिए में उस समय बदलाव आना शुरू हुआ, जब हमारे बहादुर जवानों ने पैंगोंग झील के दक्षिण किनारे की ऊंची पहाड़ियों पर कब्जा करना आरंभ किया। दूसरा यह कि नई दिल्ली ट्रम्प को भूलकर अब बाइडेन कैंप से रिश्ते मजबूत करे क्योंकि अमरीका को दोस्त रखने से चीन की अकड़ में कमी आ जाती है। साथ ही नई दिल्ली को बेहतर अवसर की प्रतीक्षा करनी चाहिए, जिसका अर्थ यह है कि जल्द किसी नतीजे की उम्मीद न करे।

हालांकि फिलहाल नई दिल्ली कोर कमांडर स्तर की आठवें चक्र की वार्ता में आए प्रस्तावों पर विचार कर रही है, लेकिन उसे इस बात पर कायम रहना चाहिए कि चीन सभी सैक्टर्स में न सिर्फ 20 अप्रैल की पोजीशन पर लौटे बल्कि यह जांचने व सुनिश्चित करने का कोई भरोसेमंद तरीका भी तय किया जाए। साथ ही भारत को कोई ऐसी व्यवस्था भी करनी होगी जिससे एल.ए.सी. पर हर समय निगरानी रखी जा सके ताकि भविष्य में किसी भी घुसपैठ के विरुद्ध त्वरित कार्यवाही की जा सके। भारत ऐसी लोकेशंस पर अपनी तैयारी रखे, जहां से सैनिकों को जल्दी व आसानी से चीन की आशंकित घुसपैठ को रोकने के लिए भेजा जा सके। इसमें कोई दो राय नहीं हैं कि भारत व चीन के नजरिए में जबरदस्त अंतर है, दोनों की सैन्य शक्तियों में भी असमानता है और दोनों के बीच लम्बी एल.ए.सी. अभी सीमा के रूप में निर्धारित नहीं हुई है, इसलिए वर्तमान तनावपूर्ण शांति के बावजूद यह कहना गलत न होगा कि भारत-चीन का टकराव लम्बा चलने वाला है और चूंकि अपनी 14वीं पंचवर्षीय योजना में चीन ने 2027 तक अपनी सेना का अमरीकी सेना के बराबर आधुनिकीकरण करना तय किया है, इसलिए भविष्य में चीन से कोई भी सैन्य टकराव अधिक कठिन होगा। ऐसे में नई दिल्ली के पास बस यही विकल्प है कि सतर्क रहे और अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत करे ताकि सेना का आधुनिकीकरण संभव हो सके।

जनहित की अनदेखी, सरकारी आदेशों की धज्जियां

प्रो. लक्ष्मीकांता चावला

आजादी के बाद आम नागरिक इस विश्वास के साथ हिंदुस्तान में कार्य कर रहा है कि लोकतांत्रिक ढंग से चुनी गई सरकार जनता की आवश्यकताओं, सामाजिक परंपराओं और जीवन की कठोर सच्चाइयों को सामने रखते हुए ही अपने लोगों के लिए कानून बनाएगी और जनता को कम से कम दंडित करते हुए ऐसे आदर्श उदाहरण सरकार और सरकारी प्रस्तुत करेंगे जिससे हर व्यक्ति सही जीवन व्यतीत करे। नेक नागरिकों को कानून का भय न हो, कानून के संरक्षण में हर नागरिक निर्भय होकर अपना कार्य करे। इन वर्षों में कुछ ऐसी घटनाएं हो गईं जिसे देखकर यह लगता है कि सरकार को देश के हर वर्ग के नागरिकों की कोई चिंता नहीं। देश की राजधानी दिल्ली और प्रदेशों की राजधानियों के सुखद कार्यालयों और आवासों में बैठे हुए उच्चाधिकारी तथा जनप्रतिनिधि यह भूल जाते हैं कि जिनके लिए कानून बनाए जा रहे हैं, क्या वे इसका पालन करने में समर्थ हैं? इसका बोझ भी उठा सकते हैं?

उनकी दैनिक, शारीरिक, मानसिक आवश्यकताओं की पूर्ति करने में यह कानून सहायक होंगे या उनके मेहनत से बनाए जीवन के ढांचे को भी अस्त व्यस्त कर देंगे? हमारी सरकार वर्षों से किसानों को पराली न जलाने के लिए कह रही है। बहुत से जागरूक किसानों ने पराली को नई फसल के लिए ताकत भी बना लिया। बहुत से किसान सरकार से यह मांग करते रहे कि पराली को जलाए बिना सब्जी की बिजाई करने के लिए जो मशीनी उपकरण चाहिए वह सरकारी मदद के बिना खरीदे नहीं जा सकते इसलिए सरकार सहायता दे या प्रति एकड़ आर्थिक मदद दे। यह सब तो सरकार कर नहीं सकी और 'मरे को मारे शाह मदार' की नीति पर चलते हुए एन.जी.टी. को यह काम सौंपा और प्रदूषण न फैले इसके लिए पराली जलाने वालों पर अधिकतम एक करोड़ रुपये का आर्थिक दंड तथा पांच वर्ष तक के लिए जेल भेजने का प्रावधान बनाने की तैयारी कर ली। ऐसा लगता है कि कभी एक धृतराष्ट्र ने हमारे सांस्कृतिक सामाजिक जीवन को तबाह किया था। महाभारत में पचास लाख से ज्यादा लोग देश के विद्वान, वीर, बड़े-बड़े शासक सब मारे गए, क्योंकि शासक किसी की सुनता नहीं था। आज भी जब ये पराली जलाने वालों के लिए दंड व्यवस्था की घोषणा हुई तो कृषक समाज के साथ ही सभी सहृदय नागरिक सन्न रह गए। दुखद आश्चर्य यह है कि हमारी सरकारों के पास दूरदर्शिता शायद है ही नहीं। अगर सरकारें थोड़ी भी संवेदनशील हों। बहुत ज्यादा नहीं मगर एक दो वर्ष आगे का सोचा भी लें तब यह स्थिति पैदा नहीं होती जो आज हो रही है। इस समय दो समस्याएं सामने हैं। कोरोना और पराली जलाकर प्रदूषण का फैलना।

खरी-खरी

तीसरा बड़ा कारण दीपावली के त्यौहार पर पटाखे चलाने से रोकना। अब सरकार यह बताए कि क्या अचानक सितंबर-अक्टूबर में ही पता चलता है कि किसान पराली जलाएगा। कानून बनाया जाए, चालान किए जाएं, पराली न जलने दी जाए, डंडे के बल पर या आर्थिक दंड के बल पर। धरती धान हर वर्ष ही देती है। इस वर्ष तो पंजाब ने धान उत्पादन के सारे रिकार्ड ही तोड दिए। देश और प्रदेश को चलाने वाली सरकारें बहुत समय पहले ही यह योजना क्यों नहीं बनातीं कि किस तरह किसानों को इतना समर्थ बना दिया जाए कि वे पराली न जलाने के लिए स्वयमेव ही तैयार हों? जो कृषि उपकरण खेतों को पुनः बिजाई के लिए तैयार करने के लिए चाहिए वे गरीब किसानों के लिए पंचायतों में सामुदायिक स्तर पर ही क्यों न उपलब्ध करवाएं। अब तो पराली जलाने वालों के लिए उस आर्थिक दंड की घोषणा कर दी जो दंड दुनिया में शायद कहीं नहीं। और जो एक करोड़ रुपया आर्थिक दंड की योजना सरकार ने बना ली है वह पराली जलाने वालों को आर्थिक दंड नहीं उन्हें मिटाने की योजना है। इसके साथ ही हर वर्ष दीपावली पर पटाखे चलते हैं, पर पटाखों के प्रदूषण की चिंता इन सरकारों को दीपावली से दो सप्ताह पहले ही होती है। वैसे दीपावली के अतिरिक्त विवाह शादियों में, धार्मिक त्यौहारों में, चुनावी जीत के जश्नों में तथा अन्य कई अवसरों पर पटाखे, आतिशबाजी चलती है। दशहरे की आतिशबाजी तो हिंदुस्तान के हर कोने में देखने के लिए लोग उमड़ते हैं।

जब देश के कारखानों में खूब पटाखे बन गए, व्यापारी पूरा माल खरीदकर दुकानें सजाकर कमाई के लिए दीपावली से पहले ही तैयार हो गए, उस समय अचानक यह आदेश मिलता है कि कोरोना की बीमारी को प्रदूषण बढ़ा सकता है। अब इन फाइलों और एयरकंडीशंड में बंद अधिकारियों तथा मंत्रियों से पूछा जाए कि कोरोना तो पिछले दस महीनों से भारत में तबाही मचा रहा है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ और सरकारी तंत्र लगातार यह कह रहा था कि शीघ्र ही कोरोना से छुटकारा मिलने वाला नहीं। वैक्सीन के बिना इसका इलाज नहीं। जिस समय कोरोना की महामारी फैली उसी समय यह क्यों नहीं सोचा गया कि 2020 और उसके बाद भी जब तक यह महामारी नियंत्रण में न आ जाए, पटाखों का प्रदूषण नहीं फैलना चाहिए। पटाखे नहीं चलने चाहिए। पटाखे चलाने की सरकारी निषेद्याज्ञा के बाद भी दंड घोषित करने के साथ भी पटाखे खूब चले। केवल दिल्ली में पूरी तरह पाबंदी रही। आसपास की सरकारों ने तो नाक बचाने के लिए या पटाखे चलवाने के लिए दो घंटे की छूट दे दी।

उसके बाद ऐसा कौन सा तंत्र होगा जो घडी में दस बजते ही पटाखों पर फुलस्टॉप लगा देता या जनता इतनी आज्ञाकारी की स्वयं ही इस खेल को रोक देती। मुझे ऐसा लगता है कि कोई भी सूझवान शासकीय या प्रशासकीय प्रबंध जनता से सीधे जुड़े पराली और पटाखों के विषय में सोचता ही नहीं। केवल घोषणाएं करते हैं, दंड तय करते हैं, जेल की चर्चा भी कर देते हैं। पुरानी बात नहीं जब ढोल बजा-बजाकर सरकारों ने कहा पालीथिन बंद कर दो, पर जब पालीथिन के लिफाफे बनाने की मशीनें घर-घर में लगवाने, उसके लिए आर्थिक साधन देने के प्रबंध स्वयं सरकार ने करवाए थे, लोगों को रोजगार देने का यह एक कारगर काम माना था उस समय यह क्यों नहीं सोचा कि पॉलीथिन के लिफाफों का प्रयोग स्वास्थ्य के लिए अच्छा नहीं। शायद सोचना सरकारों का काम नहीं और भुगतना जनता की किस्मत में लिखा है। एक प्रश्न राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण से भी है कि आखिर कौन सा न्याय है पराली प्रदूषण के लिए एक करोड़ का जुर्माना और पांच वर्ष से ज्यादा का दंड? काश! ये जनप्रतिनिधि उस जगह खड़े होकर सोचें जिस जगह से यह जनता से जनप्रतिनिधि बने हैं, आम से खास बने हैं अन्यथा देश में जो आक्रोश फैल रहा है भविष्य में फैलेगा, वह देश और समाज की सेहत के लिए कभी भी हितकारी नहीं है।

-feature.dainiksavera@gmail.com

बाइडेन की जीत का मतलब बराक ओबामा की वापसी

बदलता परिवेश

सज्जाद हैदर

अमरीका की राजनीति में तेजी के साथ बदलते हुए समीकरण ने बहुत कुछ शांत शब्दों में संदेश दे दिया जिसे समझने की आवश्यकता है। अमरीका के चुनाव में जिस प्रकार से डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी भरपूर ताकत लगाई, वह भी जगजाहिर है। जो बाइडेन लगातार चुनाव में शांति, प्रेम एवं सभ्यता के साथ चुनावी मैदान में उतरे हुए थे जिससे मतदाताओं का आकर्षण जो बाइडेन की ओर बहुत ही तेज गति से हुआ जिससे कि अमरीका में जो बाइडेन के पक्ष में एक बड़ा सार्थक माहौल बना। जो बाइडेन की जीत के पीछे एक बड़ा नाम है जो पर्दे के पीछे पूरी तरह से बहुत ही मजबूती के साथ खड़ा था।

जो बाइडेन को व्हाइट हाउस पहुंचाने में अमरीका की एक बड़ी ताकत पर्दे के पीछे लगी हुई थी। यदि शब्दों को बदल कर कहा जाए तो शायद गलत नहीं होगा कि जो बाइडेन का नाम आगे था लेकिन काम किसी और का था। बता दें कि इस पर्दे के पीछे कोई और नहीं बल्कि विश्व का जाना-पहचाना चेहरा एवं बेदाग छवि के पूर्व अमरीकी राष्ट्रपति बराक ओबामा लगे हुए थे जिन्होंने बहुत ही मजबूती के साथ पूरे चुनाव को हैंडल करते हुए मतदाताओं को अपने नाम पर जो बाइडन के पक्ष में मतदान करने को प्रेरित किया। बराक ओबामा अमरीका की वह शख्सियत हैं जिनके ऊपर अफ्रीकी मूल के सभी निवासी एवं पीड़ित तथा प्रताड़ित लोग एवं अश्वेत समुदाय आंख बंद करके पूरी तरह से भरोसा करता है। इसी कारण बराक ओबामा के एक आह्वान पर पूरे अमरीका की सियासी हवा बदल गई और ट्रंप चारों खाने चित हो गए। बराक ओबामा ने पूरे चुनावी समीकरण को अपने हाथ में रखा और सभी बारीकियों को ध्यान से देखते हुए सभी मोर्चे को संभालते रहे जिससे कि बाइडेन की जीत संभव हो सकी।

जो बाइडेन को आगे कर बराक ओबामा ने एक बार फिर व्हाइट हाउस के अंदर अप्रत्यक्ष रूप से अपनी दावेदारी प्रस्तुत कर दी। यह अलग बात है कि बराक ओबामा साक्षात रूप से कोई नीति नहीं बनाएंगे लेकिन इस बात से इंकार कदापि नहीं किया जा सकता कि अब व्हाइट हाउस की कोई भी नीति बराक ओबामा की अनुमति के बगैर निकल पाएगी, ऐसा कदापि नहीं हो सकता। यदि शब्दों को बदल कर कहा जाए तो अब एक बार फिर से अमरीका की सत्ता बराक के हाथों में आ गई है। भारत की दृष्टि से डैमोक्रेट उम्मीदवार जो बाइडेन को भारत का हिमायती समझा जाता रहा है उनके राष्ट्रपति चुने जाने के बाद भारत-अमरीकी संबंधों के और प्रगाढ़ होने की संभावना है क्योंकि बराक ओबामा के राष्ट्रपति रहने के दौरान बाइडेन उप-राष्ट्रपति रहे हैं।

प्रेरक प्रसंग

गुणवान की कद्र

कुछ व्यापारी जल मार्ग से दूसरे देशों में माल बेचने निकले। दिशा बताने वाले कौवे को भी साथ ले गए। दिशा ज्ञान के लिए कौवे का साथ जरूरी था। जिस देश वे पहुंचे वहां पक्षी नहीं होते थे। जिसने भी कौवे को देखा उसकी प्रशंसा करने लगा। कोई कहता-'इसकी चमड़ी मक्खन सी चिकनी है। आह! कैसा चटक रंग है। सुराही-सी लम्बी चोंच है और आंखें तो मणि की तरह चमचमा रही हैं। 'मित्र यह पक्षी हमें दे दो। तुम्हें तो ऐसा दूसरा पक्षी मिल जाएगा।' एक नगरवासी ने कहा। व्यापारी बोले,'यह हमारे बहुत काम का है मगर मित्रता के नाते हम तुमको दे देते है।' सौ सोने के सिक्कों के बदले में कौवे को दे दिया गया।

नगरवासियों ने उसे सोने के पिंजरे में रखा और प्यार से पालने लगे। कौवा इतना आदर देख फूला न समाता। दूसरी बार व्यापारी उसी देश में फिर गए और इस बार अपने साथ एक सुन्दर मोर लेकर गए जो ताली बजाने पर रंग-बिरंगे पंख फैलाकर नाचने लगता। उसे देखने सारा नगर उमड़ पडा। भीड़ देखकर मोर उल्लास से भर उठा। सुंदर मोर का नृत्य देख नगरवासी मुग्ध हो गए और बोले,'मित्रो यह बड़ा सुन्दर पक्षी है। इसे हमें दे दो।' हम कौवा लेकर आये, तुमने ले लिया। अब मोर लेकर आए तो उसे भी लेना चाहते हो।' लोग बोले,'मित्रो तुम्हें तो अपने राष्ट्र में दूसरा मिल जाएगा।' व्यापारी तो व्यापारी ठहरे, उन्होंने उनकी ऐसी मांग देख मोर को एक हजार स्वर्ण सिक्कों के बदले में दे दिया। मोर के लिए कौवे से भी ज़्यादा सुन्दर सात रत्नों का पिंजरा बनवाया। उसे फल और मीठा शर्बत खिला-पिलाकर पाला जाने लगा। अब कौवे के बुरे दिन आ गये। उसकी तरफ अब कोई देखता भी नहीं था। कौवे के भूखा मरने की नौबत आ गई। सत्य है गुणवान के सामने बेगुण की कोई कद्र नहीं होती।

लव जिहाद पर कानूनी मतभेद

हिंदू युवती का मुस्लिम युवक से विवाह की वैधता पर इलाहाबाद उच्च न्यायालय की एकल पीठ के दो भिन्न आदेशों से विषम स्थिति पैदा होती है। इससे कानूनी भ्रांति की आशंका उपजी है। न्यायमूर्ति उमेशचन्द्र त्रिपाठी ने गत माह अपने महत्वपूर्ण निर्णय में कहा कि महज विवाह के लिए धर्म परिवर्तन करना अवैध है। न्यायमूर्ति त्रिपाठी (नियुक्त 27 सितम्बर 2013) ने कहा कि ऐसी शादी को कानूनी मान्यता नहीं दी जा सकती है। इस निर्णय के कुछ दिनों बाद (नवम्बर 2020) इलाहाबाद हाईकोर्ट में ही न्यायमूर्ति जहांगीर जमशेद मुनीर साहब, (नियुक्त 22 सितम्बर 2017) ने आदेश दिया कि 'विपरीत धर्मों के याचियों को अपनी मर्जी से कहीं भी किसी के साथ भी रहने का अधिकार है।' इसी बीच उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घोषणा कर दी कि 'प्रदेश में लव जिहाद के खिलाफ कानून बनाया जाएगा।' जौनपुर की आमसभा को संबोधित करते हुए योगीजी ने कहा कि ऐसे विषम धर्मावलम्बियों का विवाह अस्वीकार्य है।

उत्तर प्रदेश की ही तर्ज पर पड़ोसी मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान तथा हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहरलाल खट्टर ने भी 'लव जिहाद' वाले विवाह पर पाबंदी का ऐलान कर दिया। अन्य भाजपा शासित प्रदेशों का निर्णय प्रतीक्षित है। अपने निर्णय में न्यायमूर्ति महेश चन्द्र त्रिपाठी ने सर्वोच्च न्यायालय द्वारा 2014 में प्रदत्त 'नूरजहां उर्फ अंजलि मिश्र'

कानूनी डायरी

के. विक्रम राव

वाले अंतर्धार्मिक शादी पर निर्णय का उल्लेख किया है। उच्चतम न्यायालय ने हिन्दू युवती (अंजलि) के मुस्लिम युवक से विवाह करने को गैर-कानूनी करार दिया। न्यायमूर्ति जहांगीर जमशेद मुनीर का निर्देश था कि बालिग लड़का व लड़की अपनी मर्जी से किसी भी व्यक्ति के साथ रह सकते हैं। उनके जीवन में हस्तक्षेप करने का किसी को अधिकार नहीं है। हालांकि संविधान प्रत्येक व्यक्ति को अपनी पसंद का धर्म अपनाने का अधिकार देता है। विशेष विवाह अधिनियम 1955 के तहत बिना धर्म बदले विपरीत धर्म को मानने वाले से शादी करके वैवाहिक जीवन बिता सकते हैं। यह कानून सभी धर्मों पर लागू है। इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति महेशचन्द्र त्रिपाठी के आदेश के बाद कोर्ट के दूसरे आदेश में भिन्न सिद्धांत दिया गया है। न्यायमूर्ति त्रिपाठी ने विपरीत धर्म के जोड़े की याचिका खारिज करते हुए याचिकाकर्त्ताओं को संबंधित मैजिस्ट्रेट के सामने बयान दर्ज कराने की छूट दी थी।

दरअसल, याची ने परिवार वालों को उनके शांतिपूर्ण वैवाहिक जीवन में हस्तक्षेप करने पर रोक लगाने की मांग की थी। इस मामले में अदालत ने विवाहित जोड़े की याचिका पर हस्तक्षेप करने से इंकार कर दिया। कोर्ट ने कहा है कि 'एक याची मुस्लिम तो दूसरा हिंदू है।' लड़की ने 29 जून 2020 को इस्लाम धर्म स्वीकार किया और एक महीने बाद 31 जुलाई को विवाह कर लिया। कोर्ट ने कहा कि रिकार्ड से साफ पता चल रहा है कि धर्म परिवर्तन महज शादी के लिए ही हुआ है। ऐसे में सिर्फ शादी के लिए धर्म परिवर्तन करना वैध नहीं है। अब न्यायिक प्रक्रिया तथा उत्तर प्रदेश विधानमंडल के लव-जिहाद कानून की उत्सुकता बनी रहेगी।

दैनिक सवेरा टाइम्स

सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक शीतल कुमार विज के स्वामित्व में, दैनिक सवेरा न्यूज एंड मीडिया नैटवर्क एस.-9, इंडस्ट्रीयल एरिया जालंधर से मुद्रित एवं एस.-9, इंडस्ट्रीयल एरिया जालंधर से प्रकाशित किया।

R.N.I. Regd. NO. PUNHIN/2011/40525

पोस्टल रजि. नं. PB-JL-058/17-19

फोन 0181-2370100, 4625005, 4626006, 4629009

समाचार (फैक्स) 0181-2224455

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा उनसे उत्पन्न समस्त विवाद जालंधर न्यायालय के अधीन होंगे।

वाशिंगटन : भारतवंशी लोग स्थानीय नदी के किनारे छठ पूजा का त्यौहार पारंपरिक विधि-विधान से मनाते हुए।

अमरीका में भी की गई छठ पूजा

वाशिंगटन : भारतवंशी लोग स्थानीय नदी के किनारे छठ पूजा का त्यौहार पारंपरिक विधि-विधान से मनाते हुए।

पाकिस्तानी सेना ने गुलाम कश्मीर के नागरिक क्षेत्रों में की तोपों की तैनाती

निर्वासित नेता अमजद अयूब मिर्जा ने किया ट्वीट

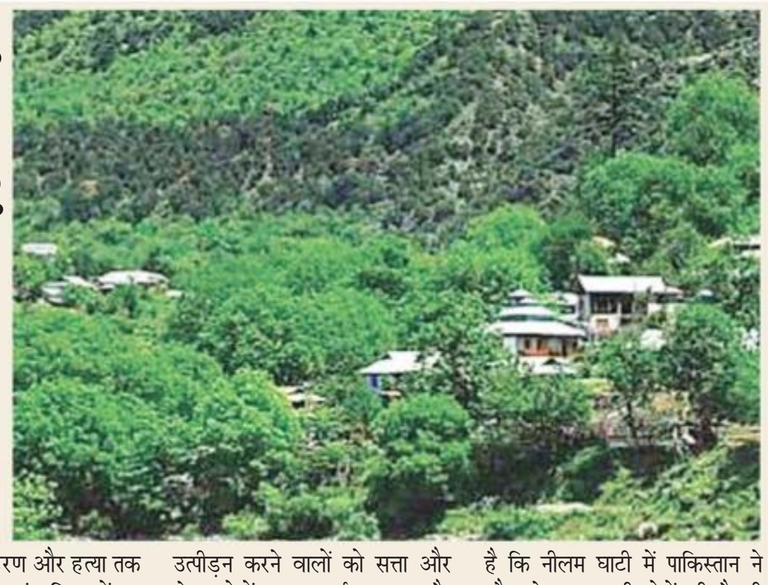

लंदन, 22 नवंबर (इं.): गुलाम कश्मीर में पाकिस्तानी फौजों का उत्पीड़न चरम पर है। यहां के निर्वासित नेता अमजद अयूब मिर्जा ने ट्वीट किया कि पाक की फौज ने नीलम घाटी के नागरिक क्षेत्रों में भारी तोपों को तैनात कर दिया है। यहीं से भारत के सीमावर्ती क्षेत्रों में पाकिस्तान गोलाबारी करता है। उन्होंने आरोप लगाया कि यहां के युवाओं को पाक फौज भारत के खिलाफ आतंकवादी बनने को मजबूर करती है। उनकी बात न मानने वालों का उत्पीड़न, अपहरण और हत्या तक कर दी जाती है। यहां महिलाओं पर अत्याचार भी सभी सीमाओं को पार कर गया है। इसके विरोध में निरंतर प्रदर्शन हो रहे हैं, जिन्हें बेरहमी से कुचलने का प्रयास किया जा रहा है। उत्पीड़न करने वालों को सत्ता और सेना दोनों का समर्थन रहता है। पाकिस्तान की सरकार यहां पर स्थानीय लोगों की समस्याओं को हल करने में नहीं, राजनीतिक उद्देश्यों को पूरा करने में पूरी ताकत लगाती है। उल्लेखनीय है कि नीलम घाटी में पाकिस्तान ने फौज के साथ भारी तोपों की तैनाती कर जम्मू-कश्मीर के सीमावर्ती क्षेत्र में निरंतर गोलाबारी की जा रही है। नागरिक क्षेत्रों में तोपों की तैनाती भी उसकी रणनीति का हिस्सा है।

फैडरल जज ने पैंसिलवेनिया में ट्रंप अभियान के मुकद्दमे को खारिज किया

वाशिंगटन, 22 नवंबर (एजैंसी): अमरीका में एक संघीय न्यायाधीश ने देश के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अभियान की ओर से पैंसिलवेनिया में दायर उस मुकद्दमे को खारिज कर दिया है, जिसमें लाखों मतों को अवैध घोषित करने की मांग की गई थी। न्यायाधीश ने कहा कि आरोप अटकलों पर आधारित हैं। यू.एस. मिडल डिस्ट्रिक्ट ऑफ पैंसिलवेनिया के न्यायाधीश मैथ्यू ब्रान ने ट्रंप अभियान का अनुरोध शनिवार को खारिज कर दिया, जिससे तीन नवंबर को हुए चुनाव के परिणामों को चुनौती देने के राष्ट्रपति ट्रंप के प्रयासों को खासा झटका लगा है। राष्ट्रपति चुनाव में डैमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार जो बाइडेन विजयी रहे हैं। न्यायाधीश ब्रान ने कुछ दिन पहले आरोप लगाया था कि उन्हें फोन कॉल करके परेशान किया जा रहा है। उन्होंने अपने फैसले में कहा कि ट्रंप अभियान ने 'तोड़-मरोड़ कर और बिना आधार के कानूनी दलीलें' पेश कीं और अटकलों पर आधारित आरोपों के समर्थन में सबूत पेश नहीं किए। ट्रंप अभियान ने मतदान प्रक्रिया में अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए इस महीने की शुरुआत में मुकद्दमा दायर किया था।

पैंसिलवेनिया पर अदालत के फैसले के खिलाफ अपील करेगी ट्रंप टीम

मास्को : अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की वरिष्ठ कानूनी सलाहकार जेना एलिस और एटॉर्नी रुडी गिउलियानी ने कहा कि ट्रंप की टीम पैंसिलवेनिया अदालत के फैसले के खिलाफ जल्द अपील करेगी। शनिवार को अमरीकी जिला अदालत के न्यायाधीश मैथ्यू ब्रान ने पैंसिल्वेनिया में मेल इन मतपत्रों को अमान्य करने के ट्रंप कैंपेन की याचिका खारिज कर दी थी। न्यायाधीश ब्रान ने कहा कि ट्रंप कैंपेन की याचिका बिना कानूनी दलीलों तथा साक्ष्य के बिना है। ट्रंप टीम के अनुसार पैंसिल्वेनिया में 6,82,777 मत गैर कानूनी हैं। अदालत के आदेश पर ट्रंप टीम ने कहा कि हम निराश हैं कि हमें कम से कम सुनवाई में अपने साक्ष्य प्रस्तुत करने का अवसर भी नहीं मिला।

न्यूज गैलरी

ट्विटर के बाद फेसबुक भी जो बाइडेन को ट्रांसफर करेगा राष्ट्रपति का अकाऊंट

सान फ्रांसिस्को (एजैंसी): ट्विटर के बाद फेसबुक ने अब पुष्टि की है कि वह अपने प्लेटफार्म पर आधिकारिक पी.ओ.टी.यू.एस. (प्रैसीडैंट ऑफ द यूनाइटेड स्टेट) अकाऊंट को चयनित राष्ट्रपति जो बाइडेन को ट्रांसफर कर देगा। प्लेटफार्म 20 जनवरी को बाइडेन द्वारा पदभार संभालने के बाद अकाऊंट ट्रांसफर करेगा। ट्विटर ने शुक्रवार को कहा कि जिस दिन वह शपथ लेंगे, उस दिन बाइडेन को पी.ओ.टी.यू.एस. अकाऊंट ट्रांसफर कर दिया जाएगा। फेसबुक ने भी शनिवार को ऐसा करने की घोषणा की है। कंपनी ने अपने बयान में कहा कि साल 2017 में हमने ओबामा प्रशासन और आने वाले ट्रंप प्रशासन दोनों के साथ काम किया और यह सुनिश्चित किया कि 20 जनवरी को उनके फेसबुक और इंस्टाग्राम अकाऊंट को ट्रांसफर किया जाए और हम इस बार भी ऐसा ही करने की उम्मीद करते हैं।

जॉनसन 2 दिसंबर को समाप्त करेंगे इंग्लैंड में लागू लॉकडाऊन

लंदन (एजैंसी): ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन पूरे इंग्लैंड में लागू लॉकडाऊन को दो दिसंबर को समाप्त करने और क्षेत्र के आधार पर प्रतिबंध की व्यवस्था फिर से लागू करने की योजना बना रहे हैं। ब्रिटेन में कोरोना वायरस से संक्रमित लोगों की संख्या स्थिर होती हुई प्रतीत हो रही है और ऐसे में इस कदम पर विचार किया जा रहा है। जॉनसन के कार्यालय ने शनिवार देर रात बताया कि सरकार इंग्लैंड में स्थानीय आधार पर प्रतिबंध की तीन स्तरों वाली प्रणाली फिर से लागू करने की योजना बना रही है। इस प्रणाली के तहत विभिन्न क्षेत्रों में संक्रमण की गंभीरता के आधार पर प्रतिबंध लगाए जाएंगे। जॉनसन के कार्यालय के बयान के अनुसार, सरकार ने पांच नवंबर को इंग्लैंड में चार सप्ताह का लॉकडाऊन लागू किया था।

लाहौर में बंदूक की नोक पर नाबालिग के साथ दुष्कर्म

लाहौर (एजैंसी): लाहौर में बंदूक की नोक पर एक दुकानदार द्वारा कथित रूप से दुष्कर्म किए जाने के बाद सात वर्षीय एक बच्ची को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी और बताया कि अपराधी को गिरफ्तार कर लिया गया है। शहर के नवाब टाऊन इलाके में शनिवार को यह घटना तब घटी जब पीड़िता दुकान गई थी। बच्ची के पिता द्वारा दर्ज कराई गई प्राथमिकी के अनुसार, 35 वर्षीय संदिग्ध उसे अपनी दुकान के एक हिस्से में ले गया, कथित तौर पर बंदूक की नोक पर उसके साथ दुष्कर्म किया और फिर उसे गंभीर हालत में पाकर वह भाग गया। जैसे ही मामला उसके पिता के संज्ञान में आया, उसने तुरंत अपनी बेटी को एक अस्पताल में भर्ती कराया जहां डाक्टरों ने मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म होने की पुष्टि की। बाद में उसने पुलिस को सूचना दी, जिसने संदिग्ध दुष्कर्मी के ठिकाने पर छापा मारा और उसे गिरफ्तार कर लिया।

एफ.डी.ए. ने ट्रंप को दी गई एंटीबॉडी दवाई के आपात इस्तेमाल की मंजूरी दी

वाशिंगटन, 22 नवंबर (एजैंसी): अमरीका के स्वास्थ्य अधिकारियों ने कोविड-19 से लड़ने में प्रतिरोधक प्रणाली को मदद करने वाली एक ऐसी एंटबॉडी दवाई के आपात इस्तेमाल की मंजूरी दे दी है, जिसे पिछले महीने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को कोरोना वायरस से संक्रमित होने के बाद दिया गया था। इससे पहले एक और दवाई के आपात इस्तेमाल की मंजूरी दी गई थी।

खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफ.डी.ए.) ने रेजेनेरॉन फार्मास्यूटिकल्स इंक की दवाई के इस्तेमाल की मंजूरी इस कोशिश के तौर पर दे दी कि हल्के से मध्यम लक्षण वाले मरीजों को अस्पताल में भर्ती होने जैसी स्थिति या फिर उनकी हालत बिगड़ने से बचाया जा सके। एफ.डी.ए. ने इस दवाई का इस्तेमाल व्यस्क एवं 12 साल के बच्चों या उससे ज्यादा उम्र के उन लोगों पर करने की अनुमति दे दी, जिनका वजन कम से कम 40 किलोग्राम है और वे जो उम्र या अन्य चिकितस्कीय स्थितियों की वजह से गंभीर खतरे का सामना कर रहे हैं। रेजेनेरॉन ने कहा कि प्रारंभिक खुराक करीब 3,00,000 मरीजों के लिए संघीय सरकार आवंटन कार्यक्रम के जरिए उपलब्ध होगी। मरीजों को इस दवाई का शुल्क नहीं देना होगा लेकिन उन्हें इस दवा देने के तरीके पर खर्च करना पड़ सकता है।

नेपाल को जल्द चाहिए कोविड-19 वैक्सीन, कई देशों से किया अनुरोध

काठमांडू, 22 नवंबर (एजैंसी): नेपाल सरकार ने कोविड-19 वैक्सीन का निर्माण कर कई ऐसे देशों से अनुरोध किया है कि वे वैक्सीन के प्रभावी साबित होने के बाद उसे जल्द से उपलब्ध करा दे। रविवार को अधिकारियों ने यह जानकारी दी। रिपोर्ट के मुताबिक, नेपाल सरकार ने पिछले सप्ताह आपातकालीन उपयोग के लिए वैक्सीन लाने का रास्ता बनाने के लिए एक अध्यादेश लाने के बाद यह अनुरोध किया है। टीकों की शीघ्र उपलब्धता के लिए चीन, भारत, अमरीका, ब्रिटेन, रूस और आस्ट्रेलिया सहित देशों को अनुरोध भेजे हैं।

अमरीकी शहर में हुई गोलीबारी में 1 की मौत, 4 लोग घायल

वाशिंगटन, 22 नवंबर (एजैंसी): अमरीका के एरिजोना राज्य की राजधानी फीनिक्स शहर में एक पार्टी के दौरान हुई गोलीबारी में कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई है और चार लोग घायल हो गए हैं। फीनिक्स पुलिस के प्रवक्ता सार्जेंट एन जस्टस ने मीडिया से कहा कि अधिकारियों को शनिवार सुबह करीब 5.30 बजे 35वीं एवेन्यू और अर्ल ड्राइव के पास एक खाली इमारत में बुलाया गया। जब अधिकारी वहां पहुंचे तो गोली से घायल एक लड़की मिली। अस्पताल ले जाने पर उसे मृत घोषित कर दिया गया। उसकी उम्र 17 से 20 साल के बीच है। गोली लगने से घायल हुए 4 लोगों को नजदीकी अस्पतालों में दिखाया गया था। फीनिक्स पुलिस ने कहा कि ऐसा लगता है कि शूटिंग खाली इमारत के अंदर एक अवैध पार्टी के दौरान हुई और उन लोगों को वहां रहने की अनुमति नहीं थी। घटना की अभी जांच चल रही है।

रॉकेट हमले के जवाब में इसराइल ने गाजा पट्टी स्थित हमास के ठिकानों पर की बमबारी

यरूशलम, 22 नवंबर (इंट.): इसराइली सेना ने गाजा पट्टी से देश पर रॉकेट दागे जाने का आरोप लगाते हुए फलस्तीनी क्षेत्र में कई जगहों पर हमले किए हैं। इसराइली सेना ने कहा कि उन्होंने रविवार को जवाबी कार्रवाई में विमान से कई जगह हमले किए, हालांकि इसमें किसी के हताहत होने की तत्काल कोई खबर नहीं है।

फलस्तीनी क्षेत्र से कई चरमपंथी समूह अपनी गतिविधियां चलाते हैं, लेकिन इसरायल इस क्षेत्र से दागे जाने वाले सभी रॉकेट के लिए गाजा के हमास शासकों को जिम्मेदार ठहराता है और बदले में उसके ठिकानों पर हमले करता है। इसराइली सेना ने एक बयान में कहा कि लड़ाकू विमानों और हमलावर हैलीकॉप्टरों ने रॉकेट की विस्फोटक सामग्री बनाने की दो जगहों, भूमिगत ठिकानों और हमास के एक नौसैनिक प्रशिक्षण परिसर पर निशाना साधा। उसने कहा कि फलस्तीनी लड़ाकों ने शनिवार रात को इसराइल पर एक रॉकेट दागा, जिसके बाद इसरायल के दक्षिणी शहर अश्केलॉन में सायरन बजने लगे। इसराइली पुलिस ने कहा कि रॉकेट से अश्केलॉन इलाके में एक ढांचे को नुक्सान पहुंचा।

अमरीका ही नहीं पूरी दुनिया में भयावह हो रहा है कोरोना : ट्रम्प

वाशिंगटन, 22 नवंबर (एजैंसी): अमरीका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि कोरोना वायरस (कोविड-19) महामारी केवल अमरीका में ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में लगातार भयावह होती जा रही है। ट्रम्प ने शनिवार को ट्वीट कर कहा कि फेक न्यूज (फर्जी खबरें) फैलाने वाले चैनल यह नहीं बता रहे हैं कि कोविड-19 का प्रकोप अमरीका में ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में लगातार बढ़ता ही जा रहा है। मैंने आज सुबह जी-20 समूह देशों की शिखर बैठक में वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये हिस्सा लिया। बैठक में कोरोना महामारी पर प्रमुख रूप से चर्चा की गई। हम अपनी वैक्सीन की मदद से जल्द ही कोरोना से निजात पा लेंगे। ट्रंप ने कहा कि कोरोना मरीजों का इलाज कर रहे डाक्टर लगातार इस वायरस के बारे में जानकारी जुटा रहे हैं और इलाज के तौर-तरीकों के बेहतर होने से इसके कारण अब कम लोगों की मौतें हो रही हैं। उन्होंने नवनिर्वाचित राष्ट्रपति जो बाइडेन की आलोचना करते हुए एक अन्य ट्वीट में कहा कि जो बाइडेन एच1एन1 स्वाइन फ्लू को रोकने में पूरी तरह से नाकाम रहे थे।

जो बाइडेन ने भारतीय-अमरीकी माला अडिगा को अपनी पत्नी का नीति निदेशक नियुक्त किया

वाशिंगटन, 22 नवंबर (एजैंसी): अमरीका के निर्वाचित राष्ट्रपति जो बाइडेन ने भारतीय-अमरीकी माला अडिगा को अपनी पत्नी जिल बाइडेन का नीति निदेशक नियुक्त किया है। देश की अगली प्रथम महिला बनने जा रही जिल का ध्यान मुख्य रूप से शिक्षा पर केंद्रित है, इसलिए शिक्षा संबंधी नीति के संबंध में अनुभवी माला अडिगा को इस पद के लिए चुना गया है। अडिगा बाइडेन की 2020 प्रचार मुहिम की वरिष्ठ नीति सलाहकार और जिल की वरिष्ठ सलाहकार थीं। उन्होंने पहले उच्च शिक्षा एवं सैन्य परिवारों की निदेशक के तौर पर बाइडन फाउंडेशन के लिए भी काम किया है। वह इससे पहले पूर्ववर्ती ओबामा प्रशासन में 'ब्यूरो ऑफ एजुकेशनल एंड कल्चरल अफेयर्स' में अकादमिक कार्यक्रमों के लिए विदेश मंत्रालय में उप सहायक सचिव थीं और उन्होंने विदेश मंत्रालय के 'ऑफिस ऑफ ग्लोबल विमेंस इश्यूज' में चीफ ऑफ स्टाफ और विशेष दूत की वरिष्ठ सलाहकार के तौर पर भी जिम्मेदारी निभाई है।

पोम्पिओ ने की दोहा में तालिबान, अफगान वार्ताकारों से मुलाकात

वाशिंगटन, 22 नवंबर (एजैंसी): अमरीका के विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ ने दोहा में अफगान सरकार और तालिबान के वार्ताकारों से मुलाकात की। पोम्पिओ ने उनकी रुकी हुई वार्ता के आगे बढ़ने के संकेतों और हिंसा बढ़ने के बीच यह वार्ता की। हिंसा बढ़ने के कारण युद्धग्रस्त देश में शांति स्थापित करने की कोशिशों को नुक्सान पहुंचा है। अमरीका ने हाल में घोषणा की थी कि वह अगले साल 15 जनवरी तक अफगानिस्तान और इराक में अमरीकी बलों की संख्या को कम करके 2,500-2,500 करेगा। इस घोषणा के बाद से यह तालिबान और अफगान प्रतिनिधियों के साथ किसी शीर्ष अमरीकी राजनयिक की पहली वार्ता है।

अफगानिस्तान में इस समय अमरीका के 4,500 से अधिक जवान हैं। पोम्पिओ ने ट्वीट किया कि दोहा में तालिबान और अफगानिस्तान के वार्ताकार दलों से मुलाकात की। मैं वार्ता जारी रखने और वार्ता में की गई प्रगति के लिए दोनों पक्षों की सराहना करता हूं। मैं राजनीतिक खाके और स्थायी एवं समग्र संघर्षविराम के लिए वार्ता आगे बढाने को प्रोत्साहन देता हूं।

विदेश मंत्रालय के प्रमुख उप प्रवक्ता केल ब्राउन ने कहा कि पोम्पिओ ने तालिबान राजनीतिक कार्यालय के प्रमुख मुल्ला बरादर और तालिबान की वार्ताकार टीम के सदस्यों से रविवार को मुलाकात की। उन्होंने बताया कि बैठक के दौरान पोम्पिओ ने वार्ता जारी रखने और इस दिशा में की गई प्रगति के लिए दोनों पक्षों की प्रशंसा की। ब्राउन ने कहा कि पोम्पिओ और वार्ताकारों ने हिसा कम करने के तरीकों पर चर्चा की और उन्होंने राजनीतिक खाके और स्थायी एवं समग्र संघर्षविराम पर वार्ता तेजी से आगे बढ़ाए जाने को प्रोत्साहन दिया। पोम्पिओ ने दोहराया कि अफगानिस्तान के लोग 40 साल से युद्ध और रक्तपात सहने के बाद अब शांति एवं सुरक्षा के साथ जीने की उम्मीद करते हैं और वे इसके हकदार हैं। उन्होंने कतर के विदेश मंत्री अल थानी से भी मुलाकात की और उनके साथ द्विपक्षीय एवं क्षेत्रीय मामलों पर चर्चा की।

नवाज शरीफ की मां का लंदन में निधन

लाहौर, 22 नवंबर (एजैंसी): पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की मां बेगम शमीम अख्तर का रविवार को लंदन में निधन हो गया, वह 91 वर्ष की थीं। पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पी.एम.एल.-एन) के सूत्रों के मुताबिक बेगम अख्तर बीते एक महीने से अस्वस्थ थीं। पी.एम.एल.-एन के उप महासचिव अताउल्लाह तरार ने कहा कि रविवार को लंदन में उन्होंने आखिरी सांस ली। वह बीती फरवरी में लंदन गई थीं और वहां नवाज और अन्य परिजनों के साथ रह रही थीं। तरार ने कहा कि बेगम अख्तर के शव को सोमवार को लाहौर लाए जाने और शरीफ परिवार के जति उमरा रायविंड स्थित आवास में उनके पति मियां शरीफ की कब्र के बगल में दफनाए जाने की उम्मीद है। तरार ने कहा कि नवाज के छोटे भाई और पी.एम.एल.-एन के अध्यक्ष शहबाज शरीफ को पैरोल पर रिहा करने और मां के जनाजे में शामिल होने की इजाजत देने के लिए संबंधित अधिकारियों के समक्ष आवेदन किया जाएगा। नवाज शव को लाहौर भेजे जाने से पहले लंदन में मां की नमाज-ए-जनाजा में शिरकत करेंगे।

प्रदर्शनकारियों ने ग्वाटेमाला संसद भवन के एक हिस्से में लगाई आग

ग्वाटेमाला सिटी, 22 नवंबर (एजैंसी): 2021 के बजट की मंजूरी के विरोध में रैली कर रहे प्रदर्शनकारियों ने ग्वाटेमाला में कांग्रेस भवन के एक हिस्से में आग लगा दी। रिपोर्ट के मुताबिक, शनिवार की रात को कुछ प्रदर्शनकारी विधान भवन के मुख्यालय पहुंचे और वहां कांग्रेस भवन के कार्यालय में आग लगा दी।

ग्वाटेमाला के स्वयंसेवकों और नगरपालिका के अग्निशामकों ने मिलकर आग पर काबू पाया। अग्निशामकों द्वारा जारी की गई तस्वीरों के मुताबिक कांग्रेस के कुछ कार्यालयों का फर्नीचर लगभग पूरी तरह से आग में जलकर खाक हो गया।

राष्ट्रपति अलेजांद्रो जियामाटेई ने हिंसा की निंदा करते हुए कहा कि मैं दोहराता हूं कि हमें कानून के अनुसार प्रदर्शन करने का अधिकार है, लेकिन हम इसके जरिए सार्वजनिक या निजी संपत्ति के साथ छेड़छाड़ करने की अनुमति नहीं दे सकते, जिन लोगों ने भी इन आपराधिक कृत्यों में भाग लिया गया है, उन्हें कानून के मुताबिक सख्ती से दंडित किया जाएगा।

2021 के लिए मंजूर हुए बजट में शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा पर खर्च में कटौती की गई है, इसने ग्वाटेमाला में खासा राजनीतिक तनाव पैदा कर दिया है। कई क्षेत्रों में सरकार द्वारा प्रस्तावित सार्वजनिक ऋण की वृद्धि का विरोध हो रहा है। उप-राष्ट्रपति गुइलेर्मो कैस्टिलो से इस्तीफा देने के लिए कहा गया है।

इस सप्ताह के व्रत-त्यौहार

२३ नवंबर से २९ नवंबर २०२०

२५ नवंबर - देव उठनी एकादशी

२५ नवंबर - तुलसी विवाह

देव उठनी एकादशी पर जग जाएंगे भगवान श्रीविष्णु

प्रबोधिनी एकादशी को देव उठनी एकादशी और देवुत्थान एकादशी के नाम से भी जाना जाता है। हिन्दू मान्यताओं के अनुसार इस दिन से विवाह, गृह प्रवेश तथा अन्य सभी प्रकार के मांगलिक कार्य आरंभ हो जाते हैं। माना जाता है कि भगवान श्रीविष्णु ने भाद्रपद मास की शुक्ल एकादशी को महापराक्रमी शंखासुर नामक राक्षस को लम्बे युद्ध के बाद समाप्त किया था और थकावट दूर करने के लिए क्षीरसागर में जाकर सो गए थे और चार मास पश्चात फिर जब वे उठे तो वह दिन देव उठनी एकादशी कहलाया। इस दिन भगवान श्रीविष्णु का सपत्नीक आह्वान कर विधि विधान से पूजन करना चाहिए। इस दिन उपवास करने का विशेष महत्व है और माना जाता है कि यदि इस एकादशी का व्रत कर लिया तो सभी एकादशियों के व्रत का फल मिल जाता है और व्यक्ति सुख तथा वैभव प्राप्त करता है और उसके पाप नष्ट हो जाते हैं।

देव उठनी एकादशी का महत्व

कार्तिक शुक्ल एकादशी को देवोत्थनी एकादशी के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन से विवाह, गृह प्रवेश तथा अन्य सभी प्रकार के मांगलिक कार्य आरंभ हो जाते हैं। एक पौराणकि कथा में उल्लेख मिलता है कि भगवान श्रीविष्णु ने भाद्रपद मास की शुक्ल एकादशी को महापराक्रमी शंखासुर नामक राक्षस को लम्बे युद्ध के बाद समाप्त किया था और थकावट दूर करने के लिए क्षीरसागर में जाकर सो गए थे और चार मास पश्चात फिर जब वे उठे तो वह दिन देवोत्थनी एकादशी कहलाया। इस दिन भगवान विष्णु का सपत्नीक आह्वान कर विधि विधान से पूजन करना चाहिए। इस दिन उपवास करने का विशेष महत्व है।

ऐसे करें पूजा

इस दिन व्रत करने वाली महिलाएं प्रातः स्नानादि से निवृत्त होकर पूजा स्थल को साफ करें और आंगन में चौक बनाकर भगवान श्रीविष्णु के चरणों को कलात्मक रूप से अंकित करें। दिन में चूंकि धूप होती है इसलिए भगवान के चरणों को ढंक दें। रात्रि के समय घंटा और शंख बजाकर निम्न मंत्र से भगवान को जगाएं-

'उत्तिष्ठ गोविन्द त्यज निद्रां जगत्पतये।
त्वयि सुप्ते जगन्नाथ जगत् सुप्तं भवेदिदम्॥'

उत्थिते चेष्टते सर्वमुत्तिष्ठोत्तिष्ठ माधव।
गतामेघा वियच्चैव निर्मलं निर्मलादिशः॥
शारदानि च पुष्पाणि गृहाण मम केशव।

इसके बाद भगवान को तिलक लगाएं, श्रीफल अर्पित करें, नये वस्त्र अर्पित करें और मिष्ठान का भोग लगाएं फिर कथा का श्रवण करने के बाद आरती करें और बंधु बांधवों के बीच प्रसाद वितरित करें।

श्रीविष्णु को तुलसी अर्पित करें

पुराणों में उल्लेख मिलता है कि स्वर्ग में भगवान श्रीविष्णु के साथ लक्ष्मीजी का जो महत्व है वही धरती पर तुलसी का है। इसी के चलते भगवान को जो व्यक्ति तुलसी अर्पित करता है उससे वह अति प्रसन्न होते हैं। बद्रीनाथ धाम में तो यात्रा मौसम के दौरान श्रद्धालुओं द्वारा तुलसी की करीब दस हजार मालाएं रोज चढ़ाई जाती हैं। इस दिन श्रद्धालुओं को चाहिए कि जिस गमले में तुलसी का पौधा लगा है उसे गेरु आदि से सजाकर उसके चारों ओर मंडप बनाकर उसके ऊपर सुहाग की प्रतीक चुनरी को ओढ़ा दें। इसके अलावा गमले को भी साड़ी में लपेट दें और उसका शृंगार करें। इसके बाद सिद्धिविनायक श्रीगणेश सहित सभी देवी-देवताओं और श्री शालिग्रामजी का विधिवत पूजन करें। एक नारियल दक्षिणा के साथ टीका के रूप में रखें और भगवान शालिग्राम की मूर्ति का सिंहासन हाथ में लेकर तुलसीजी की सात परिक्रमा कराएं। इसके बाद आरती करें।

व्रत कब तोड़ें

एकादशी के व्रत को समाप्त करने को पारण कहते हैं। एकादशी व्रत के अगले दिन सूर्योदय के बाद पारण किया जाता है। एकादशी व्रत का पारण द्वादशी तिथि समाप्त होने से पहले करना जरूरी है लेकिन अगर द्वादशी तिथि सूर्योदय से पहले ही समाप्त हो गई हो तो एकादशी व्रत का पारण सूर्योदय के बाद ही करना चाहिए।

व्रतियों को सलाह

कभी-कभी यह भी देखने में आता है कि एकादशी व्रत लगातार दो दिनों के लिए हो जाता है। जब ऐसी स्थिति आए तब गृहस्थ आश्रम से जुड़े लोगों को पहले दिन एकादशी व्रत करना चाहिए। सन्यासियों, विधवाओं और मोक्ष प्राप्ति के इच्छुक श्रद्धालुओं को दूजी एकादशी के दिन व्रत करना चाहिए।

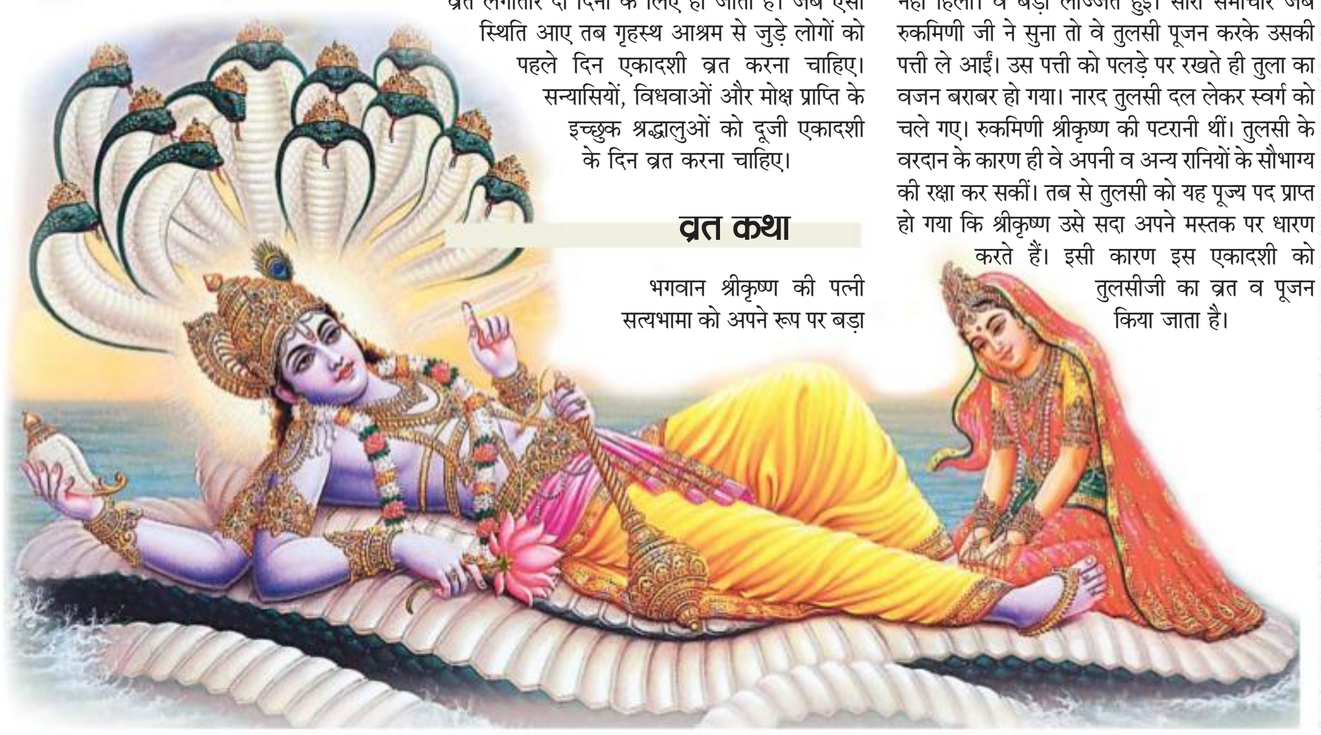

व्रत कथा

भगवान श्रीकृष्ण की पत्नी सत्यभामा को अपने रूप पर बड़ा गर्व था। वे सोचती थीं कि रूपवती होने के कारण ही श्रीकृष्ण उनसे अधिक स्नेह रखते हैं। एक दिन जब नारदजी उधर गए तो सत्यभामा ने कहा कि आप मुझे आशीर्वाद दीजिए कि अगले जन्म में भी भगवान श्रीकृष्ण ही मुझे पति रूप में प्राप्त हों। नारदजी बोले, नियम यह है कि यदि कोई व्यक्ति अपनी प्रिय वस्तु इस जन्म में दान करे तो वह उसे अगले जन्म में प्राप्त होगी। अतः तुम भी श्रीकृष्ण को दान रूप में मुझे दे दो तो वे अगले जन्मों में जरूर मिलेंगे। सत्यभामा ने श्रीकृष्ण को नारदजी को दान रूप में दे दिया। जब नारदजी उन्हें ले जाने लगे तो अन्य रानियों ने उन्हें रोक लिया। इस पर नारदजी बोले, यदि श्रीकृष्ण के बराबर सोना व रत्न दे दो तो हम इन्हें छोड़ देंगे।

तब तराजू के एक पलड़े में श्रीकृष्ण बैठे तथा दूसरे पलड़े में सभी रानियां अपने-अपने आभूषण चढ़ाने लगीं, पर पलड़ा टस से मस नहीं हुआ। यह देख सत्यभामा ने कहा, यदि मैंने इन्हें दान किया है तो उबार भी लूंगी। यह कह कर उन्होंने अपने सारे आभूषण चढ़ा दिए, पर पलड़ा नहीं हिला। वे बड़ी लज्जित हुईं। सारा समाचार जब रुकमिणी जी ने सुना तो वे तुलसी पूजन करके उसकी पत्ती ले आईं। उस पत्ती को पलड़े पर रखते ही तुला का वजन बराबर हो गया। नारद तुलसी दल लेकर स्वर्ग को चले गए। रुकमिणी श्रीकृष्ण की पटरानी थीं। तुलसी के वरदान के कारण ही वे अपनी व अन्य रानियों के सौभाग्य की रक्षा कर सकीं। तब से तुलसी को यह पूज्य पद प्राप्त हो गया कि श्रीकृष्ण उसे सदा अपने मस्तक पर धारण करते हैं। इसी कारण इस एकादशी को तुलसीजी का व्रत व पूजन किया जाता है।

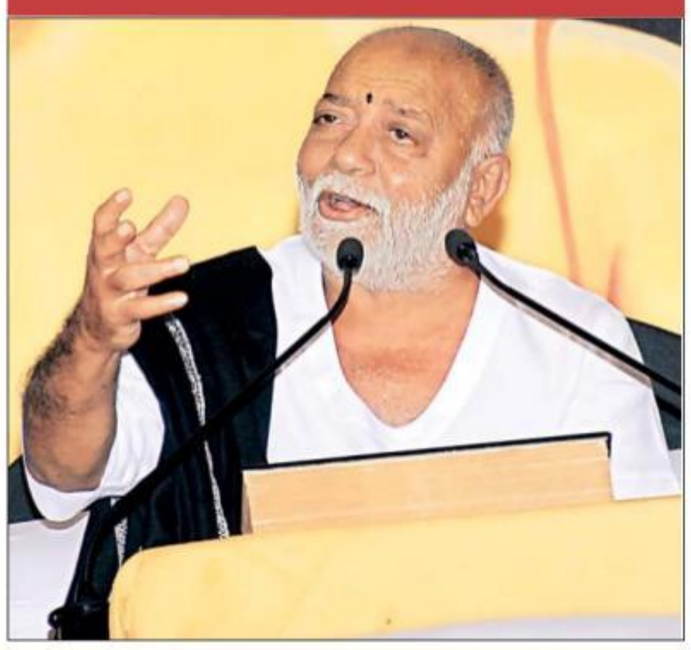

संत मोरारी बापू जी के मुखारविंद से...

जो आनंद सिंधु सुखरासी। सीकर तें त्रैलोक सुपासी।
सो सुखधाम राम अस नामा। अखिल लोक दायक विश्रामा।।

जो आनंद सिंधु है, सुखराशि है, शोभाधाम है जिनके नाम से विराम की स्वभाविक स्थिति जीव को, विश्राम मिलेगी। इस बालक का नाम मैं 'राम' रख रहा हूं। ओर पूरी अयोध्या ने एक आवाज में इस नाम को घोषित किया। बोलिए रामचन्द्र भगवान की जय।

विस्व भरन पोषन कर जोई। ताकर नाम भरत अस होई।
जाके सुमिरन तें रिपु नासा। नाम सत्रुघन बेद प्रकासा।।

भगवान राम के समान वर्ण, स्वभाव, शक्ल सब कुछ राम के बराबर, ऐसे कैकई पुत्र का नाम रखते हुए वशिष्ठ जी ने कहा- जिसका नाम लेने से विश्व का भरन पोषण होगा। विश्व तृप्त-तुष्ट होगा। जो ये बालक सबको भर देगा। तृप्त कर देगा। सबको भरेगा। इसलिए मैं उसका नाम भरत रख रहा हूं। सभा में जयघोष हुआ। बोलिए भरत लाल जी महराज की जय। सुमित्रा के पुत्रों का नामकरण करते हुए बाबा बोले इनका नाम लेने से शत्रुता का नाश होगा। बैर मिटेगा। शत्रुता दुश्मनी खत्म होगी। ऐसे। मैत्री सधेगी। विवाद मिटेगा संवाद होगा। इस बालक का नाम मैं शत्रुघ्न रख रहा हूं पूरी सभा एक अवाज में बोल उठी। बोलिए शत्रुघ्न महराज की जय।

लच्छमन धाम राम प्रिय सकल जगत आधार।
गुरु बसिष्ठ तेहि राखा लछिमन नाम उदार।

देवी लक्ष्णों का जो निवास है। धाम है। राम के बहुत प्रिय पात्र हैं। अथवा तो राम के सिवा अपना लक्ष्य जिसके जीवन में कोई नहीं। पूरे जगत का जो आधार है। जो सहस सीस महि धर लखन सचराचर धरि लक्ष्मण शेषावतार हैं। पूरी धरती जगत का आधार हैं। पूरी धरती का जो आधार है, लक्षणों के धाम हैं राम का प्रिय है। वशिष्ठ जी कहते हैं मैं उसे...। बड़ा उदार है ये बालक। इसका नाम लक्ष्मण रखता हूं। सभा में जय घोष किया- बोलिए लखन लाल महराज की जय। (क्रमशः)

बैकुंठ चतुर्दशी की पूजा से मिलता है अनन्त गुना फल

सनातन संस्कृति को व्रतों, त्यौहारों और पर्वों की संस्कृति कहा जाता है। हर तिथि देवी-देवताओं को समर्पित है और इन तिथियों के अनुसार देवी-देवताओं को श्रद्धासुमन अर्पित करने के लिए पर्वों का आयोजन किया जाता है उनकी उपासना करते हुए हर्षोल्लास के साथ त्यौहारों को मनाया जाता है। कार्तिक मास की चतुर्दशी तिथि को बैकुंठ चतुर्दशी कहा जाता है और इस दिन भगवान विष्णु के साथ महादेव की पूजा का विधान है। बैकुंठ चतुर्दशी की पूजा मध्य रात्री यानी निशिथ काल में की जाती है। मान्यता है कि बैकुंठ चतुर्दशी को श्रीहरी और महादेव की उपासना करने से पापों का नाश होता है और पुण्य फल का प्राप्ति होती है।

बैकुंठ चतुर्दशी की पूजाविधि : बैकुंठ चतुर्दशी के दिन भगवान विष्णु और देवादिदेव महादेव का विधि-विधान से पूजन किया जाता है। श्रीहरी का षोडशोपचार पूजन किया जाता है। पूजन में चंदन, चंदन का इत्र, श्वेत कमल, केसर गाय का दूध, दही, मिश्री, शहद आदि से अभिषेक करना चाहिए। अबीर, गुलाल, कुमकुम सुगंधित फूल, सूखे मेवे, ऋतुफल का भोग लगाएं। श्रीमद्भागवतगीता, श्रीसुक्त और विष्णुसहस्त्रनाम का पाठ करें। साथ ही विष्णुजी के बीजमंत्र का 108 बार जाप करने से पापों से मुक्ति मिलने के साथ पुण्यों में वृद्धि होती है और सुख-समृद्धि और आरोग्य की प्राप्ति होती है। पूजन में मखाने की खीर का भोग भी लगाना चाहिए।

भूतभावन महाकाल की आराधना बैकुंठ चतुर्दशी पर करने की भी विशेष महत्व है। शिवलिंग का गाय के दूध, दही आदि से अभिषेक करने के बाद महादेव को फूल, बिल्वपत्र, आंकड़ा, धतूरा, भांग, श्वेत मिठाई, ऋतुफल आदि समर्पित करें और मखाने की खीर बनाकर भोग लगाएं। रुद्राष्टक, शिविमहम्नस्त्रोत, पंचाक्षरी मंत्र आदि से उपासना करें। इस दिन निशिथ काल में पूजा करना विशेष फलदायी माना जाता है। ओम ह्रीं ओम हरिणाक्षाय नमः शिवाय का जाप करने से हरी और हर यानी भगवान विष्णु और महादेव दोनों की कृपा प्राप्त होती है। बैकुंठ चतुर्दशी को हरी-हर के साथ सप्तऋषि की पूजा करने से सभी तरह के कष्टों से मुक्ति मिलती है। इस दिन पितृों का किसी पवित्र नदी या सरोवर के किनारे तर्पण करने से पितृों की कृपा प्राप्त होती है।

पौराणकि कथा : बैकुंठ चतुर्दशी की पौराणकि कथा के अनुसार एक बार की बात है नारद जी पृथ्वी लोक से घूमकर बैकुंठ धाम पंहुचते हैं। भगवान विष्णु उन्हें आदरपूर्वक बिठाते हैं और प्रसन्न होकर उनके आने का कारण पूछते हैं। नारद जी कहते है- हे प्रभु! आपने अपना नाम कृपानिधान रखा है। इससे आपके जो प्रिय भक्त हैं वही तर पाते हैं। जो सामान्य नर-नारी है, वह वंचित रह जाते हैं। इसलिए आप मुझे कोई ऐसा सरल मार्ग बताएं, जिससे सामान्य भक्त भी आपकी भक्ति कर मुक्ति पा सकें। यह सुनकर विष्णु जी बोले- हे नारद! मेरी बात सुनो, कार्तिक शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी को जो नर-नारी व्रत का पालन करेंगे और श्रद्धा-भक्ति से मेरी पूजा-अर्चना करेंगे, उनके लिए स्वर्ग के द्वार साक्षात खुले होंगे। इसके बाद विष्णु जी जय-विजय को बुलाते हैं और उन्हें कार्तिक चतुर्दशी को स्वर्ग के द्वार खुला रखने का आदेश देते हैं। भगवान विष्णु कहते हैं कि इस दिन जो भी भक्त मेरा थोड़ा-सा भी नाम लेकर पूजन करेगा, वह बैकुंठ धाम को प्राप्त करेगा।

भगवान का आह्वान है तुलसी विवाह

देवोत्थान एकादशी के दिन मनाया जाने वाला तुलसी विवाह विशुद्ध मांगलिक और आध्यात्मिक प्रसंग है। देवता जब जागते हैं, तो सबसे पहली प्रार्थना हरिवल्लभा तुलसी की ही सुनते हैं। इसीलिए तुलसी विवाह को देव जागरण के पवित्र मुहूर्त के स्वागत का आयोजन माना जाता है। तुलसी विवाह का सीधा अर्थ है, तुलसी के माध्यम से भगवान का आह्वान। कार्तिक, शुक्ल पक्ष, एकादशी को तुलसी पूजन का उत्सव मनाया जाता है। वैसे तो तुलसी विवाह के लिए कार्तिक, शुक्ल पक्ष, नवमी की तिथि ठीक है, परन्तु कुछ लोग एकादशी से तुलसी पूजन कर पांचवें दिन तुलसी विवाह करते हैं। आयोजन बिल्कुल वैसा ही होता है, जैसे हिन्दू रीति-रिवाज से सामान्य वर-वधू का विवाह किया जाता है।

धार्मिक मान्यता: मंडप, वर पूजा, कन्यादान, हवन और फिर प्रीतिभोज, सब कुछ पारम्परिक रीति-रिवाजों के साथ निभाया जाता है। इस विवाह में शालिग्राम वर और तुलसी कन्या की भूमिका में होती है। यह सारा आयोजन यजमान सपत्नीक मिलकर करते हैं। इस दिन तुलसी के पौधे को यानी लड़की को लाल चुनरी-ओढ़नी ओढ़ाई जाती है।

तुलसी विवाह में सोलह श्रृंगार के सभी सामान चढ़ावे के लिए रखे जाते हैं। मन्दिरों से श्रद्धापूर्वक वर पक्ष बारात लेकर आता है तथा वधू पक्ष की ओर से बारात का स्वागत धूमधाम से किया जाता है।

शालिग्राम को दोनों हाथों में लेकर यजमान लड़के के रूप में यानी भगवान विष्णु के रूप में और यजमान की पत्नी तुलसी के पौधे को दोनों हाथों में लेकर अग्नि के फेरे लेते हैं। विवाह के पश्चात् प्रीतिभोज का आयोजन किया जाता है। कार्तिक मास में स्नान करने वाली स्त्रियां भी कार्तिक शुक्ल एकादशी को शालिग्राम और तुलसी का विवाह रचाती हैं। समस्त विधि विधान-पूर्वक गाजे-बाजे के साथ एक सुन्दर मंडप के नीचे यह कार्य सम्पन्न होता है।

विवाह के उपलक्ष्य में स्त्रियां गीत तथा भजन गाती हैं।

मगन भई तुलसी राम गुन गाइके मगन भई तुलसी।
सब कोऊ चली डोली पालकी रथ जुड़वाये के।।
साधु चले पांय पैया, चींटी सो बचाई के।
मगन भई तुलसी राम गुन गाइके।।

शालिग्राम और तुलसी का विवाह भगवान विष्णु और महालक्ष्मी के विवाह का प्रतीकात्मक विवाह है।

वाणी बावा लाल दयाल जी की

नाथ अनाथ गुरुदेव जू, हम पर होहु दयाल।
विष्य विकार गुन देह ते, राखि लेहु जन लाल।।

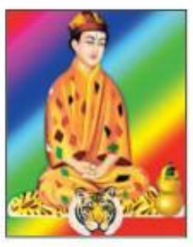

व्याख्या : बावा लाल जी कहते हैं, हे मेरे हरि गुरु! आप अनाथों के नाथ हो, दीन दयाल हो, शरणागत की रक्षा करने वाले हो। मैं सब ओर से निराश होकर आप की शरण में आया हूं। हे प्रभु! मुझ पर कृपा कर मेरे सभी विकारों, दोषों और विषयाशक्ति का नाश कर मुझे इस भव सागर से पार उतार दो। मैं पुनः आवागमन के चक्र में, जन्म-मृत्यु के बंधन में नहीं बंधना चाहता। हे प्रभु! इसी जन्म में मेरा उद्धार कर मुझे मुक्ति दे दो।

-डा. मीनाक्षी मोहन

जहं जहं चरण पड़े रघुवर के

राम सरोवर
सुतीक्षण आश्रम से वापस 10 वर्ष के दण्डकारण्य भ्रमण पर आते समय श्री सीता राम जी ने यहां स्नान किया था। यह स्थान रामटेक-नागपुर मार्ग पर नागपुर से 25 कि.मी. दूर है। कुछ लोग इसे पंचाप्सर भी कहते हैं।

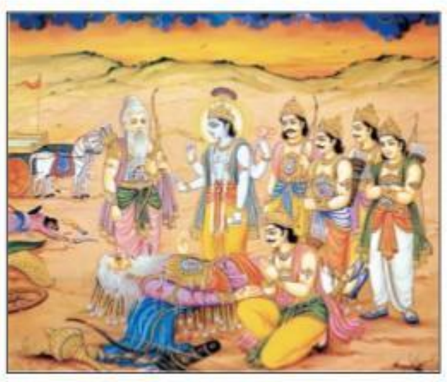

धर्मोपदेश की स्मृति में है भीष्म पंचक व्रत

यह व्रत कार्तिक शुक्ला एकादशी से आरम्भ होकर पूर्णिमा को समाप्त होता है। इसी लिए इसे भीष्म-पंचक कहते हैं। इस दिन स्नानादि से शुद्ध होकर पापों के नाश और धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष की प्राप्ति के लिए इस व्रत का संकल्प करें। घर के आंगन में चार दरवाजों वाला मंडप बनाकर उसे गोबर से लीप देना चाहिए। बाद में सर्वतोभद्र की बेदी बनाकर उस पर तिल भरकर कलश स्थापित करें। ओम नमो भगवते वासुदेवाय मंत्र से भगवान वासुदेव की पूजा करनी चाहिए। पांच दिनों तक लगातार घी का दीपक जलाना चाहिए और मंत्र का जाप तथा ओम विष्णवे नमः स्वाहा मंत्र से घी, तिल और जौ की 108 आहुतियां देकर हवन करना चाहिए। पांचों दिन ऐसा करना चाहिए। काम-क्रोध आदि का त्याग करके ब्रह्मचर्य, क्षमा, दया और उदारता धारण करनी चाहिए।

पूजन में सामान्य पूजा के अतिरिक्त पहले दिन भगवान के हृदय का कमल के पुष्पों से, दूसरे दिन कटि-प्रदेश का विल्व पत्रों से, तीसरे दिन घुटनों का केतकी के पुष्पों से, चौथे दिन चरणों का चमेली के पुष्पों से और पांचवें दिन सम्पूर्ण विग्रह की तुलसी की मंजरियों से पूजा करना चाहिए। हमारे देश में अधिकतर स्त्रियां एकादशी और द्वादशी को निराहार, त्रयोदशी को शाकाहार और चर्तुदशी तथा पूर्णमासी को फिर निराहार रहकर प्रतिपदा को पातःकाल में द्विज-दम्पति तो भोजन कराकर स्वयं भोजन करके पंचभीषम नहाती हैं।

भीष्म पंचक व्रत की भगवान वासुदेव ने प्रशंसा की है। इसे सर्व-पापनाशक तथा अक्षयफलदायक बताया गया है।

कथा-महाभारत का युद्ध समाप्त होने पर जिस भीष्म-पितामह सूर्य के उत्तरायण होने की प्रतीक्षा में शरशय्या पर शयन कर रहे थे तब भगवान कृष्ण को साथ लेकर पांडव उनके पास गए। उपयुक्त अवसर समझकर धर्मराज युधिष्ठिर ने भीष्म पितामह से प्रार्थना की कि आप हम लोगों को कुछ उपदेश दें। तब युधिष्ठिर की इच्छा अनुसार भीष्म पितामह ने पांच दिनों तक राजधर्म, वर्ण-धर्म, मोक्षधर्म आदि का महत्वपूर्ण उपदेश दिया। उनका उपदेश सुनकर श्रीकृष्ण बहुत सन्तुष्ट हुए और उन्होंने कहा-पितामह, आपने कार्तिक शुक्ला एकादशी से पूर्णिमा तक पांच दिनों में जो धर्ममय उपदेश दिया है, उससे मुझे बड़ी प्रसन्नता हुई है। मैं इसकी स्मृति में आपके नाम पर भीष्म-पंचक व्रत स्थापित करता हूं। जो लोग इसे करेंगे वे संसार के अनेक कष्टों से मुक्त हो जाएंगे। वे जीवन भर सुख भोगकर अन्त में मोक्ष प्राप्त करेंगे।

हृदय की दीपावली

सहज योग के 50 वर्ष(1970 - 2020)

आइये अपना आत्म-साक्षात्कार पाइये। यह बिलकुल निःशुल्क है।

परम पूज्य माताजी श्री निर्मला देवी

दिवाली के शुभ दिन पर जब हम आसपास दीपों से घर-आँगन सजाते हैं, तब एक दीप ऐसा है जिसकी लौ हमारे अंदर भी प्रकाशित होनी चाहिए। जब अंदर और बाहर दोनों जगह प्रकाश होगा तभी सत्य रूप से हम दिवाली के तत्व को समझ पाएंगे और वास्तव में दिवाली मनाएंगे। परन्तु ये लौ कौनसी है, कैसे जागृत होती है और इसकी विधि क्या है? यह सब बातें जान लेना भी आवश्यक है।

भारतवर्ष और पूरे विश्वभर में सभी धर्मों में अनेक साधु-संत हुए जिन्होंने आंतरिक जागृति की बात करी है। यह आंतरिक जागृति, हमारी रीढ़ की हड्डी के नीचे एक त्रिकोणाकार अस्थि में साढ़े तीन कुण्डल के रूप में स्थित, 'कुण्डलिनी' नाम की एक सूक्ष्म शक्ति की जागृति है। इसी कुण्डलिनी के षट्चक्र भेदन करने पर व्यक्ति आत्मसाक्षात्कार प्राप्त करता है और परमात्मा से योग में सहज ही स्थापित हो जाता है। चिरकाल में इस कुण्डलिनी की जागृति अत्यंत कठिन थी, परन्तु कलियुग का सबसे बड़ा गुण यह है कि इसमें सत्य को खोजने वाले साधक सुगमता से भव-बंधन से छुटकारा पा परमात्मा से एकाकार हो सकते हैं। इस बात का वर्णन श्री रामचरितमानस में कई बार किया गया है।

आज के समय में जब कलियुग अपने चरम पर है, तो ये जागृति श्री माताजी निर्मला देवी प्रणित सहज योग ध्यान द्वारा अति सुगमता से हो जाती है।परम पूज्य श्री माताजी निर्मला देवी जी ने वर्ष 1970 में सहज योग की शुरुआत की और अपनी आध्यात्मिक शक्ति से इच्छुक अनगिनत साधकों को निस्वार्थ भाव से आत्मसाक्षात्कार प्रदान किया। 'सहज' अर्थात सरल, स्वतःघटित होने वाला और 'योग' अर्थात परमात्मा से एकाकारित, अर्थात सहज योग में बिना प्रयास के कुण्डलिनी सुगमता से जागृत हो जाती है, केवल शुद्ध इच्छा की आवश्यकता है। यह जागृति शुद्ध इच्छा व्यक्त करने पर स्वतः अपने आप हमारे स्वचालित नाड़ी तंत्र पर घटित होती है और इसके लिए हमें कोई बाहरी प्रयास या क्रिया नहीं करनी पड़ती।यह एक जीवंत क्रिया है, जो एक अनुभव है और जिसे व्यक्ति अपने हाथों की हथेलियों और सिर के तालु भाग पर शीतल चैतन्य लहरियों के रूप में महसूस कर सकता है।

दोहा/सोरठ
सुनु ब्यालारि काल कलि मल अवगुन आगार।
गुनउँ बहुत कलिजुग कर बिनु प्रयास निस्तार।।102(क)।।

"हे सर्पों के शत्रु गरुड़ जी! सुनिए, कलिकाल पाप और अवगुणों का घर है। किन्तु कलियुग में एक गुण भी बड़ा है की उसमें बिना ही परिश्रम भवबंधन से छुटकारा मिल जाता है।"
श्री रामचरितमानस

इस शक्ति के जागृत होने पर हमारे अंदर के सभी तत्व और विभिन्न चक्रों पर विराजमान सभी देवी-देवताओं के गुण हमारे चरित्र में प्रक्षेपित होने लग जाते हैं। उनमें से एक श्री लक्ष्मी का तत्व भी है। आम तौर पर जब हम श्री लक्ष्मी की बात करते हैं, तो हम उन्हें धन की देवी के रूप में देखते हैं। परन्तु श्री लक्ष्मी का तत्व, जो हमारे अंदर भी स्थित है, इससे अलग है।

दिवाली के दिन हम श्री लक्ष्मी की पूजा करते हैं जो हमारे भीतर स्थित सूक्ष्म तंत्र के तीसरे चक्र- मणिपुर या नाभि चक्र पर विराजमान हैं। इस चक्र के खुलने पर ही हमारे अंदर श्री लक्ष्मी का तत्व जागृत होता है और हम उनके गुणों और आशीर्वाद से प्लावित होते हैं। श्री लक्ष्मी के मूर्त स्वरूप को हम देखें तो उनके चरण एक कमल पर स्थित हैं और अपने हाथों में उन्होंने दो कमल पकड़े हुए हैं। कमल सौंदर्य का और गुलाबी रंग प्रेम का प्रतीक है। यह दर्शाता है कि जिस व्यक्ति का लक्ष्मी तत्व जागृत है, उसका स्वभाव भी एक कमल की तरह प्रेममय, उदार और कोमल होना चाहिए। कमल छोटे से भँवरे को भी अपने अंदर सोने का स्थान देता है और अपनी पंखुड़ियों से ढककर उसे सुख पहुंचा उसकी रक्षा करता है। लक्ष्मी तत्व का अर्थ अपने प्रेम की अभिव्यक्ति करना है। जिसके अंदर लक्ष्मी का तत्व जागृत हो जाता है उसका स्वभाव भी श्री लक्ष्मी के समान दानी, करुणामय और गरिमापूर्ण हो जाता है।

परन्तु आज हम देखते हैं कि यदि कोई धनवान है, तो पैसों को लेकर उसके मन में हमेशा असुरक्षा बनी रहती है। वह यहाँ-वहां धन छिपाना चाहता है। ऐसे व्यक्ति में गरिमा नहीं होती। भौतिकता की पकड़ आते ही हम लक्ष्मी तत्व से बाहर हो जाते हैं। लक्ष्मी तत्व धनलोलुपता नहीं है। किसी बन्दर या गधे पर यदि आप बहुत से नोट लाद दें तो क्या आप उसको लक्ष्मीपति कहेंगे? उसी प्रकार किसी व्यक्ति के पास कार है परन्तु वह हमेशा घबराया और परेशान रहता है तो क्या आप उसे लक्ष्मीपति कहेंगे? इस प्रकार के धन की कोई गरिमा नहीं होती। इसमें ना तो संस्कृति है ना माधुर्य।

दिवाली, महालक्ष्मी पूजा का दिवस है, केवल लक्ष्मी पूजा का नहीं- दोनों में अंतर है। श्री महालक्ष्मी की शक्ति श्री आदिशक्ति, की तीन शक्तियों में से एक है। यह शक्तियां भौतिक और सूक्ष्म दोनों स्तरों पर शक्तिशाली हैं। लक्ष्मी तत्व संतुष्ट होने के बाद ही हम महालक्ष्मी तत्व प्राप्त कर सकते हैं, जो केवल कुण्डलिनी जागृति से ही संभव है। जब व्यक्ति वैभव से तंग आ जाता है, तब उसे इस बात का एहसास होता है कि किसी चीज़ की कमी है और तब वह महालक्ष्मी के तत्व की ओर बढ़ता है। इसी तत्व से कुण्डलिनी का जागरण संभव है।

मानव का सूक्ष्म तंत्र

इसी कुण्डलिनी के उत्थान के लिए श्री महालक्ष्मी ने उत्क्रांति के मध्यमार्ग, सुषुम्ना नाड़ी का सृजन किया है। महालक्ष्मी का तत्व हमारे उत्क्रांति की सीढ़ी है। कोल्हापुर के महालक्ष्मी मंदिर में लोग हमेशा 'उदे, उदे अम्बे' भजन गाते हैं क्योंकि कुण्डलिनी केवल महालक्ष्मी मार्ग से ही ऊपर जा सकती है तथा कुण्डलिनी ही 'अम्बा' अर्थात 'माँ' है। महालक्ष्मी तत्व जागृत होने के बाद मानव के अंतर में परिवर्तन होता है और आत्मतत्व बन साधक परमेश्वरी लीला का साक्षी और स्वयं का गुरु बन जाता है। ऐसा व्यक्ति बात-बात पर परेशान नहीं होता, प्रेम एवं करुणा का आनंद उठाता है। ऐसे व्यक्ति का चरित्र एक दीप के सामान प्रकाशमान हो जाता है। और जब कुण्डलिनी शक्ति, हमारे हृदय में आत्मा की लौ को जागृत कर देती है तब हमारे अंदर के अज्ञान का अन्धकार हट जाता है और चित्त आत्मा के प्रकाश से भर जाता है। यही दिवाली का असली तत्व है।

आत्मसाक्षात्कार प्राप्त करना हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है और इसके लिए आप कोई शुल्क नहीं दे सकते। यह एक घटना है जो स्वतः घटित होती है और हमारी उत्क्रांति का अंतिम चरण है, ज़रूरत है तो केवल शुद्ध इच्छा की। यही असली दिवाली है जिसमें हृदय के दीप में प्रेम का तेल का डालकर, कुण्डलिनी की बाती से आत्मा की लौ हमारे चित्त को प्रकाशित करती है। आइये हम भी इस दिवाली अपना आत्मसाक्षात्कार प्राप्त कर एक प्रकाशमान दीप के समान अहंकार का तिमिर नाश कर,सत्य दर्शन करें। अब समय आ गया है कि हम सब इस बात को समझें और अनंत आनंद और चिरस्थायी शांति से जीवन निर्वाह करें। मानव की खोज का उत्तर अब आ गया है।

अष्टलक्ष्मी और उनके तत्त्व

आद्यलक्ष्मी: आद्य अर्थात "आदि" लक्ष्मी। यह सर्वप्रथम है।

विद्यालक्ष्मी: लक्ष्मी विद्या के अंदर की गरिमा है। यह आपको परमेश्वरी शक्ति को सँभालने की विधि सिखाती है और उसे सहृदयतापूर्वक उपयोग करने की समझ देती है।

सौभाग्यलक्ष्मी: यह सौभाग्य प्रदान करती है। सौभाग्य का अर्थ पैसा नहीं है, इसका अर्थ है पैसे की गरिमा।

अमृतलक्ष्मी: अमृत मतलब जिसे लेने के बाद मृत्यु नहीं होती अर्थात चिरंजीवी होना। यह आत्मा है। अतः आत्मा की कृपा अमृतलक्ष्मी है।

गृहलक्ष्मी: गृहलक्ष्मी परिवार की देवी है। यदि यह तत्व घर की महिलाओं के अंदर जागृत तभी वह सही मायने में गृहलक्ष्मी हो सकती है।

राजलक्ष्मी: ये राजाओं की गरिमा प्रदान करती है। राजा की गरिमा, उसका प्रताप, राजलक्ष्मी का वरदान है।

सत्यलक्ष्मी: सत्यलक्ष्मी के माध्यम से आपको सत्य की चेतना प्राप्त होती है। यह महानतम आशीर्वाद है जो ये आपको प्रदान करती है- आनंद लेने की शक्ति।

योगलक्ष्मी: जो आपको योग प्रदान करती है, अर्थात परमात्मा के साथ जुड़ाव। ये शक्ति आपके अंदर स्थित है और यह आपको उस कृपा तक पहुंचाती है, जिससे आप योग की स्थिति तक पहुँचते हैं।

हाथों की हथेलियों पर चैतन्य को महसूस करें।

न्यूज गैलरी

पैट्रोल और डीजल लगातार तीसरे दिन हुए महंगे

नई दिल्ली : पैट्रोल और डीजल की कीमतों में रविवार को लगातार तीसरे दिन बढ़ौतरी दर्ज की गई। शुक्रवार को 48 दिनों तक लगातार स्थिर रहने के बाद दोनों ईंधन के दामों में पहली बार बढ़ौतरी हुई थी। इंडियन ऑयल के अनुसार, देश के 4 बड़े महानगरों में डीजल के दाम 18 से 20 पैसे और पैट्रोल के 8 पैसे तक प्रति लीटर बढ़ाए गए हैं। दिल्ली में डीजल 19 पैसे और पैट्रोल 8 पैसे प्रति लीटर मंहगा हुआ है। घरेलू बाजार में इससे पहले डीजल के दाम में अंतिम बार संशोधन 2 अक्तूबर को हुआ था,जबकि पैट्रोल की कीमत पिछले 58 दिन से स्थिर थी। पैट्रोल की कीमत में आखिरी बार 22 सितंबर को 7 से 8 पैसे प्रति लीटर की कमी की गई थी।

FPI ने नवंबर में बाजारों में 49,553 करोड़ रुपए डाले

नई दिल्ली : विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफ.पी.आई.) ने इस महीने में अब तक भारतीय बाजारों में 49,553 करोड़ रुपए डाले हैं। उच्च तरलता की स्थिति तथा अमरीका के राष्ट्रपति चुनावों को लेकर असमंजस दूर होने के बाद वैश्विक संकेतक बेहतर हुए हैं, जिससे भारतीय बाजारों में एफ.पी.आई. का निवेश बढ़ा है। एफ.पी.आई. ने 3 से 20 नवंबर के दौरान शेयरों में शुद्ध रूप से 44,378 करोड़ रुपए तथा ऋण या बांड बाजार में 5,175 करोड़ रुपए का निवेश किया है। इस तरह का उनका कुल निवेश 49,553 करोड़ रुपए रहा है। अक्तूबर में एफ.पी.आई. ने भारतीय बाजारों में 22,033 करोड़ रुपए डाले थे। ग्रो के सह-संस्थापक एवं मुख्य परिचालन अधिकारी हर्ष जैन ने कहा कि तरलता की स्थिति बेहतर रहने और वैश्विक संकेतकों में सुधार से एफ.पी.आई. का भारतीय बाजारों में निवेश बढ़ा है।

विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 573 अरब डॉलर पर

मुंबई : देश के विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार 7वें सप्ताह तेजी दर्ज की गई और 13 नवंबर को समाप्त सप्ताह में यह बढ़कर 573 अरब डॉलर के करीब हो गया। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा गत शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक एक सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 4.28 अरब डॉलर बढ़कर 572.77 अरब डॉलर हो गया। विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार 7वें सप्ताह तेजी दर्ज की गई है। इससे पहले 6 नवंबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार करीब 8 अरब डॉलर बढ़कर 568.49 अरब डॉलर, 30 अक्तूबर को समाप्त सप्ताह में 18.3 करोड़ डॉलर बढ़कर 560.71 अरब डॉलर, 23 अक्तूबर को समाप्त सप्ताह में 5.41 अरब डॉलर बढ़कर 560.53 अरब डॉलर, 16 अक्तूबर को समाप्त सप्ताह में 3.61 अरब डॉलर बढ़कर 555.12 अरब डॉलर पर रहा था।

कोच्चि-बेंगलूर पाइपलाइन का पहला चरण जनवरी तक हो जाएगा तैयार

मुंबई : देश की प्रमुख गैस कंपनी गेल इंडिया को उम्मीद है कि कोच्चि-बेंगलूर लाइन का पहला चरण जनवरी तक पूरा हो जाएगा। गौरतलब है कि कंपनी ने कोच्चि-मेंगलोर गैस पाइपलाइन का काम काफी देरी के बाद पिछले सप्ताह पूरा किया है। गेल के दक्षिणी क्षेत्र के कार्यकारी निदेशक प्रभारी पी मुरुगेसन ने कहा, 'हमने पाइप बिछा दिए हैं और 95 किलोमीटर लंबे कुट्टनाड-वलियार मार्ग पर दबाव परीक्षण किया जा रहा है। हमें उम्मीद है कि इसे जनवरी तक पूरा कर लिया जाएगा।' कोच्चि-बेंगलूर गैस पाइपलाइन परियोजना की कुल लंबाई 620 किलोमीटर है और इसका पहला चरण पलक्कड़ के कुट्टनाड से शुरू होकर केरल-तमिलनाडु सीमा पर स्थित वालयार तक है। दाब परीक्षण पूरा होने के बाद पाइपलाइन से पलक्कड़ शहर के साथ ही जिले के कांजीकोड़ और अन्य औद्योगिक क्षेत्रों को प्राकृतिक गैस की आपूर्ति की जाएगी।

ए.यू.एम. में 55% हिस्सा : डिस्ट्रीब्यूटर के भरोसे हैं म्यूचुअल फंड में रिटेल निवेशक

कुल फोलियो में 90 प्रतिशत हिस्सेदारी, रिटेल निवेशकों के एसैट्स में 3.92 प्रतिशत की बढ़ौतरी

नई दिल्ली, 22 नवंबर (इं.) : म्यूचुअल फंड में रिटेल निवेशकों को डायरैक्ट निवेश रास नहीं आ रहा है। यही कारण है कि अभी तक ज्यादातर रिटेल निवेशक डिस्ट्रीब्यूटर्स (वितरकों) के जरिए निवेश करते हैं। साथ ही म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री के कुल फोलियो में रिटेल का हिस्सा 90% तो है, लेकिन एसैट अंडर मैनेजमैंट (ए.यू.एम.) में इनका हिस्सा 55% है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के आंकड़ों के मुताबिक, अक्तूबर 2020 में कुल एसैट्स 28.34 लाख करोड़ रुपए रही है। इसमें से 14.64 लाख करोड़ रुपए रिटेल निवेशकों का हिस्सा है। एक साल पहले अक्तूबर की तुलना में यह महज 3.92% बढ़ी है। जबकि इसी दौरान संस्थागत निवेशकों की एसैट्स 13.70 लाख करोड़ रुपए रही है। एक साल पहले अक्तूबर की तुलना में यह 13.69% बढ़ी है।

80 प्रतिशत रिटेल निवेशक वितरकों के जरिए करते हैं निवेश

आंकड़ों के मुताबिक 80% रिटेल निवेशक वितरकों के जरिए निवेश करते हैं। रिटेल की 15% एसैट डायरैक्ट निवेश से आते हैं। पूरी इंडस्ट्री में 47% एसैट्स डायरैक्ट निवेश से आते हैं। इसी तरह 85% संस्थागत निवेशक म्यूचुअल फंड में डायरैक्ट निवेश करते हैं। 75% हाई नैटवर्थ निवेशक (एच.एन.आई.) वितरकों के जरिए निवेश करते हैं। डायरैक्ट का हिस्सा ज्यादातर गैर इक्विटी स्कीम से आता है। म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री में कुल 9.33 करोड़ फोलियो है। इसमें 90.1% रिटेल निवेशक फोलियो यानी 8.40 करोड़ है। इसके अलावा 84.28 लाख फोलियो एच.एन.आई. का है जबकि 7.85 लाख फोलियो संस्थागत निवेशक का है।

11 वर्षों में महज दोगुना बढ़ा इंडस्ट्री का फोलियो

पूरी इंडस्ट्री में मार्च 2009 में 4.76 करोड़ फोलियो था। यानी 11 वर्षों में फोलियो की संख्या महज दोगुनी हो पाई है। एम्फी के आंकड़े बताते हैं कि म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री की 16% एसैट्स टॉप 30 शहरों के आगे के शहरों (बी-30) से आती है। बी-30 में 62% हिस्सा इक्विटी स्कीम का है। इक्विटी के 48.8% एसैट्स ऐसे हैं जो 2 साल से ज्यादा समय तक के लिए निवेश किए जाते हैं।

बी-30 में 3 प्रतिशत डायरैक्ट निवेश आता है

बी-30 में डायरैक्ट 3% निवेश आता है, जबकि डिस्ट्रीब्यूटर के जरिए 22% निवेश आता है। टॉप-30 (टी-30) में 17% डायरैक्ट निवेश आता है जबकि 58% वितरकों के जरिए आता है। इक्विटी स्कीम की होल्डिंग पूरी इंडस्ट्री में अक्तूबर 2020 में 39.6% थी। एक साल पहले अक्तूबर 2019 में यह 42.4% थी। डेट में यह 28.4% पिछले साल थी जो अब बढ़कर 32% हो गई है। इसी तरह लिक्विड में यह 20 से बढ़कर 23% हो गई जबकि ई.टी.एफ. में 8 से घटकर 6% हो गई है।

एफ.ए.ओ. की एक्सपायरी से दिखेगा उतार-चढ़ाव

मुंबई : देश के शेयर बाजार में इस सप्ताह फ्यूचर्स व ऑप्शंस सैगमैंट के चालू महीने के अनुबंधों की एक्सपायरी को लेकर उतार-चढ़ाव का दौर दिखने को मिल सकता है। ऐसे में निफ्टी के लिए 13,000 के मनोवैज्ञानिक स्तर को छूने की चुनौती होगी जोकि बीते सप्ताह 40 अंक से भी कम के अंतर से रह गया था। विदेशी निवेशकों का बीते दिनों भारतीय शेयर बाजार के प्रति रुझान बना रहा है और नवंबर में एफ.पी.आई. की निवल लिवाली देखने को मिली है। लिहाजा, बाजार के जानकार बताते हैं कि निफ्टी 13,000 का स्तर छू सकता है। कोरोना महामारी के गहराते प्रकोप के बीच वैक्सीन आने की दिशा में हो रही प्रगति से निवेशकों का मनोबल ऊंचा होने के कारण घरेलू शेयर बाजार में बीते सप्ताह तेजी का रुझान बना रहा और प्रमुख संवेदी सूचकांकों ने ऐतिहासिक ऊंचाइयां बनाई, हालांकि मुनाफा वसूली के चलते सैंसेक्स और निफ्टी अपने नए शिखर से थोड़ा फिसल कर बंद हुए जबकि साप्ताहिक स्तर पर लगातार तीसरे सप्ताह बढ़त का सिलसिला जारी रहा। चालू महीने नवंबर सीरीज के फ्यूचर्स व ऑप्शंस सैगमैंट के अनुबंधों की एक्सपायरी इस सप्ताह वीरवार यानी 26 नवंबर को होने जा रही है जिसके बाद निवेशक अगले महीने के अनुबंधों में अपना पोजीशन बनाएंगे लिहाजा, बाजार में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है।

रिलैक्सो फुटवियर्स 150 करोड़ रुपए के निवेश से नया संयंत्र लगाएगी

नई दिल्ली, 22 नवंबर (एजैंसी) : रिलैक्सो फुटवियर्स लि. चालू वित्त वर्ष में 150 करोड़ रुपए के निवेश से नया विनिर्माण संयंत्र लगाने की तैयारी कर रही है। कंपनी का कहना है कि कोविड-19 महामारी की वजह से खुले जूते-चप्पलों मसलन स्लिपर्स और सैंडल की मांग बढ़ी है, जिसे पूरा करने के लिए वह नया संयंत्र लगाने जा रही है। रिलैक्सो फुटवियर्स के प्रबंध निदेशक रमेश कुमार दुआ ने कहा, 'कोविड-19 महामारी की वजह से खुले जूते-चप्पलों की मांग बढ़ रही है। हम इस मांग को पूरा करने के लिए उत्पादन बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं। हमने चालू वित्त वर्ष में 150 करोड़ रुपए का निवेश करने की योजना बनाई है।'

तीसरी व चौथी तिमाही में सकारात्मक रहेगी आर्थिक वृद्धि दर : आशिमा गोयल

लॉकडाऊन को धीरे-धीरे उठाने से महामारी पर काबू पाने में मदद मिली

नई दिल्ली, 22 नवंबर (एजैंसी) : भारत की वृहद आर्थिक स्थिति तेजी से सुधर रही है और चालू वित्त वर्ष (2020-21) की तीसरी और चौथी तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जी.डी.पी.) की वृद्धि दर सकारात्मक रहेगी। प्रसिद्ध अर्थशास्त्री आशिमा गोयल ने रविवार को यह बात कही। गोयल ने कहा कि कोविड-19 महामारी के प्रबंधन और लॉकडाऊन को धीरे-धीरे उठाने से महामारी को उच्चस्तर पर पहुंचने से रोकने में मदद मिली है। उन्होंने कहा कि विभिन्न एजैंसियां वृद्धि के अनुमान में लगातार बदलाव कर रही हैं। गोयल ने कहा, 'हम देख रहे हैं कि अब लगातार यह सहमति बन रही है कि वृद्धि दर में गिरावट 2 अंक से कम रहेगी। सितंबर में अनलॉक 4 से आपूर्ति श्रृंखला की बाधाएं दूर हुई हैं और गतिविधियां तेजी से रफ्तार पकड़ रही हैं। तीसरी और चौथी तिमाही में वृद्धि दर सकारात्मक रहेगी।' गोयल को रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एम.पी.सी.) का सदस्य नियुक्त किया गया है। उन्होंने कहा कि कई सुधारों के मोर्चों पर प्रगति हुई है, इससे दीर्घावधि की वृद्धि दर को टिकाऊ करने में मदद मिलेगी।

टाटा स्टील ने इस्पात विनिर्माण के लिए रूस के कोकिंग कोयले का परीक्षण शुरू किया

नई दिल्ली, 22 नवंबर (एजैंसी) : टाटा स्टील ने ब्लास्ट फर्नेस मार्ग से इस्पात विनिर्माण को रूस से कोकिंग कोयले के नमूनों का परीक्षण शुरू कर दिया है। कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सी.ई.ओ.) टी.वी. नरेंद्रन ने यह जानकारी दी। यह घटनाक्रम घरेलू इस्पात उद्योग की दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण है। यदि परीक्षण के नतीजे अच्छे रहते हैं, तो इससे भारत को कोकिंग कोयले की आपूर्ति में आस्ट्रेलिया का एकाधिकार समाप्त हो सकता है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, भारत सालाना 72,000 करोड़ रुपए के 5.6 करोड़ टन कोकिंग कोयले का आयात करता है। इसमें से 4.5 करोड़ टन का आयात अकेले प्रायद्वीपीय देशों से किया जाता है। भारत की कोकिंग कोयले के आयात को लेकर चुनिंदा देशों पर निर्भरता कम करने के इस्पात मंत्रालय के प्रयासों में कंपनी के योगदान पर नरेंद्रन ने कहा, 'हमने रूस से कुछ कोकिंग कोयले का आयात किया है। रूस का पूर्वी तट इसका अच्छा स्रोत है।'

दूरसंचार सेवाओं की दरें तार्किक नहीं, बढ़ाने की जरूरत : सुनील मित्तल

कहा- निर्णय लेने से पहले देखी जाएंगी बाजार की परिस्थितियां

नई दिल्ली, 22 नवंबर (एजैंसी) : दूरसंचार सेवाप्रदाता कंपनी भारती एयरटैल के चेयरमैन सुनील मित्तल का कहना है कि अभी मोबाइल सेवाओं की दरें तार्किक नहीं हैं। उन्होंने कहा कि मौजूदा दरों पर बाजार में बने रहना मुश्किल है, अतः दरों में बढ़ौतरी अपरिहार्य है। उन्होंने कहा कि इस बारे में कोई निर्णय लेने से पहले बाजार की परिस्थितियों को देखा जाएगा। उन्होंने कहा, जहां तक दूरसंचार सेवाओं की दरों का सवाल है, कंपनी ने (एयरटैल ने) इस बारे में अपना रुख स्पष्ट कर दिया है। एयरटैल मजबूती से यह मानती है कि दरों में वृद्धि की जानी चाहिए। मित्तल ने कहा, 'मौजूदा दरें टिकाऊ नहीं हैं, लेकिन एयरटैल बिना बाजार के या नियामक के कदम उठाए खुद से पहल नहीं कर सकती है। उद्योग जगत को एक समय पर दरें बढ़ाने की जरूरत होगी। हमें ऐसा करते समय बाजार की परिस्थितियों को देखना होगा।' उल्लेखनीय है कि मित्तल ने इस साल अगस्त में इस बारे में टिप्पणी की थी। उन्होंने कहा था कि 160 रुपए में एक महीने के लिए 16 जी.बी. डाटा देना त्रासदी है। कंपनी का कहना रहा है कि टिकाऊ कारोबार के लिए प्रति ग्राहक औसत राजस्व को पहले 200 रुपए और धीरे-धीरे बढ़कर 300 रुपए तक पहुंचना चाहिए।

बुनियादी ढांचा क्षेत्र की 437 परियोजनाओं की लागत 4.37 लाख करोड़ रुपए बढ़ी

देरी और अन्य कारणों की वजह से बढ़ी लागत

नई दिल्ली, 22 नवंबर (एजैंसी) : बुनियादी ढांचा क्षेत्र की 150 करोड़ रुपए या इससे अधिक के खर्च वाली 437 परियोजनाओं की लागत में तय अनुमान से 4.37 लाख करोड़ रुपए से अधिक की वृद्धि हुई है। एक रिपोर्ट में इसकी जानकारी मिली है। देरी और अन्य कारणों की वजह से इन परियोजनाओं की लागत बढ़ी है। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय 150 करोड़ रुपए या इससे अधिक लागत वाली बुनियादी ढांचा क्षेत्र की परियोजनाओं की निगरानी करता है। मंत्रालय की सितंबर-2020 की रिपोर्ट में कहा गया है कि इस तरह की 1,663 परियोजनाओं में से 437 की लागत बढ़ी है, जबकि 531 परियोजनाएं देरी से चल रही हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है, 'इन 1,663 परियोजनाओं के क्रियान्वयन की मूल लागत 21,09,236.41 करोड़ रुपए थी, जिसके बढ़कर 25,47,057.52 करोड़ रुपए पर पहुंच जाने का अनुमान है। इससे पता चलता है कि इन परियोजनाओं की लागत 20.76 प्रतिशत यानी 4,37,821.11 करोड़ रुपए बढ़ी है।'

डाटा केंद्र में बिजली कटने से कई बैंकों का परिचालन अस्थायी तौर पर प्रभावित

नई दिल्ली, 22 नवंबर (एजैंसी) : नवी मुंबई में धीरूभाई अंबानी नॉलेज सिटी (डी.ए.के.सी.) में शनिवार को बिजली कटने से एच.डी.एफ.सी. बैंक सहित कई बैंकों का परिचालन अस्थाई तौर प्रभावित हुआ। डी.ए.के.सी. में कई कंपनियों के डाटा केंद्र हैं। सूत्रों ने यह जानकारी दी। हालांकि, बाद में बिजली ठीक होने के बाद बैंकिंग सेवाएं सामान्य हो गईं। सूत्रों ने कहा कि अब बैंकिंग परिचालन पूरी तरह सामान्य हो चुका है।

आत्मनिर्भर अभियान के बाद ग्राहकों के रुख में आए बदलाव का लाभ उठाना चाहती है इमामी

नई दिल्ली, 22 नवंबर (एजैंसी) : एफ.एम.सी.जी. क्षेत्र की प्रमुख कंपनी इमामी लि. का मानना है कि सरकार के 'आत्मनिर्भर' अभियान के बाद अब ग्राहक धीरे-धीरे घरेलू ब्रांडों की ओर रुख कर रहे हैं। कंपनी को उम्मीद है कि ग्राहकों के रुख में आए इस बदलाव का लाभ उसके हाल में पेश साफ-सफाई से जुड़े उत्पादों को मिलेगा। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। कंपनी हाल में घर की साफ-सफाई से जुड़े उत्पादों की श्रेणी में भी उतरी है। इस क्षेत्र में मुख्य रूप से बहुराष्ट्रीय कंपनी हिंदुस्तान यूनिलीवर का दबदबा है।

मत्स्य सबसिडी : भारत, अन्य विकासशील देशों ने गरीब मछुआरों के लिए मांगी पूरी छूट

नई दिल्ली, 22 नवंबर (एजैंसी) : भारत सहित कुछ विकासशील देशों ने क्षेत्रीय जल सीमाओं में गरीब मछुआरों द्वारा मछली पकड़ने की गैर-विनियमित और अघोषित गतिविधियों पर नियमों से पूरी तरह छूट की मांग की है। इस मसले पर इस समय विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यू.टी.ओ.) में चर्चा चल रही है, ताकि मत्स्य सबसिडी को नियमों के तहत लाया जा सके। इन देशों ने विशेष आर्थिक क्षेत्रों (ई.ई.जैड) में मत्स्य गतिविधियों पर सबसिडी को रोकने के लिए नियमों को लागू करने को अधिक समय की मांग भी की है, जिन्हें वार्ता के बाद अंतिम रूप दिया जाएगा। एक सूत्र ने बताया कि डब्ल्यू.टी.ओ. के ये देश गहरे समुद्र और गैरकानूनी मत्स्य गतिविधियों के लिए इन नियमों को लागू करने के लिए तैयार हैं।

आई.ओ.बी. को दूसरी छमाही में 18,000 करोड़ के एन.पी.ए. के समाधान की उम्मीद

नई दिल्ली, 22 नवंबर (एजैंसी) : सार्वजनिक क्षेत्र के इंडियन ओवरसीज बैंक (आई.ओ.बी.) को दिवाला एवं ऋणशोधन अक्षमता संहिता के तहत चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में 18,000 करोड़ रुपए की गैर-निष्पादित आस्तियों (एन.पी.ए.) के समाधान की उम्मीद है। इस कदम से बैंक के मुनाफे में सुधार होगा। इसके अलावा चेन्नई का बैंक अगले वित्त वर्ष के दौरान भारतीय रिजर्व बैंक की त्वरित सुधारात्मक कार्रवाई (पी.सी.ए.) व्यवस्था से बाहर आने की उम्मीद कर रहा है। आई.ओ.बी. के प्रबंध निदेशक पी.पी. सेनगुप्ता ने कहा, 'हम चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही के दौरान राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एन.सी.एल.टी.) में लंबित 18,000 करोड़ रुपए के एन.पी.ए. के मामलों के समाधान की उम्मीद कर रहे हैं। एन.सी.एल.टी. में कुछ बड़े खातों के समाधान से हमारे बही-खाते में सुधार होगा।' एन.पी.ए. खातों के समाधान तथा ऋण की मांग बढ़ने से बैंक मार्च तक अपने सकल एन.पी.ए. को 10 प्रतिशत से नीचे लाने का लक्ष्य कर रहा है।

दैनिक सवेरा टाइम्स
advt@dainiksaveratimes.co.in
www.dainiksavera.com
Savera Times Classified

ज्योतिष
उस्ताद बाबा सिकंदर खां - काले इल्म के माहिर - 30 वर्षों से जालंधर में Specialist - मुठकरनी, वशीकरण, लवमैरिज, ऊपरी कसर, विदेश, क्लेश कपूरथला चौक - 98783-60443, 98768-81743.

ज्योतिष
खबरदार काला इल्म समसानी कब्रिस्तान शक्तियों द्वारा महावशीकरण प्रेम विवाह सौतन दुश्मन छुटकारा गड़ा धन घर बैठे समाधान आयुषजी बंगाली 98976-88431.

नाम परिवर्तन
I Manish K Sharma S/o Sh. Jagdish Sharma R/o A-54, Vastu Apartment, Plot No. 70, Gurgaon, Sector-55 Haryana 122011 has changed my name from Manish Sharma to Manish K Sharma for all future purposes.

मैं, अंजली खुराना पत्नी अंकित मग्गों निवासी वार्ड नंबर-3 तहसील लाडवा जिला कुरुक्षेत्र ने अपना नाम अंजली खुराना से बदलकर अंजली मग्गों रख लिया है। भविष्य में मुझे अंजली मग्गों के नाम से जाना जाए।

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

नाम परिवर्तन
मैं रुकमेश पत्नी श्री सुशील कुमार गाँव व डाकखाना मुलाना तहसील बराड़ा जिला अम्बाला (हरियाणा) की स्थाई निवासी हूं। मेरे पुत्र भूषण कुमार के आर्मी रिकार्ड नम्बर 3016142K रैंक सिपाही में मेरा नाम गलती से रुकमेश रानी लिखा गया है। जबकि मेरे सभी दस्तावेजों में मेरा नाम रुकमेश है जो कि सही है।

बेदखली
मैं बलदेव राज उम्र 63 साल पुत्र श्री थोरू राम निवासी गोपाल नगर जालंधर यह बयान करता हूं कि मेरा बेटा लव जोकि प्राइवेट गाड़ी चलाता है। वह मेरे कहने से बाहर है। मैं उसे अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं। उसके साथ लेन-देन करने वाला स्वयं जिम्मेदार होगा। सभी नोट करें।

आवश्यक सूचना
पाठकों से अनुरोध है कि समाचारपत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (धन भेजने, चिकित्सकीय सलाह अथवा अनुबंध) से पहले अच्छी तरह जांच कर लें। किसी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किसी विज्ञापनदाता के किसी भी प्रकार के दावों की दैनिक सवेरा टाइम्स जिम्मेदार नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक और दैनिक सवेरा टाइम्स विज्ञापनदाताओं के अपने वायदों को पूरा न करने पर जिम्मेदार नहीं होंगे।

हर महीने ढाई से 3 लाख नौकरियां उत्पन्न कर रहा डिलीवरी खंड

आपूर्ति क्षेत्र की अगुवाई में 'ब्लू कॉलर' नौकरियों में हो रहा सुधार : रिपोर्ट

नई दिल्ली, 22 नवंबर (एजैंसी) : कोरोना वायरस महामारी की रोकथाम के लिए लॉकडाऊन लगाए जाने के बाद देश में ब्लू कॉलर (शारीरिक श्रम करने वाले कर्मचारी) नौकरियों में गिरावट देखने को मिली थी। हालांकि, अब खाद्य एवं किराना सामान समेत आपूर्ति (डिलीवरी) खंड की अगुवाई में इन नौकरियों में तेज सुधार देखने को मिल रहा है। एक रिपोर्ट में यह कहा गया है। नौकरियों से संबंधित सेवाएं देने वाली स्टार्टअप कंपनी वाहन के अनुसार, खाद्य एवं किराना खंड अब हर महीने ढाई से 3 लाख नौकरियां उत्पन्न कर रहा है। कंपनी ने अपने एप्प से जमा किए गए आंकड़ों के आधार पर कहा कि डिलीवरी खंड के अलावा विनिर्माण, सहायक गतिविधियों और बी.पी.ओ. क्षेत्र में भी नौकरियों की मांग आ रही है। वाहन के सह-संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी माधव कृष्ण ने इस बारे में कहा, 'लॉकडाऊन के दौरान ब्लू कॉलर नौकरियों की मांग में जो गिरावट आई थी, अब डिलीवरी खंड की अगुवाई में उसमें तेज सुधार देखने को मिल रहा है।'

डिलीवरी खंड में 'ब्लू कॉलर' नौकरियों की मांग कोविड-19 से पहले के स्तर के 100 प्रतिशत पर वापस आ चुकी है। डिलीवरी

शीर्ष 5 कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 1.07 लाख करोड़ रुपए घटा

नई दिल्ली, 22 नवंबर (एजैंसी) : सैंसेक्स की शीर्ष-10 में से 5 कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्कीट कैप) में बीते सप्ताह सामूहिक रूप से 1,07,160 करोड़ रुपए की गिरावट आई। सबसे अधिक नुक्सान में रिलायंस इंडस्ट्रीज रही। टाटा कंसल्टैंसी सर्विसेज (टी.सी.एस.), हिंदुस्तान यूनिलीवर, इन्फोसिस और आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण भी घट गया। वहीं दूसरी ओर एचडीएफसी बैंक, एचडीएफसी लि., बजाज फाइनांस और भारती एयरटैल के बाजार पूंजीकरण में बढ़ौतरी हुई। बीते सप्ताह बी.एस.ई. का 30 शेयरों वाला सैंसेक्स 439.25 अंक या 1.01 प्रतिशत के लाभ में रहा। समीक्षाधीन सप्ताह में रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 69,378.51 करोड़ रुपए घट गया।

मैं बल्लेबाज के पैर और शारीरिक भाषा से उसको परख सकता हूं। ब्रिस्बेन 2008 में बस उस कला को दर्शा रहा था, जो मेरे पास थी। गिलक्रिस्ट पैदल था, ऊपर वाली गेंद पर। इसलिए मैंने कहा इसको पुल पर ही निकालना है। -प्रवीण कुमार

स्पोर्ट्स गैलरी

हर स्थान पर बल्लेबाजी को तैयार, फैसला प्रबंधन का होगा : रोहित

नई दिल्ली : रोहित शर्मा ने टैस्ट सलामी बल्लेबाज के तौर पर अपनी भूमिका का लुत्फ उठाया है लेकिन आस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी टैस्ट शृंखला में वह टीम प्रबंधन की मांग के अनुसार बल्लेबाजी क्रम में अपने स्थान को लेकर लचीला होने के लिए तैयार हैं। रोहित ने कहा, 'जहां भी टीम चाहती है, मैं वहां बल्लेबाजी करने को तैयार हूं लेकिन मैं नहीं जानता कि वे सलामी बल्लेबाज के तौर पर मेरी भूमिका बदलेंगे या नहीं।' रोहित ने कहा, 'मुझे पूरा भरोसा है कि आस्ट्रेलिया में पहुंचे टीम प्रबंधन ने विराट के जाने के बाद विकल्प पहचान लिए होंगे और कौन खिलाड़ी हैं जो पारी का आगाज करेंगे।'

न्यूजीलैंड दौरे पर पृथकवास में पाक टीम पर नहीं होगी सख्ती

कराची : अगले महीने टी-20 और टैस्ट शृंखला खेलने के लिए सोमवार को न्यूजीलैंड के लिए रवाना होने वाले 50 खिलाड़ियों के पाकिस्तानी दल को साल के शुरू में हुए इंगलैंड दौरे की तुलना में कम पाबंदियों का सामना करना पड़ेगा। एक रिपोर्ट में इसकी जानकारी दी गई। हालांकि, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पी.सी.बी.) ने खिलाड़ियों और अधिकारियों के साथ उनके परिवारों को जाने की अनुमति नहीं दी है लेकिन एक रिपोर्ट के अनुसार, इंगलैंड की तुलना में दौरा करने वाली टीम के लिए कम पाबंदियां होंगी। इस रिपोर्ट में कहा गया कि ऑकलैंड में पहुंचने के बाद पाकिस्तानी दल को 14 दिन के पृथकवास में रहना होगा। पाकिस्तान टीम 3 टी-20 अंतर्राष्ट्रीय और 2 टैस्ट मैच खेलेगी। न्यूजीलैंड बोर्ड ने कहा कि वह अपनी सरकार से सहयोग के बाद कुछ दर्शकों को अनुमति देने की कोशिश में जुटा है। शृंखला टी-20 के साथ 18 दिसंबर से शुरू होगी।

विराट के बिना भारतीय बल्लेबाजी में आएगा अंतर : ईयान चैपल

सिडनी : आस्ट्रेलिया टीम के पूर्व कप्तान और मशहूर कमैंटेटर ईयान चैपल का कहना है कि भारतीय कप्तान विराट कोहली के बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के आखिरी 3 मैचों में नहीं रहने से भारतीय टीम की बल्लेबाजी में बड़ा अंतर पैदा होगा। चैपल ने कहा, 'कप्तान विराट पहले टैस्ट के बाद जब स्वदेश लौट जाएंगे तो भारत को टीम चयन को लेकर समस्या आएगी। यह भारतीय बल्लेबाजी क्रम में एक बड़ा अंतर पैदा करेगी लेकिन इसके साथ ही यह एक उभरते खिलाड़ी को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका देगी।' उन्होंने कहा, 'दोनों टीमों के बीच रोचक मुकाबला होने जा रहा है और इसमें सबसे अहम चयन प्रक्रिया है। परिणाम से पता लगेगा कि टीम संयोजन में बेहतर कौन साबित हुआ।'

आस्ट्रेलिया दौरे के लिए नहीं चुने जाने पर निराशा हुई थी : सूर्यकुमार

मुंबई : इंडियन प्रीमियर लीग (आई.पी.एल.) और घरेलू टूर्नामैंट में लगातार दमदार प्रदर्शन करने के बाद भी आस्ट्रेलिया दौरे के लिए अनदेखी किए जाने के बाद सूर्यकुमार यादव को काफी निराशा हुई थी लेकिन मुंबई इंडियंस के कप्तान रोहित शर्मा से बातचीत करने के बाद उन्हें अपने खेल पर ध्यान देने में मदद मिली। सूर्यकुमार ने कहा, 'उस समय (टीम की घोषणा के बाद) जिम में रोहित मेरे बगल में बैठे थे और उन्होंने मेरी तरफ देखा और मैंने कहा, 'जाहिर है, मैं थोड़ा निराश हूं', क्योंकि वह महसूस कर पा रहे थे कि मैं अच्छी खबर का इंतजार कर रहा था।'

एल.पी.एल. में कैंडी टस्कर्स की ओर से खेलेंगे डेल स्टेन

कोलंबो : दक्षिण अफ्रीका के अनुभवी तेज गेंदबाज डेल स्टेन वीरवार से शुरू होने जा रही लंका प्रीमियर लीग (एल.पी.एल.) के पहले संस्करण में कैंडी टस्कर्स की ओर से खेलते हुए नजर आएंगे। फ्रैंचाइजी ने रविवार को सोशल मीडिया पर स्टेन के टस्कर्स की ओर से खेलने की पुष्टि की। कैंडी टस्कर्स ने कहा, 'हमें इसकी घोषणा करते हुए बेहद खुशी हो रही है कि दिग्गज बॉलर डेल स्टेन कैंडी टस्कर्स से जुड़ेंगे।' स्टेन हाल में इंडियन प्रीमियर लीग में रॉयल चैलैंजर्स बेंगलूर की ओर से खेले थे, जिसके कप्तान विराट कोहली थे।

सैमसन का वन-डे और सैनी का टैस्ट डैब्यू संभव

आस्ट्रेलिया में इंडियन प्लेयर्स का पदार्पण : पहला मैच खेल सकते हैं नटराजन, सिराज को भी टैस्ट टीम में मिल सकता मौका

मुंबई, 22 नवंबर (एजैंसी) : भारतीय टीम कोरोना के बीच अपनी पहली क्रिकेट सीरीज के लिए आस्ट्रेलिया पहुंच चुकी है। यहां टीम को 3 वन-डे, 3 टी-20 और 4 टैस्ट खेलने हैं। इस दौरे पर यॉर्कर स्पैशलिस्ट टी. नटराजन भारतीय टीम के लिए डैब्यू कर सकते हैं। उन्हें टी-20 टीम में जगह दी गई है। उनके अलावा मोहम्मद सिराज और नवदीप सैनी को टैस्ट, जबकि संजू सैमसन को वन-डे में डैब्यू का मौका मिल सकता है। तमिलनाडु के तेज गेंदबाज नटराजन ने आई.पी.एल. में 2 सीजन खेले, जिसमें 22 मैच खेलकर 18 विकेट लिए हैं। नटराजन ने इस साल आई.पी.एल. में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए 16 मैचों में 16 विकेट लिए। इस सीजन में उन्होंने 30 से ज्यादा यॉर्कर भी फैंके, जो सबसे ज्यादा रहीं।

संजू सैमसन

नवदीप सैनी

टी. नटराजन

डे-नाइट टैस्ट में 50% फैंस को एंट्री मिलेगी

टैस्ट सीरीज की शुरुआत 17 दिसंबर को एडिलेड में डे-नाइट टैस्ट से होगी, जिसमें सरकार ने 50% दर्शकों को मैच देखने की मंजूरी दे दी है। इस स्टेडियम की कैपेसिटी 54 हजार दर्शकों की है। इसके बाद क्रिसमस वीक में होने वाले बॉक्सिंग-डे टैस्ट में 25 हजार फैन्स को एंट्री मिलेगी। इस स्टेडियम की दर्शक क्षमता एक लाख है। फैन्स की सुरक्षित एंट्री को लेकर विक्टोरियन गवर्नमैंट और मैलबोर्न क्रिकेट क्लब मिलकर कोविड सुरक्षा प्लान तैयार करेंगे।

सैमसन को माना जा रहा धोनी का रिप्लेसमैंट

आई.पी.एल. में इस बार राजस्थान रॉयल्स के विकेटकीपर संजू सैमसन टॉप स्कोरर रहे थे। सैमसन ने टीम इंडिया के लिए अब तक 4 टी-20 खेले हैं। उन्हें वन-डे और टैस्ट में डैब्यू का इंतजार है। फिलहाल, आस्ट्रेलिया दौरे के लिए उन्हें सिर्फ वन-डे टीम के लिए चुना गया है। सैमसन अगर वन-डे टीम में सफल रहे तो उनको महेंद्र सिंह धोनी का रिप्लेसमैंट माना जा सकता है।

मोहम्मद सिराज

सिराज को पहले टैस्ट में मौका मिलना मुश्किल

मोहम्मद सिराज को आस्ट्रेलिया के खिलाफ टैस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम में चुना गया है। उन्हें मोहम्मद शमी, जसप्रीत बुमराह और ईशांत शर्मा के रहते पहले टैस्ट में मौका मिलना बेहद मुश्किल है। सीरीज में 4 टैस्ट होने हैं, ऐसे में हो सकता है कि आखिर में या बीच में जरूरत पड़ने पर सिराज को मौका दिया जा सकता है। हालांकि, यह थोड़ा मुश्किल लग रहा है।

नवदीप ने आई.पी.एल. के दम पर वन-डे, टी-20 में किया था डैब्यू

नवदीप सैनी ने पिछले साल आई.पी.एल. में डैब्यू करते हुए 13 मैच में 11 विकेट लिए थे। इसके बाद उन्हें भारतीय टीम में जगह मिली और उन्होंने वैस्ट इंडीज के खिलाफ वन-डे और टी-20 से इंटरनैशनल क्रिकेट में डैब्यू किया था। हालांकि, इस आई.पी.एल. सीजन में वे कुछ खास नहीं कर सके। उन्होंने 13 मैच में सिर्फ 6 विकेट लिए। अब उन्हें आस्ट्रेलिया दौरे के लिए टैस्ट टीम में शामिल किया गया है।

तीसरे गेंदबाज की भूमिका निभा सकते हैं नवदीप सैनी

आस्ट्रेलिया के खिलाफ टैस्ट सीरीज में मोहम्मद शमी, जसप्रीत बुमराह के साथ तीसरे गेंदबाज की भूमिका निभा सकते हैं। हालांकि, भारतीय टीम में ईशांत शर्मा भी हैं, लेकिन वे चोट के बाद उबरे हैं। ऐसे में वे पहले मैच में आराम कर सकते हैं, लेकिन ऐसी कोई पुष्टि नहीं है। यदि ईशांत प्लेइंग इलैवन से बाहर रहते हैं, तो नवदीप को एंट्री मिल सकती है।

इशांत और रोहित को अगर टैस्ट सीरीज खेलनी है तो 3-4 दिन में आस्ट्रेलिया पहुंचना होगा : शास्त्री

सिडनी, 22 नवंबर (एजैंसी) : भारत के मुख्य कोच रवि शास्त्री ने वरिष्ठ खिलाड़ियों रोहित शर्मा और ईशांत शर्मा की आगामी टैस्ट शृंखला में भाग लेने पर आशंका व्यक्त करते हुए कहा कि इसके लिए उन्हें अगले कुछ दिनों में आस्ट्रेलिया पहुंचना होगा। रोहित (बाएं हैमस्ट्रिंग) और इशांत (साइड स्ट्रेन) दोनों मांसपेशियों में खिंचाव के कारण राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एन.सी.ए.) में रिहैबिलिटेशन पर हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बी.सी.सी.आई.) ने हालांकि अभी उनके आस्ट्रेलिया जाने की तारीख के बारे में नहीं बताया है। शास्त्री ने कहा, 'अगर टैस्ट शृंखला में खेलना है तो आपको अगले 3 या 4 दिनों में विमान में होना होगा। यदि ऐसा नहीं हो पाता है तो यह मुश्किल होगा।'

सिडनी : भारत-आस्ट्रेलिया के बीच वन-डे सीरीज से अभ्यास सत्र के दौरान युवा बल्लेबाज शुभमन गिल से बातचीत करते मुख्य कोच रवि शास्त्री। उन्होंने यह तस्वीर ट्विटर पर पोस्ट की और लिखा, 'क्रिकेट जैसे महान खेल को लेकर चर्चा करने से बेहतर कुछ नहीं हो सकता।'

लंका प्रीमियर लीग में गॉल ग्लैडिएटर्स टीम की कप्तानी करेंगे शाहिद अफरीदी

कोलंबो, 22 नवंबर (एजैंसी) : पाकिस्तान के पूर्व ऑलराऊंडर शाहिद अफरीदी वीरवार से शुरू होने जा रही लंका प्रीमियर लीग (एल.पी.एल.) के पहले संस्करण में गॉल ग्लैडिएटर्स टीम की कप्तानी करेंगे। भनुका राजक्षे इस टीम के उप कप्तान होंगे। गॉल ग्लैडिएटर्स ने अपने आधिकारिक टिवटर पर इसकी जानकारी दी। टीम ने कहा, 'गॉल ग्लैडिएटर्स ने सुपरस्टार शाहिद अफरीदी को टीम का कप्तान और भनुका राजपक्षे को उप कप्तान बनाया है।' अफरीदी ने पाक के लिए 27 टैस्ट, 398 वन-डे और 99 टी-20 मैच खेले हैं।

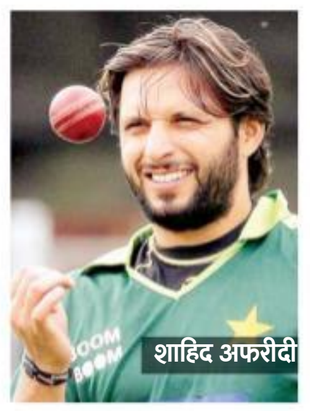

शाहिद अफरीदी

कोहली मैदान पर बेहद प्रतिस्पर्धी, लेकिन मैदान के बाहर एकदम अलग : जम्पा

सिडनी, 22 नवंबर (एजैंसी) : आस्ट्रेलिया के लैग स्पिनर एडम जम्पा का कहना है कि भारतीय कप्तान विराट कोहली की मैदान के अंदर की छवि भले ही आक्रामक बल्लेबाजी सुपरस्टार की हो लेकिन हाल में इंडियन प्रीमियर लीग के दौरान हुई चर्चा में वह बहुत ही 'कूल' खिलाड़ी के तौर पर सामने आए। दोनों खिलाड़ी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूर के लिए खेलते हैं। जम्पा ने कहा, 'मेरा कोहली के साथ शाकाहारी खाना, कॉफी और क्रिकेट को लेकर बातचीत करने का एक नया रिश्ता बन गया है।

जोकोविच और नडाल बाहर, थिएम और मेदवेदेव में होगी खिताबी टक्कर

टैनिस ए.टी.पी. वर्ल्ड टूर फाइनल्स

लंदन, 22 नवंबर (एजैंसी) : विश्व के नंबर-1 खिलाड़ी सर्बिया के नोवाक जोकोविच और नंबर-2 स्पेन के राफेल नडाल सैमीफाइनल में हारकर बाहर हो गए और साल के आखिरी टैनिस टूर्नामैंट ए.टी.पी. वर्ल्ड टूर फाइनल्स का खिताबी मुकाबला ऑस्ट्रिया के डोमिनिक थिएम और रूस के डेनियल मेदवेदेव के बीच खेला जाएगा। यू.एस. ओपन चैम्पियन थिएम ने जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए जोकोविच को कड़े संघर्ष में हराकर बाहर का रास्ता दिखाया।

हमारे रिजर्व गेंदबाज भी काफी तेज : शमी

कहा- इस तरह का अटैक कहीं नहीं दिखेगा

मोहम्मद शमी

नई दिल्ली, 22 नवंबर (एजैंसी) : भारतीय टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने कहा कि टीम का गेंदबाजी आक्रमण विश्व में इस समय इसलिए सर्वश्रेष्ठ है क्योंकि तेज गेंदबाजी में गहराई है और खिलाड़ियों के बीच आपस में अच्छा तालमेल है। शमी और जसप्रीत बुमराह भारतीय तेज गेंदबाजी आक्रमण की अहम कड़ी हैं और बीते कुछ वर्षों में टीम की सफलता का अहम कारण रहे हैं। शमी ने कहा, 'हमारा तेज गेंदबाजी आक्रमण 140 कि.मी. प्रति घंटे से ज्यादा की रफ्तार से गेंदबाजी करता है और आपको इस तरह की तेजी की जरूरत आस्ट्रेलिया में होती है।' शमी ने कहा, 'हमारे रिजर्व गेंदबाज भी काफी तेज फैंकते हैं, आप इस तरह का अटैक नहीं देखते हैं। हम चुनौतियों के लिए तैयार रहते हैं। हमारे पास अनुभव भी है। हमारे स्पिन विभाग में भी विविधता है। हम तेज फैंक सकते हैं लेकिन हम सभी अलग हैं, हमारी योग्यताएं अलग हैं।'

रोनाल्डो के 2 गोल, युवेंटस ने कागलियारी को हराया

मिलान, 22 नवंबर (एजैंसी) : क्रिस्टियानो रोनाल्डो के 2 गोल की मदद से युवेंटस सीरी-ए फुटबाल में कागलियारी पर 2-0 की जीत से दूसरे स्थान पर पहुंच गया। गोल करने की लय जारी रखते हुए रोनाल्डो ने अपने अंतिम 5 मैचों में 8 गोल दागे। इस तरह युवेंटस लीग तालिका में शीर्ष पर चल रहे ए.सी. मिलान से एक अंक पीछे है। सासुओलो एक अंक पीछे तीसरे स्थान पर है।

रविचंद्रन अश्विन के यू-ट्यूब शो 'डी.आर.एस. विद एश' में किस्सा याद किया

विश्व कप-2003 में तेंदुलकर की 98 रन की पारी उनकी सर्वश्रेष्ठ : इंजमाम उल हक

नई दिल्ली, 22 नवंबर (एजैंसी) : इंजमाम उल हक को लगता है कि सचिन तेंदुलकर द्वारा 2003 विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ खेली गई 98 रन की पारी महान बल्लेबाज के कैरियर की सर्वश्रेष्ठ पारियों में से एक है। सचिन ने दक्षिण अफ्रीका के सैंचुरियन में एक मार्च 2003 को पाकिस्तान के खिलाफ खेले गए विश्व कप के ग्रुप मैच में 98 रन बनाए थे। पाकिस्तान ने भारत को 274 रन का लक्ष्य दिया था जिसे भारत ने हासिल कर लिया था। इंजमाम ने भारत के ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन के यू-ट्यूब शो 'डी.आर.एस. विद एश' में कहा, 'मैंने सचिन को काफी खेलते हुए देखा है, लेकिन उन्होंने जिस तरह से उस मैच में बल्लेबाजी की मैंने वो पहले कभी नहीं देखी। उन परिस्थितियों में उन्होंने जिस तरह से हमारे गेंदबाजों का सामना किया वो बेहतरीन था। मुझे लगता है कि शोएब अख्तर की गेंद पर आऊट होने से पहले उन्होंने 98 रन बनाए थे।' उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि वह सचिन की सर्वश्रेष्ठ पारियों में से एक थी। उन्होंने जो दबाव था उसे हटा दिया था। उन्होंने हमारे शीर्ष स्तर के तेज गेंदबाजी आक्रमण के सामने बेहतरीन पारी खेली थी। उन्होंने जिस तरह से वो बाऊंड्रीज मारी थीं उसने आने वाले बल्लेबाजों पर से दबाव हटा दिया था। अगर कोई सचिन से पूछेगा तो निश्चित तौर पर वह उस पारी को पसंदीदा बताएंगे।'

BOLLYWOOD BITES

डिंपल की हॉलीवुड फिल्म 'टेनेट' भारत में 4 को होगी रिलीज

मुंबई. बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्री डिंपल कपाड़िया ने घोषणा की है कि क्रिस्टोफर नोलन द्वारा लिखित व निर्देशित बहुप्रतीक्षित उनकी हॉलीवुड फिल्म 'टेनेट' भारत में 4 दिसंबर को रिलीज होगी। अभिनेत्री ने कहा, भारत के सभी सिनेमाघरों में 4 दिसंबर को क्रिस्टोफर नोलन की फिल्म टेनेट की रिलीज की घोषणा करते हुए मुझे बेहद खुशी हो रही है। इस प्रोजेक्ट से जुड़ना मेरे लिए एक सम्मान की बात है। फिल्म में कुछ शानदार एक्शन सीक्वेंस, टर्न और ट्विस्ट हैं, जिसका आप केवल बड़े पर्दे पर ही आनंद ले सकते हैं।' साइंस फिक्शन एक्शन फिल्म में इसमें जॉन डेविड वॉशिंगटन, रॉबर्ट पैटिनसन, एलिजाबेथ डेबिकी, डिंपल कपाड़िया, माइकल केन और केनेथ ब्रानघ जैसे सितारे हैं।

ट्विटर ट्रेंड

bhumi pednekar @bhumipednekar
Breathe & Let go

यूट्यूब ट्रेंड

3 दिन | **40.00** लाख बार देखा गया | **3.12** मिनट की वीडियो

आर.नायत द्वारा प्रदर्शित नया पंजाबी गाना 'गुड टाइम' रिलीज हुआ है। इस गाने को अबराम ने गाया है तथा इसके लिरिक्स आर. नायत ने लिखे हैं। यूट्यूब पर इसे काफी पसंद किया जा रहा है।

इंस्टा ट्रेंड

टीना दत्ता ने अपनी यह तस्वीर इंस्टाग्राम पर शेयर की जिसे काफी पसंद किया गया।

मुंबई : बांद्रा स्थित कॉफी शॉप के बाहर स्पॉट हुई डेजी शाह।

मुंबई : अंधेरी इलाके में अपनी आगामी फिल्म की शूटिंग के लिए पहुंची पूजा बेदी की बेटी अलाया।

करिश्मा तन्ना ने ब्लैक साड़ी में अपनी यह पिक शेयर की।

अनुष्का शर्मा ने मुस्कुराते हुए अपनी यह पिक इंस्टा पर शेयर की।

मुंबई : बांद्रा में अपने पपी संग स्पॉट हुई सोफी चौधरी।

मुंबई : यशराज स्टूडियो में अपने आगामी प्रोजेक्ट के लिए पहुंची कैटरीना कैफ।

आलिया भट्ट ने एथनिक वेयर में अपनी यह तस्वीर शेयर की जिसे काफी लाइक्स मिले।

मुंबई : अपने पपी के साथ बांद्रा स्थित एक पैट क्लीनिक में पहुंची नूपुर सैनन।

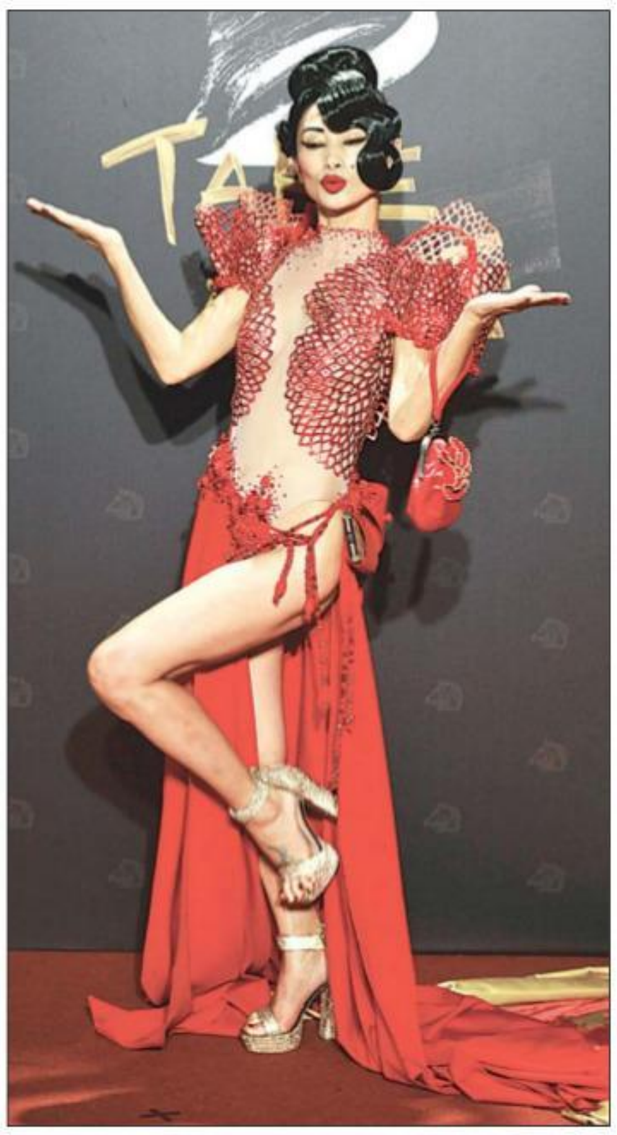

ताइपे (ताईवान) : 57वें गोल्डन होर्स फिल्म अवॉर्ड्स के रैड कारपैट पर आकर्षक अंदाज में पोज देती चीनी-अमरीकी अभिनेत्री बाई लिंग।

मास्को (रूस) : आई.एस.यू. ग्रांड प्रिक्स फिगर स्केटिंग चैम्पियनशिप के दौरान परफॉर्म करती रूस की जोड़ी।

सब तों डूंघा पूल

वारसा : दुनिया के सबसे गहरे तरणताल में एक गोताखोर। 150 फुट (45.5 मीटर) गहरा यह पूल मैस्कजोनॉ में है। इस कांप्लैक्स को डीपस्पॉट के नाम से जाना जाता है, जहां स्कूबा और फ्री गोताखोर बखूबी तैर सकते हैं। इस तरणताल में 8,000 घन मीटर पानी है, जो साधारण 25 मीटर पूल के मुकाबले 20 गुणा ज्यादा पानी है।

गुब्बारों की वेशभूषा में नृत्य प्रदर्शन

ब्रिसबेन (कनाडा) : स्ट्रीट फैस्टीवल के दौरान यहां की मेन मार्कीट में रंग-बिरंगे सैकड़ों गुब्बारों से बनी वेशभूषा धारण किए अपने नृत्य की प्रस्तुति करते डांसर्ज।

साप्ताहिक राशिफल

23 से 29 नवंबर

मेष : इस सप्ताह मेष राशि के जातक-जातिकाओं को चल रही समस्याओं का समाधान मिल सकता है। प्रेम-संबंधों से जुड़े पहलुओं में आपको सफलता प्राप्त हो सकती है। व्यापारी वर्ग के जातकों को अपने व्यापार से अच्छी मात्रा में लाभ की प्राप्ति हो सकती है। यात्राओं की अधिकता बनी रह सकती है। स्वास्थ्य को लेकर छोटी-मोटी तकलीफ बनी रह सकती है। अचानक धन लाभ की स्थितियां सामने आ सकती हैं।

वृषभ : राशि के जातक-जातिकाओं को चल रही उलझनों में कमी होती नजर आएगी। रुके तथा अटके कार्यों को गति प्राप्त होगी। स्वास्थ्य ठीक बना रहेगा, मगर कमर-दर्द की शिकायत हो सकती है। विदेश यात्रा की योजना बन सकती है। संतान संग बढ़िया समय बिता सकते हैं। वैवाहिक जीवन में चल रहीं परेशानियों में राहत महसूस कर सकते हैं। व्यावसायिक धन लाभ की प्राप्ति के आसार बन सकते हैं।

मिथुन : इस सप्ताह मिथुन राशि के जातक-जातिकाओं को कार्यस्थल तथा निजी जीवन में कुछ बदलाव देखने को मिल सकते हैं। प्रेम-संबंधों को लेकर स्थितियां अच्छी हो सकती हैं तथा जातकों के चल रहे इन रिश्तों को विवाह की मंजूरी मिल सकती है। धन लाभ की प्राप्ति के अवसर प्राप्त हो सकते हैं। संतान की तरफ से कोई अच्छा समाचार मिल सकता है। विद्यार्थी वर्ग को अपने कार्यक्षेत्र में अच्छी सफलता मिलेगी।

कर्क : राशि के जातक-जातिकाओं को किसी पुरानी चली आ रही समस्या से राहत मिल सकती है। किसी भी प्रकार के जमीन-जायदाद तथा मकान से संबंधित कार्यों में आपको सफलता प्राप्त होगी। माता से लाभ तथा सुखों की प्राप्ति हो सकती है। इस हफ्ते आप अपने साज-सज्जा के ऊपर अधिक व्यय कर सकते हैं तथा घर के लिए किसी प्रकार के सामान की खरीदारी कर सकते हैं। जीवनसाथी से अनबन हो सकती है।

सिंह : इस सप्ताह सिंह राशि के जातक-जातिकाएं अपने आप को ऊर्जावान महसूस करेंगे तथा अपने पराक्रम के सहारे सभी कार्यों को पूर्ण करेंगे। आपको अटके हुए धन मिलने के आसार नजर आ सकते हैं। इस हफ्ते आपको भाई-बहनों का भरपूर सहयोग मिलेगा। जो जातक नौकरी के लिए प्रयासरत हैं, उनको अच्छी नौकरी मिल सकती है। सुखों में वृद्धि होगी तथा अपने रहन-सहन पर ज्यादा ध्यान देंगे।

कन्या : राशि के जातक-जातिकाओं का यह हफ्ता धनलाभ के लिहाज से बहुत अच्छा व्यतीत होगा। कई कार्यों के द्वारा आपको धन प्राप्ति हो सकती है। वैवाहिक जीवन के लिए ये हफ्ता बहुत अच्छा जा सकता है। व्यापारिक लोगों को लाभ मिल सकता है तथा अपने व्यापार में नए कार्य सम्मलित कर सकते हैं। पढ़ाई कर रहे जातकों को कुछ परेशानियां मिल सकती हैं। आपकी आर्थिक स्थिति में वृद्धि के अच्छे योग हैं।

तुला : राशि के जातक- जातिकाओं का उत्तरार्द्ध में नौकरी तथा व्यापार से संबंधित किसी यात्रा का योग बन सकता है। पुरानी चल रही कोई बीमारी ठीक होती नजर आएगी। इस हफ्ते आप अपने लिए कुछ कपड़े तथा इलैक्ट्रॉनिक आइटम की खरीदारी पर खर्चा कर सकते हैं। वैवाहिक जीवन में एक-दूसरे के प्रति प्रेमभाव में वृद्धि हो सकती है। आपके बैंक बैलेंस में बढ़ौतरी के अच्छे अवसर बन सकते हैं।

वृश्चिक : राशि के जातक- जातिकाओं की धन की स्थिति अच्छी बन सकती है। इस हफ्ते यात्राओं की अधिकता बनी रह सकती है। नए लोगों से संपर्क हो सकते हैं, जो आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकते हैं। अपने लिए आप कुछ खरीदारी कर सकते हैं। व्यापारिक तथा नौकरी वर्ग के जातकों के लिए यह हफ्ता अच्छा साबित हो सकता है। कार्यक्षेत्र से संबंधित कोई जरूरी फैसला ले सकते हैं। हफ्ते के मध्य से आप अपने आपमें एक नई अनुभूति महसूस करेंगे।

मकर : राशि के नौकरी वर्ग के जातक-जातिकाओं के लिए अच्छा व्यतीत हो सकता है। आय के नए स्रोत उभरकर सामने आ सकते हैं। धार्मिक कार्य तथा तंत्र-मंत्र में झुकाव बढ़ सकता है। नए लोगों के साथ संपर्क बढ़ सकते हैं जो लाभदायक रहेंगे। संतान के प्रति प्रेम बढ़ सकता है तथा उनके द्वारा सहयोग मिल सकता है। नसों से संबंधित किसी बीमारी से आप परेशान रह सकते हैं। आप सुख-सुविधाओं की चीजों पर खर्च कर सकते हैं।

धनु : इस सप्ताह धनु राशि के जातक-जातिकाओं के मान-सम्मान में बढ़ौतरी हो सकती है। भाग्य के सहयोग के चलते आपके कार्य पूर्ण होते रहेंगे। नौकरी तथा व्यापार की तलाश में भटक रहे जातकों को सफलता प्राप्त हो सकती है। व्यापार से संबंधित लोगों के लिए धन लाभ के योग हैं। पढ़ाई कर रहे जातकों को अच्छे समाचार मिल सकते हैं। मकान से संबंधित कार्यों में सफलता मिल सकती है।

कुंभ : राशि के जातक-जातिकाओं को भाग्य पूर्ण सहयोग देगा। नौकरी कर रहे जातकों को लाभ की प्राप्ति हो सकती है तथा कार्यस्थल पर नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। जीवनसाथी का स्वास्थ्य गड़बड़ा सकता है। घर की साज-सज्जा के लिए आप कुछ खरीदारी कर सकते हैं। भाइयों के साथ मनमुटाव उभर सकता है। पढ़ाई कर रहे जातकों के लिए यह हफ्ता अच्छा व्यतीत होगा।

मीन : इस सप्ताह मीन राशि के जातक- जातिकाओं को पुराने किए गए निवेशों से अच्छा लाभ प्राप्त हो सकता है। पुरानी चल रही किसी बीमारी में राहत मिल सकती है। हफ्ते के मध्य भाग से आप अपने आपको ऊर्जावान महसूस कर सकते हैं तथा एक नई सोच के साथ सभी कार्यों में आगे बढ़ सकते हैं। पुरानी चल रही सभी प्रकार की समस्याओं का समाधान होने लगेगा।

(प्रस्तुत साप्ताहिक राशिफल आपकी लग्न राशि के आधार पर आधारित है। ये समस्त राशिफल सामान्य हैं। किसी भी निश्चित परिणाम पर पहुंचने के लिए ज्योतिषी से दशा-अंतर्दशा तथा जन्मपत्री का पूर्ण रूप से अध्ययन कराना उचित रहता है)

Fact महिलाओं की तुलना में पुरुष के लैफ्टी होने की संभावना 23 प्रतिशत अधिक होती है।

आजकल

World Weather

अबु धाबी : 28/24	न्यूयार्क : 15/04
सिडनी : 21/16	वैंकूवर : 08/05
लंदन : 11/09	टोरंटो : 05/-3

आज का इतिहास

1937 प्रख्यात भौतिक विज्ञानी जगदीशचंद्र बसु का निधन।

1705- निकोलस रोवे का प्ले युलिसेस का लंदन में प्रीमियर किया गया।
1808- टूडेला की लड़ाई : फ्रैंच मार्शल लैंस ने स्पैनिश सेना को हराया।
1810- अंग्रेजी अभिनेत्री सारा बूथ ने अपने हॉलीवुड कैरियर की शुरुआत थिएटर रॉयल, कोवेन्ट गार्डन में की थी।
1848- महिला मैडीकल शैक्षिक सोसायटी बोस्टन में स्थापित की गई।
1983- देश में पहली बार नई दिल्ली में राष्ट्रमंडल शिखर सम्मेलन का आयोजन हुआ।

कोरोना TRACKER

राज्य	मामले	ठीक हुए	मौत
अंडमान-निकोबार	4617	4408	61
आंध्र प्रदेश	861092	839395	6927
अरुणाचल प्रदेश	16037	14937	49
असम	211427	207219	973
बिहार	230247	223615	1216
चंडीगढ़	16472	15096	255
छत्तीसगढ़	221688	198316	2713
दिल्ली	523117	475106	8270
गोवा	46748	44812	675
गुजरात	195755	178737	3843
हरियाणा	215056	192568	2163
हिमाचल प्रदेश	33700	26089	509
जम्मू और कश्मीर	105984	98640	1624
झारखंड	107332	103957	945
कर्नाटक	871342	834968	11660
केरल	557442	488437	2023
लद्दाख	7787	6743	96
मध्य प्रदेश	191246	176905	3149
महाराष्ट्र	1774455	1647004	47,578
मणिपुर	23018	19813	233
मेघालय	11269	10236	108
मिजोरम	3607	3111	5
नागालैंड	10674	9137	60
ओडिशा	313323	304908	1678
पुडुचेरी	36648	35437	609
पंजाब	145667	134511	4595
राजस्थान	240676	216520	2146
सिक्किम	4633	4271	96
तमिलनाडु	768340	743838	11586
तेलंगाना	262653	249157	1426
त्रिपुरा	32364	31061	363
उत्तर प्रदेश	521988	491131	7500
उत्तराखंड	70790	64851	1146
पश्चिम बंगाल	449131	415609	7923

कोविड-19 कम-से-कम 6 महीने तक पुनः संक्रमण से बचाता है

अध्ययन में बड़ी संख्या में स्वास्थ्य कर्मियों को शामिल किया गया

लंदन. ब्रिटेन में एक नए अध्ययन में कहा गया है कि कोविड-19 से पहले संक्रमित हो चुके लोगों को पहले संक्रमण के बाद कम से कम 6 महीने तक दोबारा यह बीमारी होने की बहुत कम संभावना होती है। ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय तथा ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय अस्पताल (ओ.यू.एच.) के एन.एच.एस. फाऊंडेशन ट्रस्ट के बीच साझेदारी के तहत अध्ययन किया गया, जिसमें अग्रिम पंक्ति में रहकर काम करने वाले स्वास्थ्य कर्मियों को शामिल किया गया है। अध्ययन में बताया गया है कि पिछले 6 महीने में संक्रमित हुए अधिकतर लोगों को दोबारा कोविड-19 होने की संभावना नहीं है।

ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के नफील्ड डिपार्टमैंट ऑफ पॉपुलेशन हैल्थ के प्रो. डेविड आयरे ने कहा, यह वाकई अच्छी खबर है क्योंकि हम भरोसा कर सकते हैं कि कोविड-19 ग्रस्त हो चुके अधिकतर लोग कम से कम कुछ समय के लिए दोबारा संक्रमित नहीं होंगे। शोधपत्र प्रकाशन के पूर्व के चरणों में है और इसके लेखकों में शामिल आयरे ने कहा, इस अध्ययन में बड़ी संख्या में स्वास्थ्य कर्मियों को शामिल किया गया।

कोरोना वैक्सीन के वितरण में आएगी साजो-सामान, आपूर्ति संबंधी चुनौतियां

टीके के उपलब्ध होने तक वायरस को फैलने से रोकने की कोशिशों में कमी नहीं आनी चाहिए

हैदराबाद. वैज्ञानिक एवं अनुसंधान औद्योगिक परिषद (सी.एस.आई.आर.) के तहत काम करने वाले सैलुलर और आणविक जीव विज्ञान केंद्र (सी.सी.एम.बी.) के निदेशक का कहना है कि कोविड-19 के खिलाफ टीकाकरण के दौरान देश में टीके के वितरण के लिए साजो-सामान और आपूर्ति श्रृंखला जैसी कई चुनौतियां सामने आएंगी। उन्होंने साथ ही कहा कि प्रभावी टीके के उपलब्ध होने तक वायरस को फैलने से रोकने की कोशिशों में कमी नहीं आनी चाहिए।

सी.सी.एम.बी. के निदेशक डा. राकेश मिश्रा ने कहा कि सरकार टीका खरीदने और इसके वितरण को लेकर अपना काम करेगी, लेकिन संक्रमण

को काबू में रखने पर ध्यान केंद्रित होना चाहिए। इसके अलावा टीका उपलब्ध होने तक संक्रमण से निपटने के लिए अधिक प्रभावी संक्रमणरोधी दवाइयों के लिए अध्ययन किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि कोविड-19 टीके के उत्पादन के अलावा इसके वितरण के लिए साजो-सामान और आपूर्ति अन्य चुनौतियां हैं। भारत में गर्भवती महिलाओं के लिए टिटनस के टीके के अलावा वयस्कों के लिए कोई टीकाकरण कार्यक्रम नहीं है।

टीका प्रभावी है या नहीं 2-3 साल बाद पता चलेगा

मिश्रा ने कहा कि कुछ कंपनियों के टीकों को शून्य से 70 डिग्री सैल्सियस नीचे तापमान में रखना होगा। बड़े शहरों के अलावा अन्य स्थानों पर इसका प्रबंध करना मुश्किल होगा। उन्होंने कहा कि इसके अलावा एक अन्य चिंता की बात है कि दो-तीन साल बाद ही पता चल पाएगा कि क्या टीका दीर्घकाल में भी वास्तव में प्रभावी है या नहीं। सी.सी.एम.बी. कोविड-19 टीके के लिए 'प्रूफ ऑफ कॉन्सैप्ट' विकसित कर रहा है। यह अरविंदो फार्मा के साथ हुए करार का हिस्सा है।

बच्चों के टीकाकरण में भी कई मुश्किलें

मिश्रा ने कहा कि बच्चों के टीकाकरण में भी कई मुश्किलें हैं क्योंकि कई लोग टीके लगवाते ही नहीं हैं। उन्होंने कहा कि अधिकतर टीकों के लिए कम से कम दो खुराक की आवश्यकता हो सकती है और दूसरा टीका कुछ निश्चित दिनों के बाद लगना चाहिए। यह सुनिश्चित करना एक और चुनौती होगी।

एस.के. टैलीकॉम और सैमसंग ने मिलकर बनाया एडवांस्ड 5जी क्लाऊड सिस्टम

सियोल. वायरलैस दूरसंचार आप्रेटर एस.के. टैलीकॉम ने कहा कि कंपनी ने सैमसंग इलैक्ट्रॉनिक्स के साथ मिलकर अगली पीढ़ी के एक क्लाऊड नेटिव कोर नैटवर्क सिस्टम का विकास किया है, जो 5जी की बेहतर सुविधा प्रदान करने में सक्षम है।

एक कोर नैटवर्क किसी टैलीकम्यूनिकेशंस इंफ्रास्ट्रक्चर का मुख्य भाग है, जो मोबाइल ग्राहकों तक सेवाओं को पहुंचाने में कई जरूरी कामों को संभालता है, जिनमें डिवाइस सर्टिफिकेशन और सर्विस मैनेजमैंट की गुणवत्ता इत्यादि शामिल है। रिपोर्ट के मुताबिक, एस.के. टैलीकॉम ने कहा है कि उनका नवीनतम कोर नैटवर्क इंडस्ट्री में पहला है, जो ग्लोबल वायरलैस मानक संगठन 3 जी.पी.पी. से रिलीज 16 के मानकों की आवश्यकताओं को पूरा करने में उपयोगी है।

कोरोना वायरस से बचाव के लिए पालतू कुत्ते को घुमाते समय बरतें सावधानी

ऐसे में कोरोना महामारी का खतरा आम लोगों के मुकाबले 78% अधिक होता है

नई दिल्ली. यदि आपके घर में भी पालतू कुत्ता है और आप उसे रोज टहलाने बाहर ले जाते हैं तो सावधान रहें। ऐसा न हो आपका कुत्ता बाहर से वायरस साथ ले आए और आप बीमार हो जाएं। इनवायरनमैंट रिसर्च जर्नल में प्रकाशित शोध में कहा गया है कि जिनके घर में पालतू कुत्ता होता है उनमें कोरोना महामारी का खतरा आम लोगों के मुकाबले 78 फीसदी अधिक होता है।

गंदी जगह छूने से संक्रमण का खतरा

स्पेन विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने जानवरों के जरिए कोरोना फैलने के कारणों पर अध्ययन में पाया कि जिनके घर में पालतू कुत्ते हैं उनमें संक्रमण का खतरा अधिक होता है। अध्ययन में करीब दो हजार लोगों को शामिल किया गया। इनमें से करीब 5 फीसदी लोग बाद में कोरोना से संक्रमित पाए गए। शोधकर्त्ताओं का मानना है कि कुत्ते अनेक स्थानों पर गंदी जगहों को छूते हैं, जबकि वे पहले से ही अपने शरीर में कई प्रकार के वायरस लेकर चलते हैं। ऐसे में उनके वायरस से मालिक को भी संक्रमण लग सकता है।

विशेष सावधानी की जरूरत

शोध के दौरान पाया गया कि वायरस के कारण जानवरों को तो बीमारी नहीं लगती, लेकिन उनके संपर्क में रहने वाले अन्य लोग जरूर बीमार पड़ सकते हैं। अध्ययन दल ने सलाह दी है कि कुत्ते पालने वाले मालिकों को इन दिनों सावधानी रखनी चाहिए। उन्हें जानवरों से भी सोशल डिस्टैंसिंग का पालन करना चाहिए। कुत्तों से भी थोड़ी दूरी बनाए रखना स्वास्थ्य के लिए जरूरी है। विशेष रूप से पालतू कुत्तों को घर के बाहर घूमाने ले जाने वाले व्यक्तियों को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। कुत्तों को बाहर टहलाने से बचें और उनकी सफाई का विशेष ध्यान रखें।

एल.जी. ने रोलिंग लैपटॉप पेटैंट कराया

नई दिल्ली. दक्षिण कोरियाई इलैक्ट्रॉनिक्स कंपनी एल.जी. ने रोलेबल डिस्प्ले वाला लैपटॉप पेटैंट कराया है। एल.जी. का नया पेटैंट बताया है कि उसका नया लैपटॉप 17 इंच का होगा और इसे स्ट्रो अवे करने के लिए रोल किया जा सकता है। इसके डिस्प्ले को 13.3 इंच से 17 इंच के बीच के साइज में रोल किया जा सकता है।

जी.एस.एम.एरेना ने जो तस्वीर प्रकाशित की है उसके मुताबिक इस लैपटॉप का कीबोर्ड और चटपैड फोल्ड हो सकते हैं और इससे ये होगा कि जब ये उपयोग में नहीं जाए जा रहे है तो ये कम स्पेस लेंगे। इस लैपटॉप को लेकर अभी तक अधिक जानकारी नहीं मिली है और उम्मीद है कि आने वाले कुछ दिनों में और जानकारी उपलब्ध हो जाएगी।

समंदर के बढ़ते स्तर की निगरानी के लिए नासा और ई.एस.ए. ने लॉन्च किया मिशन

काम को लगभग 30 साल तक के लिए जारी रखा जाएगा

वाशिंगटन. यूरोपीय स्पेस एजैंसी (ई.एस.) के साथ मिलकर अमकीती स्पेस एजैंसी (नासा) ने दुनिया भर में समंदर के बढ़ते स्तर पर नजर बनाए रखने के लिए एक उपग्रह को सफलतापूर्वक लॉन्च कर दिया है।

यूरोपीय-अमरीकी जांच एजैंसी द्वारा संयुक्त रूप से निर्मित इस सैटेलाइट को शनिवार देर रात को कैलिफोर्निया में स्थित वैंडेनबर्ग एयर फोर्स बेस में लैंडिंग साइट स्पेस लॉन्च कॉम्प्लेक्स 4ई से स्पेसएक्स फाल्कन 9 रॉकेट से लॉन्च किया गया। इस उपग्रह का नाम सेंटिनल-6 माइकल फ्रीलिच है, जिसका आकार एक छोटे से पिकअप ट्रक के बराबर है। इसकी मदद से समुद्र के बढ़ते स्तर के दस्तावेजीकरण करने के नासा के काम को लगभग तीस साल तक के लिए जारी रखा जाएगा। सैंटिनल-6 मौसम की जानकारी देने के साथ ही तटों के पास शिप नैविगेशन को सपोर्ट करने के लिए समुद्र की धाराओं पर विस्तृत जानकारी प्रदान करेगा। नासा के पृथ्वी विज्ञान प्रभाग के निदेशक करेन सेंट जर्मेन ने कहा, ''धरती बदल रही है और इसमें किस तरह का और कितना बदलाव आ रहा है, यह जानने में य सैटेलाइट हमारी मदद करेगा।''

गूगल ने आर.सी.एस.-बेस्ड मैसेज सर्विस पर आधारित चैट फीचर शुरू की

नई दिल्ली. गूगल ने अपने मैसेज सर्विस में चैट फीचर की शुरुआत की है, जो ओपन रीच कम्युनिकेशन सर्विसेज (आर.सी.एस.) के मानक पर आधारित है। इस चैट फीचर में एस.एम.एस. टैक्स्ट मैसेजिंग को अपग्रेड किया जाएगा ताकि लोग वाईफाई या डाटा का उपयोग कर बेहतर क्वॉलिटी के फोटोज और वीडियोज सैंड व रिसीव कर सकें, चैट

कर सकें, जान सकें कि कब मैसेज पढ़ा गया है, रिएक्शन शेयर कर सकें और साथ ही ज्यादा मजेदार और इंगेजिंग ग्रुप चैट का आनंद ले सकें। गूगल ने एक बयान में कहा है, हमने एंड्रॉयड पर सभी के लिए अपने चैट फीचर को लॉन्च कर दिया है, ताकि मैसेज करने के अनुभव को मॉडर्न बनाया जा सके। अब दुनिया में मैसेज का उपयोग करने वाला कोई भी अपने कैरियर या सीधे गूगल से इस मॉडर्न चैट फीचर का इस्तेमाल कर सकता है।

तुलसी के हर भाग में औषधीय गुण

तुलसी की जड़, उसकी शाखाएं, पत्ती और बीज सभी का अपना-अपना महत्व है

नई दिल्ली. भारत में कई घरों में तुलसी का पौधा पाया जाता है। घरों में तुलसी की पूजा का पौराणिक महत्व भी है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि तुलसी के पौधे को वैज्ञानिक दृष्टि से भी बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। तुलसी एक औषधीय पौधा माना जाता है, जिसका इस्तेमाल कई बीमारियों के इलाज के लिए किया जाता है। आयुर्वेद के मुताबिक तुलसी के पौधे का हर भाग आपकी सेहत के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। तुलसी की जड़, उसकी शाखाएं, पत्ती और बीज सभी का अपना-अपना महत्व है, तो आइए इस गुणकारी पौधे के स्वास्थ्यवर्धक फायदों के बारे में जानते हैं।

फायदे

- खांसी अथवा गला बैठने पर तुलसी की जड़ सुपारी की तरह चूसी जाती है।
- श्वास रोगों में तुलसी के पत्ते काले नमक के साथ सुपारी की तरह मुंह में रखने से आराम मिलता है।
- तुलसी की हरी पत्तियों को आग पर सेंक कर नमक के साथ खाने से खांसी तथा गला बैठना ठीक हो जाता है।
- तुलसी के पत्तों के साथ 4 भुनी लौंग चबाने से खांसी जाती है।
- तुलसी के कोमल पत्तों को चबाने से खांसी और नजले से राहत मिलती है।
- खांसी-जुकाम में तुलसी के पत्ते, अदरक और काली मिर्च से तैयार की हुई चाय पीने से तुरंत लाभ पहुंचता है।
- 10-12 तुलसी के पत्ते तथा 8-10 काली मिर्च के चाय बनाकर पीने से खांसी जुकाम, बुखार ठीक होता है।
- फेफड़ों में खरखराहट की आवाज आने व खांसी होने पर तुलसी की सूखी पत्तियां 4 ग्राम मिश्री के साथ देते हैं।
- काली तुलसी का स्वरस लगभग डेढ़ चम्मच काली मिर्च के साथ देने से खांसी का वेग एकदम शान्त होता है।
- 10 ग्राम तुलसी के रस को 5 ग्राम शहद के साथ सेवन करने से हिचकी, अस्थमा एवं श्वास रोगों को ठीक किया जा सकता है।